जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026

विचार बिन्दु

कुछ महान करने के लिए मुसीबतों का सामना करने से घबराइए मत। –जॉन डी. रॉकफेलर

राजस्थान युवा नीति 2026: भविष्य की पीढ़ी के लिए एक रोडमैप

राजस्थान सरकार ने जनवरी 2026 में राजस्थान युवा नीति 2026 लागू की है, जो राज्य के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 2.25 से 2.30 करोड़ युवाओं राज्य की कुल आबादी का 27.2 प्रतिशत के सर्वांगीण विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है। यह नीति पिछली युवा नीति की जगह लेती है और बदलते जनसांख्यिकीय रुझानों, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और तकनीकी क्रांति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में तैयार इस नीति का मूल उद्देश्य युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित न रखकर उन्हें रोजगार प्रदाता, नेतृत्वकर्ता और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है।

नीति आठ प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है शिक्षा और कौशल, रोजगार और उद्यिमता, स्वास्थ्य और कल्याण, सामाजिक समावेश, खेल और संस्कृति, पर्यावरण और स्थिरता, डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता, और संस्थागत शासन। इन स्तंभों के माध्यम से युवाओं को आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा और उन्हें आत्मनिर्भर, सक्षम और स्वस्थ बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में नीति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने, करियर परामर्श और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देती है। कौशल आधारित और समावेशी शिक्षा मॉडल लागू किए जाएंगे, जिससे युवा भविष्य के रोजगार बाजारों के लिए तैयार हो सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल टूल्स जैसी उभरती तकनीकों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा, ताकि युवा बदलते दौर की मांगों के अनुरूप अपने कौशल को अपग्रेड कर सकें। नीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारत की स्किल इंडिया मिशन के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य राजस्थान के युवाओं को उद्योग-तैयार बनाना है।

रोजगार और उद्यमिता के स्तंभ के तहत नीति का स्पष्ट लक्ष्य मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार के अवसर सृजित करना है। इसके लिए कौशल वर्धन और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि युवा नौकरी मांगने वाले से नौकरी देने वाले बनें। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत एक लाख युवाओं को 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें 100 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और मार्जिन मनी ग्रांट शामिल है। यह योजना 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए है और आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन (पोर्टल) है, जिससे ग्रामीण और वंचित वर्ग के युवा भी आसानी से लाभ उठा सकें।

स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में नीति युवा अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, और लैंगिक हिंसा की रोकथाम पर विशेष ध्यान देती है। युवाओं की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष क्लिनिक और परामर्श सेवाएं स्थापित की जाएंगी। खेल और संस्कृति के स्तंभ के तहत खेलों का विस्तार, युवा कलाकारों का संवर्धन और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि युवा अपनी रचनात्मक क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर सकें।

राजस्थान युवा नीति 2026 केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं है; यह राज्य के युवाओं के सपनों, आकांक्षाओं और क्षमताओं को साकार करने का एक जीवंत ढांचा है। यह नीति युवाओं को केवल लाभार्थी न मानकर उन्हें विकास प्रक्रिया के सक्रिय भागीदार और नेता के रूप में देखती है। जब युवा शिक्षित, कौशल-संपन्न, उद्यमी, सामाजिक रूप से संवेदनशील और पर्यावरण के प्रति जागरूक होंगे, तभी राजस्थान सच्चे अर्थों में विकसित बनेगा।

सामाजिक समावेश के प्रावधानों के तहत नीति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और महिला युवाओं पर विशेष ध्यान देती है, ताकि सभी वर्गों को समान अवसर मिल सकें। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, सामाजिक उद्यमिता और स्वयंसेवा को प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। युवाओं को पंचायत स्तर से लेकर नगरपालिका और जिला परिषदों तक में निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा, जिससे वे जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के नेता बन सकें।

पर्यावरण और स्थिरता के स्तंभ में युवाओं को जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता के तहत युवाओं को डिजिटल टूल्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एआई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे डिजिटल अर्थव्यवस्था में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

नीति के कार्यान्वयन के लिए एक तीन-स्तरीय संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया है, जो राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर युवा विकास कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय सुनिश्चित करेगा। राजस्थान रोजगार पोर्टल (ईईएमएस 2.0) का निर्माण किया जा रहा है, जो रोजगार कार्यालयों को एकीकृत करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और स्टार्टअप सहायता से जोड़ेगा।

राजस्थान बजट 2026-27 में इस नीति के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। 500 अतिरिक्त स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जाएगी, जिसके लिए 51.10 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। स्कूल टू वर्क कार्यक्रम शुरू किया जाएगा और प्रत्येक जिले में एक स्कूल को उन्नत व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक संस्थान के रूप में अपग्रेड किया जाएगा, जिससे उद्यमिता और रोजगार-उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा मिले।

यह नीति राजस्थान के पांच वर्षों में 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र के रोजगार के लक्ष्य की आधारशिला है। राज्य सरकार ने अब तक 92 हजार सरकारी नौकरियां दी हैं और 1.53 लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं, जबकि 3.32 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और लगभग दो लाख युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर मिले हैं। आईस्टार्ट राजस्थान के माध्यम से 7,200 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और 42,500 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।

राजस्थान युवा नीति 2026 केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं है; यह राज्य के युवाओं के सपनों, आकांक्षाओं और क्षमताओं को साकार करने का एक जीवंत ढांचा है। यह नीति युवाओं को केवल लाभार्थी न मानकर उन्हें विकास प्रक्रिया के सक्रिय भागीदार और नेता के रूप में देखती है। जब युवा शिक्षित, कौशल-संपन्न, उद्यमी, सामाजिक रूप से संवेदनशील और पर्यावरण के प्रति जागरूक होंगे, तभी राजस्थान सच्चे अर्थों में विकसित बनेगा।

नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि युवा इसके अवसरों का कितना सक्रिय उपयोग करते हैं, कितना नवाचार करते हैं, कितना जोखिम उठाते हैं और अपने समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक कैसे बनते हैं। राजस्थान का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते उसके युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें और इस नीति को एक सफल आंदोलन बनाएं।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, शतभिषा नक्षत्र दिन 11:23 तक, शूल योग दिन 2:51 तक, गर करण दिन 11:13 तक, चन्द्रमा शनिवार प्रातः 5:33 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 11:23 तक है। भद्रा रात्रि 11:07 से आरम्भ होगी। आज अनन्त चतुरदशी व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर सूर्योदय से 7:50 तक, लाभ अमृत 7:50 से 10:49 तक, शुभ 12:19 से 1:48 तक, चर 4:47 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:17

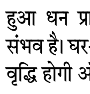

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

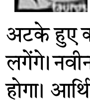

वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

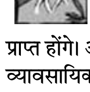

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

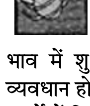

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता

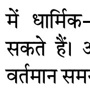

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

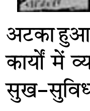

कन्या
आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

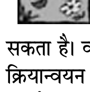

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

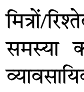

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

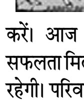

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

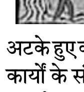

कुंभ
व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

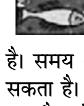

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वोट के लिए लैपटॉप, टैबलेट स्मार्टफोन और स्क्रीन – चुनावी रेवड़ियों का बढ़ता ख़तरा

प्रो. अशोक कुमार

विश्व की समकालीन शिक्षा प्रणालियाँ इस समय एक ऐतिहासिक दोराहे पर खड़ी हैं। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्त, टैबलेट्स और डिजिटल क्लासरूम्स के माध्यम से शिक्षा के पूर्ण कायाकल्प के दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मूल्यांकन दर्शा रहे हैं कि दुनिया भर में विद्यार्थियों की बुनियादी सोचने, समझने और गणना करने की क्षमता में अभूतपूर्व गिरावट आई है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन द्वारा आयोजित 'प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट' (पीसा 2025) की रिपोर्ट्स ने इस वैश्विक विसंगति को स्पष्ट आंकड़ों के साथ नीति-निर्माताओं के सामने रखा है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र के लिए-जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के तहत 21वीं सदी के कौशलों का लक्ष्य रखा गया है और दूसरी तरफ चुनावी राजनीति में मुफ्त गैजेट्स बांटने की होड़ मची है-इन्हीं के निष्कर्ष केवल आंकड़े नहीं, बल्कि आत्ममंथन की एक अनिवार्य चेतावनी हैं।

पीसा 2025 विश्व भर के 15 वर्षीय विद्यार्थियों का मानकीकृत मूल्यांकन है, जो यह नहीं मापता कि छात्र ने अपनी पाठ्यपुस्तक से कितना रटा है, बल्कि यह परखता है कि क्या वह अपने अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन की अपरिचित समस्याओं में लागू कर सकता है। यह परीक्षण मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित होता है: पठन-समझ, गणितीय तार्किकता, और वैज्ञानिक चिंतन!

भारत ने वर्ष 2009 में पहली बार प्रायोगिक तौर पर हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के माध्यम से पीसा में भाग लिया था। उस चक्र में 74 प्रतिभागी क्षेत्रों में भारत का स्थान नीचे से दूसरा (73वां) रहा, जहाँ केवल किर्गिस्तान भारत से पीछे था। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय नीति-निर्माताओं ने व्यवस्थागत सुधार करने के बजाय 'सांस्कृतिक भिन्नता' और भाषा की बाधा का तर्क देकर पीसा से दूरी बना ली। भारत की चुनावी राजनीति में पिछले डेढ़ दशक से विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन बांटना राजनीतिक दलों का सबसे पसंदीदा लोकलुभावन वादा बन चुका है। जनता के टैक्स के हजारों करोड़ रुपये इन उपकरणों की खरीद पर बहा दिए जाते हैं और मंचों से चमकते हुए डिब्बों को बांटते हुए तस्वीरें अखबारों के पहले पन्ने की शोभा बनती हैं। किंतु हाल ही में जारी 'प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट' (पीसा 2025) की वैश्विक रिपोर्ट ने इस पूरी लोकलुभावन रणनीति के शैक्षणिक खोखलेपन को बेनकाब कर दिया है। यह रिपोर्ट स्पष्ट प्रमाण देती है कि बिना सुदृढ़ शैक्षणिक संरचना और मार्गदर्शित पद्धति के विद्यार्थियों के हाथों में अनियंत्रित स्क्रीन थमा देना शिक्षा को सुधारने के बजाय उनकी बुनियादी सीखने की क्षमता को पंगु बना रहा है। राजनीतिक दृष्टि से हार्डवेयर बांटना सबसे सरल काम है। किसी सरकारी स्कूल में गणित और विज्ञान के योग्य शिक्षकों की भर्ती करना, पुस्तकालय बनाना, प्रयोगशालाओं को जीवित करना या पाठ्यक्रम को प्रासंगिक बनाना एक दीर्घकालिक, जटिल और अदृश्य प्रक्रिया है। इसके विपरीत, लाखों छात्रों को लैपटॉप या टैबलेट थमा देना एक तात्कालिक दृश्य तैयार करता है जो सीधे वोट बैंक को प्रभावित करता है।

लेकिन यह चमक उस कड़वी हकीकत को छिपा नहीं पाती कि आज भी ग्रामीण व अर्ध-शहरी विद्यालयों में बिजली, इंटरनेट और प्रशिक्षित शिक्षकों का घोर अभाव है। ऐसे में बिना किसी शैक्षणिक विजन के बांटे गए गैजेट्स का वास्तविक उपयोग पढ़ाई के लिए कितना होता है और मनोरंजन के लिए कितना, यह किसी से छिपा नहीं है। "प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट" (पीसा 2025) के आंकड़ों ने वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा में अनियंत्रित तकनीक एक वरदान नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक आपदा बन रही है:–

पठन एवं समझ का पतन: रिपोर्ट के अनुसार, जिन देशों में छात्रों का स्क्रीन-टाइम अत्यधिक बढ़ा, वहाँ बच्चों की गहरी समझ और एकाग्रता में ऐतिहासिक गिरावट देखी गई। स्क्रीन पर पढ़ाई करने से छात्र गंभीर पठन के बजाय केवल सूचनाओं को सरसरी तौर पर स्कैन करने के आदी हो रहे हैं।

गणितीय सोच और तार्किकता का ह्रास: छोटी-छोटी गणनाओं और सूत्रों के लिए उपकरणों पर निर्भर रहने से छात्रों की समस्या-समाधान की आंतरिक क्षमता कुंद हुई है। "आर्थिक सहयोग और विकास संगठन" इसे संक्षेप में ओईसीडी के अनुसार देशों के गणित स्कोर में आई गिरावट का सीधा संबंध उपकरणों पर बढ़ती निर्भरता से पाया गया।

भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थी बड़ी संख्या में हैं, यह समस्या और अधिक विकराल रूप ले लेती है। प्रथम, जब छात्र बुनियादी भाषा और प्रारंभिक अंकगणित में ही कमजोर हो, तो उसे सीधे टैबलेट या लैपटॉप सौंप देने से वह तकनीक का उपयोग ज्ञानार्जन के लिए नहीं कर पाता। शिक्षा किसी इलेक्ट्रॉनिक चिप या प्लास्टिक के खोल से नहीं आती; वह शिक्षक और छात्र के बीच के बौद्धिक संवाद, पुस्तकों के गंभीर अध्ययन और निरंतर मानसिक संघर्ष से उपजती है। यदि भारत को अपनी युवा आबादी को वास्तव में सशक्त बनाना है, तो नीतिगत प्राथमिकताओं को बदलना होगा:

व्यक्तिगत वितरण के स्थान पर संस्थागत सुदृढ़ीकरण: छात्रों को घर ले जाने के लिए मुफ्त व्यक्तिगत उपकरण बांटने के बजाय विद्यालयों में सुसज्जित, शिक्षक-नियंत्रित कंप्यूटर लैब और आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की जानी चाहिए। शिक्षा पहले, सिलिकॉन बाद में किसी भी उपकरण को कक्षा में लाने से पहले शिक्षकों को उसका शैक्षणिक उपयोग सिखाया जाए।

पुस्तकालयों और खेल मैदानों का पुनरुद्धार: स्क्रीन की आभासी दुनिया से बच्चों को निकालकर वास्तविक दुनिया के अनुभवों, किताबों के पन्नों और खेल मैदानों की सामूहिक गतिविधियों से जोड़ना उनकी मानसिक व शारीरिक सेहत के लिए अनिवार्य है। मतदाताओं को लुभाने के लिए छात्रों को डिजिटल उपकरणों की रेवड़ियां बांटना तात्कालिक रूप से भले ही चुनावी लाभ दे दे, लेकिन यह राष्ट्र की आने वाली पीढ़ी की बौद्धिक क्षमता, कल्पनाशक्ति और तार्किक सामर्थ्य के साथ एक खतरनाक समझौता है। "प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट" (पीसा 2025) की रिपोर्ट एक चेतावनी की घंटी है-यदि हम अब भी नहीं संभले, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर बैठेंगे जिसके हाथों में दुनिया के सबसे आधुनिक गैजेट्स होंगे, लेकिन उनका अपना मस्तिष्क पूरी तरह निष्क्रिय और पराश्रित होगा "प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट" (पीसा 2025) के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि शिक्षा में तकनीक का अनियंत्रित या केवल दिखावटी समावेश विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को सुधारने के बजाय और बिगाड़ सकता है। भारतीय माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के धरातलीय क्रियान्वयन के लिए इस रिपोर्ट से 5 मुख्य व्यावहारिक सबक मिलते हैं:–

पीसा 2025 का निष्कर्ष यह है कि जिन व्यवस्थाओं ने बिना संरचित शिक्षण-पद्धति के केवल स्क्रीन, टैबलेट या कंप्यूटर बांटे, वहाँ विद्यार्थियों के गणित और पठन स्कोर में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के तहत स्मार्ट क्लासरूम या कंप्यूटर लैब स्थापित करना पहला कदम हो सकता है, अंतिम नहीं। पीसा 2025 का निष्कर्ष यह है कि एआई टूल्स का सीमित और मार्गदर्शित उपयोग करने वाले छात्रों ने उन छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया जो पूरी तरह एआई पर निर्भर थे।

"प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट" (पीसा 2025) के अनुसार जिन छात्रों की बुनियादी भाषा समझ और मूलभूत गणित कमजोर था, एआई ने उनकी सोचने की क्षमता को और पंगु बना दिया क्योंकि वे बुनियादी मानसिक कसरत से भी बचने लगे।

भारतीय संदर्भ: माध्यमिक स्तर पर एआई और कंप्यूटर शिक्षा तभी प्रभावी होगी जब छात्र की स्वयं पढ़ने, समझने और गणना करने की नींव पक्की हो। डिजिटल साधनों को सोचने का विकल्प नहीं, बल्कि सोच को विस्तार देने वाला साधन बनाया जाना चाहिए। पीसा 2025 का निष्कर्ष यह है कि सिंगापुर और एस्टोनिया जैसी शीर्ष शिक्षा प्रणालियों में तकनीक का प्रवेश ऊपर से थोपा नहीं गया, बल्कि शिक्षकों को पहले प्रशिक्षित कर उनके कार्यभार को सुगम बनाया गया।

भारतीय संदर्भ: भारत के सहायता प्राप्त एवं राजकीय विद्यालयों में सबसे बड़ी बाधा प्रशासनिक लालफीताशाही और शिक्षकों का पारंपरिक रवैया है। जब तक शिक्षकों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण अनिवार्य नहीं होगा और उनके मूल्यांकन में डिजिटल नवाचारों को महत्व नहीं मिलेगा, तब तक नीतिगत घोषणाएं ज़मीन पर नहीं उतर सकतीं। प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट' (पीसा 2025) रटने की क्षमता नहीं, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में समस्या-समाधान को मापता है।

भारतीय संदर्भ: राज्य बोर्डों (जैसे यूपी बोर्ड) की वर्तमान परीक्षा प्रणाली तथ्यों को रटकर लिखने पर आधारित है। ऐसी परीक्षाओं में एआई केवल नकल या असाइनमेंट पूरा करने का औज़ार बन जाता है। जब तक बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न विश्लेषणात्मक, तार्किक और प्रयोगात्मक नहीं बनेंगे, तब तक छात्र एआई का उपयोग अपनी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए नहीं करेंगे।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

भूमि अधिग्रहण से किसानों में हाहाकार

रामपाल जाट

चूरू, सीकर, अजमेर, कोटपूतली- बहरोड, जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली भरतपुर, ब्यावर सहित राजस्थान के चौथाई भाग में भूमि अधिग्रहण की चिंताओं से किसानों में हाहाकार है। इन जिलों के अनेक किसानों की रात की नींद एवं दिन का चैन उड़ा हुआ है। ब्यावर जिले की तहसील मसूदा की ग्राम पंचायत नयागांव की डांग की ढाणी के परिवार का आनंद छीन लिया, मगरा विकास बोर्ड क्षेत्र के आनन्द पुत्र सुक्खा के परिवार में जीविकोपार्जन में कोई भी सदस्य सक्षम नहीं है। उसके पांच भाइयों के पास कुल दस बीघा कृषि भूमि है जिसमें से दो बीघा ही उसके पास है, उन पांच भाइयों की वृद्ध मां 75 वर्षीय है, उसके परिवार में चार बेटी दो बेटे हैं, जिनमें से दो बेटियां अपने-अपने ससुराल में है, दो बेटियां छोटी 6 एवं बड़ी 8 वर्ष की है, दो बेटों में से वयस्क मंदबुद्धि है, दूसरा अवयस्क है। भरतपुर-ब्यावर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत उसकी कृषि भूमि के अधिग्रहण के समाचार से वह अवसाद में आ गया, उसे कोई सहारा दिखाई नहीं दिया, इसी से उसने समय पूर्व अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसके परिवार वालों की कमजोर स्थिति को देखते हुए गांव वालों ने उसका अंतिम संस्कार रोक दिया तब उपखंड अधिकारी गांव में पहुंची, उसने पूर्व से चल रही सरकारी योजनाओं के अंतर्गत सहायता दिलाने का आश्वासन भी दिया, ग्रामीण जनों ने उसके परिवार के पालनार्थ जिला कलेक्टर से उनके कार्यकाल में जाकर विनती की, किंतु जिला कलेक्टर ने इसे आत्महत्या का प्रकरण होने से किसी प्रकार की सहायता देना संभव नहीं बताया। देश में आत्महत्या करने वाले के आश्रित परिवारों के लिए सहायता देने की योजनाएं बनाई गई है, पिछले 5 वर्षों में राजस्थान में आत्महत्या करने वाले किसानों को 10 लाख रुपए तक की सहायता दी गयी, जिसका एक उदाहरण दूदू तहसील के गांव उदयपुरिया के गणेश जावलिया के आश्रितों को दी गई आर्थिक सहायता है। इन दोनों प्रकरणों में इतना ही अंतर है कि दूदू में सहायता प्राप्त होने तक किसानों का धरना चल रहा था, किंतु आनंद के गांव में जागरूकता का अभाव एवं आर्थिक रूप से कमजोरी के कारण इस प्रकार का धरना आयोजित नहीं हो सका। इसलिए उसे किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हो सकी। इस प्रकार के अनेक अन्य उदाहरण भी है।

संविधान में,लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा होते हुए भी सरकार कानों में तेल डालकर बैठ गई। इस संबंध में राजस्थान के किसानों की ओर से किसान महापंचायत ने मुख्यमंत्री तक को पत्र भेजकर आठाह भी किया किंतु परिणाम ढाक के तीन पात जैसा ही रहा। सरकारों का दबाव के आधार पर ही सहायता उपलब्ध करने का स्वभाव बन गया, न्यायोचितता जैसे शब्द पुस्तकों की शोभा बढ़ाने तक ही सीमित रह गये।

देश में कृषि क्षेत्र प्राथमिक आर्थिक गतिविधि है, इसके साथ ही देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका का आधार है। पिछले पांच वर्षों में भारत के कृषि योग्य भूमि के क्षेत्रफल में 8,38,000 हेक्टर की कमी हुई। इसी अवधि में राजस्थान में 31,000 हेक्टर कृषि भूमि में कमी आई। वर्तमान में देश की कृषि भूमि का औसत आकार 1.08 हेक्टर है। पारिवारिक बंटवारे के कारण यह आकार निरंतर घट रहा है। किसान परिवारों में कृषि भूमि को बचा कर रखना प्रतिष्ठा का प्रतीक है। इसलिए पेट के गांठ देकर भी किसानों की एक पीढ़ी ने कृषि भूमि में बढ़ोतरी को लक्ष्य पर रखा। इसी दिशा में उत्तम खेती की धारणा स्थापित हुई। देश की समृद्धि के लिए 'जन, जल, जमीन, जंगल,जानवर' आधार स्तंभ निरूपित किया गया। इसके विपरीत पाश्चात्य सभ्यता की चमचमाहट के अंधानुकरण के कारण सीमेंट, कंक्रीट, रोड़ी जैसे कार्यों को विकास स्वीकार कर लिया। इसके लिए विदेशी निवेश को साध्य समझ लिया। ये नीतियां पूंजीपतियों के लिए अनुकूल रहती हैं।

भूमि अधिग्रहण के लिए सर्वेक्षण एवं "भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013" एवं उसकी क्रियान्वित के लिए राज्य में निर्मित "राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2016" में विहित प्रक्रियाओं को पूर्ण कराने का कार्य कंपनियों को सौंपा जा रहा है। व्यवहार में ये कंपनियां शासन प्रशासन को अपने अनुसार चलाने में सफल प्रतीत हो रही है। उनके सीधे संबंध उच्च स्तर पर रहने के कारण वे जिला स्तर के अधिकारियों को आदेशित- निर्देशित करती रहती हैं। ईसरदा बांध के निर्माण के लिए खड़ी फसलों को चौपट कर मिट्टी लेने के लिए जिला प्रशासन टोंक ने किसानों को उनकी फसलों की क्षतिपूर्ति राशि चुकाने का विश्वास दिलाया था, किसानों ने तो अपने वचन को पूरा किया किंतु कंपनी वह मूल्य चुकाने से पीछे हट गई, जिला प्रशासन कंपनी के सामने असहाय बन गया, किसानों को अपनी फसलों के मूल्य से वंचित रहना पड़ा, सामान्यतया कंपनियों की इस प्रकार की ही कार्यप्रणाली है। इसी का परिणाम है कि पारदर्शिता के अधिकार को पीछे धकेलते हुए अधिग्रहण की कार्यवाही दुराव -छिपाव के आधार पर औपचारिकताओं की पूर्ति के लिए की जा रही है। कृषि जोतों का आकार छोटा होने के कारण किसान परिवार विस्थापित होकर उजड़ने की स्थिति मे होने पर भी विस्थापन नहीं माना जा रहा है। किसानों द्वारा किए जाने वाले विरोध का संज्ञान भी नहीं लिया जा रहा है। अधिठाहण के संबंध में सामाजिक प्रभाव के अध्ययन से स्वतंत्र निकाय बहु-शाखीय विशेषज्ञता प्राप्त समूह को पंगु बना रखा है। यमुना जल संग्रहण के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध होते हुए भी चुरू जिले के हासियावास बांध के लिए आठ गांवों की कृषि भूमियों का अधिग्रहण किया जा रहा है। हरियाणा के हथिनी कुंड से चुरू जिले के हासियावास तक पाइपलाइन की लंबाई 295 किलोमीटर आकलित की गई है।

भरतपुर जिले के बंध बरेठा तक पानी पहुंचाने के लिए 189 किलोमीटर लंबी ईसरदा बांध से खुली नहर के लिए सवाईमाधोपुर, दौसा, टोंक, करौली, भरतपुर पांच जिलों में 13 तहसीलों के सौ गांवों की 11,404 बीघा कृषि भूमि का अधिग्रहण प्रक्रियाधीन है। बंध बरेठा में पानी की आवक गंभीर नदी से होती आई है, ईसरदा बांध से गंभीर नदी को जोड़ने से प्राकृतिक बहाव का उपयोग भी श्रेष्ठ विकल्प हो सकता है। इस उच्च प्रौद्योगिकी समय में पाइपलाइन द्वारा पानी पहुंचाने के विकल्प का चयन नहीं करना आश्चर्यजनक है। यह स्थिति तो तब है जब अन्य अनेक योजनाओं के साथ यमुना नदी के हथिनी कुंड से चूरू के हासियावास तक पानी पाइप लाइन के द्वारा पहुंचाने के लिए योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। ये दोहरे मापदंड भेदभाव एवं पक्षपात का प्रतीक है। इसी प्रकार की स्थिति "कोटपूतली से किशनगढ़ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे" की है, जहां समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 की सड़क तथा रेल मार्ग होते हुए भी भूमि अधिग्रहण के प्रयास किये जा रहे हैं। कमोवेश ऐसी स्थिति 'भरतपुर ब्यावर भारतमाला परियोजना' की है। ऐसी परियोजनाओं में प्रभावी व्यक्तियों की भूमियों को बचाते हुए आर्थिक रूप से कमजोर एवं शासन प्रशासन तक पहुंच से विरत असहायों की आजीविका छीनना सरकारों की नियति बन चुकी है। इन परियोजनाओं पर होने वाला भारी भरकम व्यय राजनेता, अधिकारी तंत्र एवं धनपतियों के लिए आकर्षक बना हुआ है। वे येन-केन प्रकारेण अपनी पूंजी में बढ़ोतरी के लिए लोक प्रयोजन के नाम पर इस प्रकार के खेल खेलते रहते हैं। इसीलिए जनता की ओर से इस प्रकार की योजनाओं की आवश्यकताओं का आग्रह नहीं होते भी जनता की मांग के नाम पर उनकी आवश्यकता प्रतिपादित करने में अपने प्रभाव एवं धन शक्ति का उपयोग करते रहते हैं। भारतीय संविधान की अवधारणा के अनुसार बनी लोक कल्याणकारी सरकारों के द्वारा भूमि अधिग्रहण के कारण किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। जन भावनाओं के आधार पर योजनाएं तैयार करने का मंतव्य सरकारों की कार्यप्रणाली से गधे के सिर पर सींगों की भांति लुप्त हो रहा है। यह लोक के विचार हेतु गंभीर विषय है। इसी से ही तंत्र से रक्षा संभव है।

–रामपाल जाट,
जाट-राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत

क्या लोभी, लालची, भ्रष्ट, सनकी शासकों द्वारा युद्धों के द्वारा की जा जा रही हत्याओं की रोक का कोई रास्ता है?

महावीर सिंह

आज विश्व में अनेक स्थानों पर राज्यों द्वारा अथवा हथियार बंद तथाकथित राज्यों में हथियार बंद विद्रोही गुटों द्वारा अथवा निखालस आतंकी गुटों द्वारा निर्दोष मनुष्यों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। पहला विचारणीय प्रश्न तो सबके सामने है यह कि जब सारे संसार में अनेकानेक धर्माचार्यों के रात और दिन प्रवचन,ईश वंदना के कार्यकर्म चलते रहते है तो क्या यह लोग ईश्वर से प्रार्थना कर इस चहुंओर फैली निरर्थक मारकाट को रुकवा नहीं सकते? विश्व का इतिहास गवाह है, अभी तक किसी संत महात्मा,गुरु आदि के कहने से कोई राज्यों के या गुटों के संघर्ष रुके नहीं। क्या अब समय नहीं आगया कि इन सब धर्माचार्यों आदि को एक संयुक्त प्रार्थना पत्र अल्लाह, ईश्वर, गोड आदि विभिन्न नामों से जाने वाले भगवान को नहीं देनी चाहिए कि बहुत होगया वे यह निर्दोषों का रक्तपात रोके! एक परम शंकालु मित्र ने मेरे से पूछा कि कहीं वह उपरवाला ही तो यह सब नहीं करवा रहा, जनसंख्या कम करने के लिए? साथ चलने वाले दूसरे ने कहा तो फिर इतने सारे लोग इस बेचारी धरती पर, जिसे जो चाहे वैसे जख्मी कर रहा है, उन्हें भेजता ही नहीं। मनुष्यों को पृथ्वी पर भेजकर फिर दुष्ट राजाओं, गैंगस्टरों, आतंकवादियों से निर्दोषों का भीषण रक्तपात करवाए, तो फिर काहे का गोड-? लेकिन नंगन सत्य यह है कि विभिन्न राज्यों के राज्याध्यक्ष, राजा आदि को मात्र अपने इर्दगिर्द के 100, 200, 500 लोगों की परवाह है। वे केवल उन्हीं के लोभ, हितों के संरक्षक है जो उनकी इच्छानुसार हर प्रकार की सेवा, नृत्य करने को तैयार रहते है। कुछ लोगों का खनिज तेल स्त्रोतों पर, कुछ लोगों का दुर्लभ खनिजों पर, कुछ लोगों का विभिन्न वस्तुओं के व्यापार पर एकाधिकार और कुछ लोगों का अधिकाधिक नए नए अस्त्र, शस्त्र बनाकर उनके लिए नए नए बाजार बनाना विश्व में नरसंहार के सबसे ऊपर प्रमुख कारण है। ऐसे लोगों के संरक्षक मात्र हैं यह आज के सनकी, निर्दयी राजा आदि। वैसे विश्व इतिहास इस बात का भी गवाह है कि ऐसे सनकी, निर्दयी, भ्रष्ट राजाओं का भी अंत होता ही होता है, या तो,जनता कर देती है या नियति कर देती है।

बात यह भी साफ है कि आज इस प्रकार के घमंडी, सनकी, भ्रष्ट राजाओं पर अंकुश या सलाह देने के लिए कोई प्रभावी विश्व संगठन नहीं है। यूएनओ, उसकी सुरक्षा परिषद सब बेकार साबित हो चुकी, इन पूर्णतः अनावश्यक युद्धों को रोकने में।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 55 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

How Do You Hide A Disease Nobody Ever Said It Was?

A company that treats honest ignorance like fraud is not protecting itself from a cheat. It is punishing a woman for not being able to see the future

When Dubai almost became a part of India

क्या ज्ञानेश दूसरे धर्मेन्द्र प्रधान साबित होंगे, भाजपा सरकार के लिए

सब तरफ से मांग उठ रही है कि ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लिया जाए, उन पर महाभियोग चले, खासकर दो चुनाव आयुक्तों द्वारा मीडिया में किए गए खुलासे की वजह से

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राहुल गांधी तथा अन्य सभी विपक्षी नेताओं ने उनके इस्तीफे की मांग की है।

संसद का विशेष सत्र बुलाने, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाने और उनके इस्तीफे के बाद, मोदी और शाह के खिलाफ सरकारी गवाह बनने की मांग की जा रही है। उन्हें राष्ट्रविरोधी और भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने तथा 'वोट चोरी' को सुगम बनाने वाले प्रमुख लोगों में से एक बताया गया है।

- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि ज्ञानेश कुमार को सीईसी के पद से इस्तीफा देकर ''अप्रूवर'' (सरकारी गवाह) बन जाना चाहिए, उनका यह कदम राष्ट्रवादी और देशहित में माना जाएगा।
- राहुल ने कहा कि ''एंटी इन्कम्बैंसी'' भारतीय लोकतंत्र की ताकत है, भारत के बेहद लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों को भी एंटी इन्कम्बैंसी का सामना करना पड़ा। पर, क्या कारण है, मोदी की भाजपा सरकार के सामने ''एंटी इन्कम्बैंसी'' नज़र नहीं आती।
- राहुल ने कहा, उन्होंने दो जगहें ऐसी देखी हैं, जहाँ एंटी इन्कम्बैंसी नहीं होती, उनमें से एक देश था सद्दाम हुसैन का इराक व दूसरा है नॉर्थ कोरिया।

राहुल गांधी ने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा: ''वोट भारतीय लोकतंत्र की नींव है। वोट से हमारे संविधान की शक्ति, हमारे कानूनों का अधिकार और हमारे सार्वजनिक संस्थानों की वैधता का जन्म होता है। यह श्रृंखला आधुनिक भारत को परिभाषित करती है।

आज यह श्रृंखला टूट गई है, भारत में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वोट को नष्ट करके इस सरकार और चुनाव आयोग ने हर एक भारतीय की अभिव्यक्ति पर हमला किया है।

राहुल गांधी ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सलाह दी कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर की जा रही 'वोट चोरी' के मामले में सरकारी गवाह बन जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वे सरकारी गवाह बनते हैं तो यह राष्ट्रवाद का कार्य होगा। उन्होंने मांग की कि ज्ञानेश कुमार को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि यह 'वोट चोरी' भारतीय राज्य और देश की जनता के खिलाफ किया गया कृत्य है और हम चुप नहीं बैठ सकते; जब यह हो रहा है तो हम चुप रहने से इनकार करते हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं कांग्रेस की ओर से भारत की जनता से यह वादा कर रहा हूं कि इस अपराध के लिये मोदी और शाह की जांच की जाएगी। चाहे कुछ भी हो जाए, हम इस अपराध को बिना सजा के नहीं जाने देंगे।''

राहुल ने दो चुनाव आयुक्तों के रुख की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वोट चोरी से कानून चोरी और कानून चोरी से संस्था चोरी होती है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आज देश के शीर्ष चुनाव आयुक्त को देशहित में सरकारी गवाह बनने की सलाह दी और 'वोट चोरी' के अपने पहले के आरोपों को दोहराया।

- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी कर सांसद बने नेताओं द्वारा बनाए गए कानून व संस्थागत परिवर्तन गैर कानूनी हैं।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''चुनाव आयोग ने मतदाता सूची पर अपना नियंत्रण खो दिया है।''

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''कानून ज्ञानेश कुमार को संरक्षण देता है। यह प्रधानमंत्री ने किया है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रहे हैं और कहा, ज्ञानेश कुमार को सरकारी गवाह बन जाना चाहिए, यह देशहित में होगा।

गांधी ने कहा कि उन्होंने चिंताएं उठाई थीं, लेकिन उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, भारत के लोगों ने इस पर विश्वास किया। लेकिन भारत का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिंद महासागर तक युद्ध फैलेगा, ईरान ने धमकी दी

यह पहली बार है, जब ईरान ने हिंद महासागर का नाम लेकर उसे युद्ध का मैदान बनाने की चेतावनी दी

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडर याह्या रहीम सफवी ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल की ओर से और हमले किए जाते हैं तो तेहरान मध्य पूर्व के संघर्ष को हिंद महासागर तक फैला सकता है। ईरान की समाचार एजेंसी ''फार्स'' द्वारा 24 सितंबर, 2026 को जारी एक वीडियो में सफवी ने कहा, ''चूंकि संघर्ष फारस की खाड़ी और होर्मुज़ स्ट्रेट (ज़लडमरूमध्य) से लाल सागर तक फैल चुका है, इसलिए यह संभव है कि आगे और युद्ध की स्थिति में नए मोर्चे खुलें में और हिंद महासागर तथा शायद उससे भी आगे तक युद्ध फैल जाए।''

- ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और इस्लामिक रिवोल्यूश्नरी गार्ड कॉर्प के पूर्व कमांडर याह्या रहीम सफवी ने कहा, अगर अमेरिका व इज़रायल ने हमले जारी रखे तो युद्ध हिंद महासागर और उसके आगे तक फैल सकता है। क्योंकि युद्ध पहले ही फारस की खाड़ी और होर्मुज़ स्ट्रेट से आगे बढ़कर लाल सागर तक पहुँच चुका है।
- अगर युद्ध की आग हिंद महासागर तक पहुँची तो इससे भारत को भारी नुकसान हो सकता है, क्योंकि हिंद महासागर ही भारत के समुद्री व्यापार का केन्द्र है। इससे यूरोप व अफ्रीका के समुद्री मार्ग बाधित हो सकते हैं।

यह पहली बार हुआ है, जब ईरान ने स्पष्ट रूप से हिंद महासागर को संभावित युद्ध क्षेत्र के रूप में नामित किया है। यह बयान तत्काल किसी सैन्य अभियान के आदेश के बजाय, प्रतिरोधक क्षमता और आकस्मिक परिस्थितियों की तैयारी का संकेत देता है। सफवी ने कहा कि ईरानी बलों ने कई संभावित परिस्थितियों के लिए तैयारी की है, जिनमें, सबसे खराब स्थिति में, संघर्ष के बढ़ने की स्थिति भी शामिल है। यह तैयारी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच की गई है। यह बयान तेहरान की उस रणनीति को रेखांकित करता है, जिसे 'क्षैतिज विस्तार' (हॉरिज़न्टल एस्केलेशन) कहा जाता है, यानी शत्रु के लिए युद्ध की लागत बढ़ाने के लिए संघर्ष का भौगोलिक दायरा बढ़ाना। साथ ही, यह ईरान से करीब 4,000 किलोमीटर दूर स्थित डिएगो गार्सिया में अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे की संवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

हिंद महासागर में किसी भी तरह का संघर्ष फैलना भारत के लिए गंभीर जोखिम पैदा करेगा। यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा होर्मुज़ स्ट्रेट और मध्य पूर्व को एशियाई बाजारों से जोड़ने वाले समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। संघर्ष के विस्तार से यूरोप और अफ्रीका जाने वाले समुद्री मार्ग बाधित हो सकते हैं, तेल की कीमतों, माल परिवहन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'खाटूश्याम नगर पालिका चेयरमैन का परिणाम जारी करें'

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव स्थगित करने का आदेश रद्द किया हाईकोर्ट ने

जयपुर, 24 सितंबर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाटूश्यामजी नगर पालिका के चेयरमैन पद के लिए पार्षदों की ओर से डाले गए मतों के आधार पर चुनाव परिणाम जारी करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने 25 सितंबर को एक पार्षद के प्रस्तावित मतदान पर रोक लगा दी है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश वार्ड नंबर 11 से निर्वाचित पार्षद व चेयरमैन पद की प्रत्याशी विनीता पूनिया की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- हाईकोर्ट ने कहा कि ''डाले गए मतों से जारी करो चेयरमैन पद का परिणाम''।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह ने अदालत को बताया कि खाटूश्यामजी नगरपालिका के बीस वार्ड पार्षदों के लिए गत 9 सितंबर को चुनाव हुए थे और 14 सितंबर को परिणाम घोषित किया गया। इसके बाद चेयरमैन पद के चुनाव के लिए 21 सितंबर को सुबह दस बजे से दोपहर 2 बजे तक का समय निर्धारित किया गया। उन्होंने बताया कि चेयरमैन पद के चुनाव में याचिकाकर्ता सहित दो प्रत्याशी मैदान में थे। तथ्यों के अनुसार तय समय में याचिकाकर्ता सहित 19 पार्षदों ने मतदान कर किया था, केवल वार्ड दस की पार्षद लक्ष्मी देवी मतदान स्थल पर नहीं पहुंची। याचिका में कहा गया कि रिटर्निंग अधिकारी ने मतदान का समय बार-बार बढाया और प्रक्रिया को देर रात 11.30 बजे तक खींचा गया। याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी तरह का रोकथाम की कोशिश नहीं की गई थी और ना ही बैलट बॉक्स में छेड़खानी करने की कोई वारदात द र्ज की गई थी, परंतु इसके बाद भी निर्वाचन आयोग ने चुनाव को स्थगित कर 25 तारीख को पुन: आयोजित करने के आदेश जारी कर दिये। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि 22 सितम्बर को ही चुनाव परिणाम जारी करने के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र भी लिखा था जिसे दरकिनार कर दिया गया था।

याचिकाकर्ता ने कहा कि चुनाव के दौरान लक्ष्मी देवी के पति ने थाने में उसके अपहरण का मामला दर्ज करा दिया। इस पर विवाद बढने पर राज्य चुनाव आयोग ने 25 सितंबर का दिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी का ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे का अल्टीमेटम

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर औपचारिक रूप से आपत्ति जताए जाने की खबर के बाद, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ता नज़र आ रहा है। इसी बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने उन्हें इस्तीफा देने या देशव्यापी विरोध का सामना करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इससे विपक्ष की ओर से उनके खिलाफ महाभियोग

- सीजेपी के चीफ अभिजीत दीपके ने कहा कि ज्ञानेश कुमार या तो 48 घंटे में पद छोड़ दें, वरना देश भर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप दंभ भर रहे हैं, शी के साथ उनकी मीटिंग दोनों देशों के रिश्तों को पूर्णतया नया मोड़ देगी

उनका इशारा है कि जैसे बुश-गोर्बाच्येव मीटिंग और निक्सन-माओ त्से तुंग की मीटिंग से विश्व कूटनीति में भारी बदलाव आया था, कुछ वैसा ही शी के साथ उनकी मीटिंग का नतीजा रहेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। न्यूयॉर्क में चल रही युनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली (यूएनजीए) डिप्लोमैटिक अहमियत और वैश्विक प्रभाव के मामले में, वॉशिंगटन में हो रहे एक और बड़े और चर्चित इवैंट के सामने फीकी पड़ गई है, जहाँ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मिल रहे हैं।

हमेशा की तरह, ट्रंप वास्तविक मुद्दों के बजाय शान शौकत में ज्यादा यकीन रखते हैं और शी जिनपिंग का स्वागत भी बेहद भव्य और किसी बड़े शो जैसा था। ट्रंप को रैड कारपेट वाला स्वागत पसंद है। उन्होंने उस एयरबेस पर 100 फीट लंबा रैड कारपेट बिछवाया,

- पर, यह बात सही नहीं है, क्योंकि 9 साल पहले वर्ष 2017 में जब ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी, उनकी तुलना में अब चीन का रूतबा और महत्व बढ़ गया है, जबकि ट्रंप का महत्व घटा है, खासकर ईरान व यूक्रेन के मोर्चे पर असफलता के कारण।
- विशेषज्ञों का कहना है कि वे इस मीटिंग में कोई भारी विशेष निर्णय होने की आशा नहीं हैं, क्योंकि ट्रंप शो मैन शिप में विश्वास रखते हैं और पहेलियों में बात करते हैं। जैसे शी के स्वागत के लिए उन्होंने विशेष रूप से 100 फीट लंबा कारपेट बनवाया और खुद एयर बेस पर शी का स्वागत किया।

जहाँ शी जिनपिंग अमेरिका में उतरे। सबसे बड़ी बात यह है कि ट्रंप स्वयं एयरबेस पर शी जिनपिंग का स्वागत करने के लिए मौजूद थे, जो सामान्य परंपरा से अलग था।

वर्तमान शी-ट्रंप शिखर वार्ता की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ शी जिनपिंग की पिछली मुलाकात की तुलना में आज चीन कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। दूसरी ओर, डॉनल्ड ट्रंप ईरान युद्ध से लेकर यूरोप में अमेरिका के पारंपरिक सहयोगियों के साथ विवादों तक, अपनी लगातार गलतियों के बोझ से दबे हुए हैं। इसके अलावा, वे व्लादिमीर पुतिन पर अपने व्यक्तिगत प्रभाव के बड़े-बड़े दावे भी करते रहे हैं और कहते रहे हैं कि वे पुतिन को शांति समझौते के लिए तैयार कर सकते हैं।

ट्रंप बढ़ा-चढ़ाकर बातें करने के लिए जाने जाते हैं और वे पहले ही दावा कर चुके हैं कि शी जिनपिंग के साथ उनकी शिखर वार्ता अब तक की सबसे महत्वपूर्ण शिखर वार्ता होगी। हालांकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन दादिया व अल्बर्ट हॉल पर कार्यक्रमों में भाग लेंगे

जयपुर, 24 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर शुक्रवार को जयपुर में आयोजित होने वाले ''सेवा संकल्प'' समारोह को संबोधित करेंगे। मुख्य कार्यक्रम दादिया में होगा, जबकि इससे पहले प्रात: 7:30 बजे नितिन नबीन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

अल्बर्ट हॉल पर ''स्वच्छता ही सेवा'' कार्यक्रम में भाग लेंगे। जहां आमजन को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर 12 बजे से दादिया में आयोजित सेवा संकल्प समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही, वे दोपहर 2:30 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम में भी दोनों शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक लेकर इन समारोह की तैयारियों की समीक्षा की।

'राजस्थान रॉयल्स टैक्स चुकाएगी अथवा नहीं, इसका फैसला जीएसटी ट्रिब्यूनल करे'

हाईकोर्ट ने यह आदेश देते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल गठित नहीं होने से यह मामला कई वर्षों से लंबित है, इसलिए फैसला आने तक अंतरिम रोक जारी रहेगी

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 सितम्बर। आईपीएल क्रिकेट मैच के टिकट बिक्री पर राजस्थान रॉयल्स से स्टेट जीएसटी वसूलने के संबंध में राज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त द्वारा जारी आदेशों पर राजस्थान हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगायी है। अदालत ने कहा कि, यह मामला वर्ष 2018 से लंबित है, चूंकि इस मामले की सुनवाई जीएसटी अपीलीय अधिकरण (ट्रिब्यूनल) के समक्ष होनी चाहिए थी, परंतु इस ट्रिब्यूनल का गठन ही नहीं हुआ था, इसलिए मामला लंबित रहा। अदालत ने कहा कि, इस मामले की सुनवाई एक माह में ट्रिब्यूनल में की जाए और ट्रिब्यूनल के अधिकारी, याचिकाकर्ता कंपनी रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्रा. लि. को उसका पक्ष रखने का पूरा अवसर प्रदान करें। यह आदेश न्यायाधीश अरुण मोंगा और न्यायाधीश आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में राजस्थान रॉयल्स की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में राजस्थान रॉयल्स, आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में फ्रेंचाइजी है, उसकी संचालक कंपनी रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्रा. लि. का कार्यालय मुंबई स्थित हीरानंदानी बिजनेस पार्क में है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2016-17 में जब जी.एस.टी. लागू किया गया था, तब केन्द्रीय कर

- अदालत ने कहा कि, इस मामले की सुनवाई एक माह में ट्रिब्यूनल में की जाए और ट्रिब्यूनल के अधिकारी, याचिकाकर्ता कंपनी रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्रा. लि. को उसका पक्ष रखने का पूरा मौका दें।
- ज्ञात रहे कि आईपीएल क्रिकेट मैच के टिकट वितरण को लेकर राजस्थान कर विभाग के अधिकारियों ने राजस्थान रॉयल्स को प्रदेश में भी कर चुकाने का नोटिस व आदेश जारी किया था।
- जबकि राजस्थान रॉयल्स का कहना है कि, उन्होंने टिकट बेचान का अनुबंध ''बिग ट्री एंटरटेनमेंट प्रा. लि. से कर रखा है, यह कंपनी हर प्रदेश में टिकट बेचने पर टैक्स पहले से चुका रही है।''

विभाग ने इस कंपनी का रजिस्ट्रेशन स्वत: ही मुंबई में किया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में इस फ्रेंचाइजी ने सभी क्रिकेट मैच के टिकट बेचने का अनुबंध ''बिग ट्री एंटरटेनमेंट प्रा. लि.'' के साथ किया था, जो कि अलग-अलग शहरों में होने वाले आईपीएल मैचों में राजस्थान रॉयल्स के टिकट बेचती थी। यही कंपनी टिकट बेचने पर टैक्स भी भर रही थी।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान रॉयल्स ने जब सभी मैचों के अपने टिकट ''बिग ट्री'' कंपनी को बेच दिए थे, तभी इस लेनदेन से जुड़ा इंट्रीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स (आईजीएसटी) भर दिया था, जो कि करोड़ों रुपए का था। राजस्थान रॉयल्स का कहना है कि भले ही यह समझौता मुंबई में हुआ और उस पर टैक्स भी मुंबई में भरा गया, लेकिन इस टैक्स राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा ही केन्द्र सरकार के खाते में जाता है, शेष 50 फीसदी टैक्स गृह राज्य को मिलता है, जहां मैच आयोजित हो रहा है। इसका अर्थ यह है कि राजस्थान में आयोजित हो रहे मैचों का इनपुट टैक्स राजस्थान सरकार को मिलेगा, ना कि महाराष्ट्र सरकार को।

यहां यह भी गौरतलब है कि, राजस्थान कर विभाग के अधिकारियों ने वर्ष 2018 में ही राजस्थान रॉयल्स को पहले नोटिस दिया और उसके बाद बिना सुनवाई किए ही यह आदेश पारित कर दिए कि, राजस्थान रॉयल्स की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत राजस्थान विश्वविद्यालय के कुल गुरु नियुक्त

जयपुर, 24 सितम्बर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को आदेश जारी कर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत को, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय

- राज्यपाल ने युद्धवीर सिंह को सीकर तथा प्रो. नरसी राम विश्नोई को बीकानेर का कुलगुरु बनाया।

सीकर में डॉ. युद्धवीर सिंह को तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में प्रो. नरसी राम विश्नोई को कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से कुलगुरु पद पर नियुक्तियों के यह आदेश जारी किये हैं। यह नियुक्तियां कुलगुरु के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए लागू होंगी।

बाबा श्याम के निशान चढ़ाए

निवाई, (निसं)। खाटू श्याम मंडल पहाड़ी के तत्वावधान में पहाड़ी से निवाई खाटू श्याम जी के लिए पदयात्रा रवाना हुई। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु रामप्रसाद जाट ने बताया कि श्याम पदयात्रा को लेकर ध्वज का विधिवत पूजन करके श्याम बाबा के जयकारों के साथ पहाड़ी से पदयात्रा को रवाना किया गया। जिससे आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। पदयात्रा का जुलूस बैंड बाजे एवं डीजे के मधुर भजनों के साथ रवाना हुआ। जिसमें युवक युवतियों ने जमकर भक्ति नृत्य किया। पदयात्रा के जुलूस में शामिल रथ में श्याम बाबा की आकर्षक झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। पदयात्रियों का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि पदयात्रा का जुलूस पहाड़ी से होते हुए बरथल तिराह, रजवास मोड, संजय वन, पहाड़ी चुंगी नाका, बस स्टैंड, अहिंसा सर्किल एवं झिलाय रोड होते हुए श्याम मंदिर पहुंचा। जहां श्याम प्रेमियों एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पदयात्रियों का माला पहनाकर स्वागत किया।

बाबा घनश्याम दास ने गौसेवा को बनाया जीवन का ध्येय : बेढ़म

डीग, (निसं)। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि बाबा घनश्याम दास जी महाराज ने अपना पूरा जीवन तप, त्याग, गौसेवा और लोककल्याण के लिए समर्पित कर समाज के सामने सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। संतों का जीवन केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं होता, बल्कि उनके विचार और कर्म समाज में संस्कार, सद्भाव तथा सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। बाबा का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

बेढ़म गुरुवार को जड़खोर धाम में 1008 गौ लोकवासी बाबा घनश्याम दास जी महाराज की 34वीं पुण्यतिथि पर आयोजित मेले में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाबा के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबा घनश्याम दास जी महाराज की तपस्या और गौसेवा की परंपरा आज भी श्रद्धालुओं को सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। जड़खोर धाम क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के श्रद्धालुओं की आस्था का भी प्रमुख केंद्र है। बाबा की पुण्यतिथि पर आयोजित यह धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बाबा के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करना उनके लिए आस्था और सौभाग्य का विषय है। पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित मेले में बड़ी संख्या में भक्तजन एवं श्रद्धालु जड़खोर धाम पहुंचे और बाबा को श्रद्धापूर्वक नमन किया। दिनभर धाम में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

बेढ़म ने जड़खोर धाम में बाबा घनश्याम दास जी महाराज की 34वीं पुण्यतिथि पर मेले में संबोधित किया।

- **गृह राज्य मंत्री बोलेकृसंतों की तपस्या समाज में सेवा, संस्कार और सद्भाव की चेतना जगाती है, जड़खोर धाम में 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की**

पावटा में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पावटा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय पावटा में गुरुवार को छात्राओं की सुरक्षा और आत्मविश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य रजनीश कुमार ने की। शिविर में स्थानीय पुलिस अधिकारी सहायक उप निरीक्षक कविता देवी के नेतृत्व में गठित टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने तथा आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित प्रतिक्रिया देने के तौर-तरीके समझाए गए। एएसआई कविता देवी ने छात्राओं को राजकॉप सिटीजन एप के उपयोग की जानकारी देते हुए बताया कि आपात स्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है। छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया।

सार-समाचार

सांभर चेयरमैन पवन कुमार मोदी ने पदभार ग्रहण किया

सांभरझील, (निसं) यहा चेयरमैन पवन कुमार मोदी ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्र के विकास के अपने संकल्प को फिर से दोहराया। विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सांभर की ज्वलंत समस्याओं के बारे में उन्हें अच्छी तरह से पता है, प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए वे अपना भरपूर प्रयास प्रारंभ कर देंगे। विधिवत पूजा अर्चना कर उन्होंने भगवान गणेश से शुभ कार्य का आशीर्वाद मांगा। मां शाकंभरी का ध्यान करके उन्होंने आसन ग्रहण किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्म जोशी से अभिनंदन किया। मोदक खिलाकर पुष्पहार पहनाया तथा साफा बांधकर उनसे अपेक्षा की कि वे अपने संपूर्ण कार्यकाल में ऊर्जावान बने रहकर सांभर के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस मौके पर नगर पालिका कार्यालय में कार्यकर्ताओं, उनके इष्ट मित्रों सहित पालिका का समस्त स्टाफ भी मौजूद रहा।

लोधी समाज संस्था का चुनाव संपन्न

जयपुर। लोधी समाज संस्था जयपुर का चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनाव में एकमात्र सदस्य राकेश आर्य ने नामांकन दाखिल किया था अन्य कोई नाम नहीं आने के कारण चुनाव अधिकारी एडवोकेट पौरूष शर्मा ने निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की। इस अवसर पर लोधी समाज संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रभान सिंह लोधी, अमर सिंह लोधी राम अवतार सिंह लोधी संस्था के सचिव रामचंद्र पथरिया प्रदेश उपाध्यक्ष बाबूलाल पथरिया संस्था के कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह लोधी, मूलचंद लोधा, शशिकांत लोधी विक्रम पथरिया एवं आलोक के अध्यक्ष राजेश पथरिया सहित अन्य गण मन को उपस्थित थे सभी ने राकेश आर्य के अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की साथ ही आशा व्यक्त की कि आपके कार्यनिष्ठा, दूरदर्शिता, समाज सेवा के प्रति समर्पण से संस्था को एक नई दिशा मिलेगी । राकेश आर्य के नेतृत्व में समाज का चहुमुखी विकास होगा एवं सामाजिक राजनीतिक एवं रचनात्मक कार्यों में संगठन को मजबूती प्रदान होगी।

फुलेरा पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच ने संभाला पदभार

फुलेरा, (निसं)। नगर पालिका मण्डल फुलेरा के नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच ने गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान दाधीच ने कहा कि फुलेरा कस्बे का विकास बिना किसी भेदभाव के करना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। जनता ने विश्वास जताकर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। फुलेरा नगरपालिका की अधिशासी अधिकारी महिमा सोनी ने राजू दाधीच को पदभार ग्रहण करवाया। पदभार संभालने के बाद पालिकाध्यक्ष ने मानवता का परिचय देते हुए पक्ष-विपक्ष के सभी पार्षदों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में पालिका उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष रतन राजोरा, मनोज आहुजा, संजय पारीक, सुरेश सैनी सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बाल टीबी संबंधी कैच-अप प्रशिक्षण आयोजित

देवली। ममता एचआईएमसी की ओर से साथी संस्था एवं जिला टीबी सेल के सहयोग से बुधवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, टोंक के सभागार में जिला स्तरीय बाल टीबी संबंधी कैच-अप प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है । बाल टीबी संबंधी कैच-अप प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बाल टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कदम उठाना रहा है । प्रशिक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र चौधरी, डिप्टी सीएमएचओ डॉ नानूराम कुलदीप, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव गुर्जर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी देवली डॉ मनीष लोदी,मसर्रत मियां डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर जिला क्षय रोग कार्यक्रम डीपीसी टिंकू , नवरत्न जैन डीपीसी (ममता) ब्लॉक डॉट्स सुपरवाइजर देवली खेमराज चौधरी , ब्लॉक डॉट्स सुपरवाइजर मालपुरा रतनलाल चौधरी, ब्लॉक हैल्थ सुपरवाइजर पीपलू निवाई टोंक निसार खान,ब्लॉक डॉट्स सुपरवाइजर टोडारायसिंह ओम प्रकाश , ब्लॉक डॉट्स सुपरवाइजर निवाई विष्णु कांत , ब्लॉक डॉट्स सुपरवाइजर टोंक महेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

फार्मासिस्ट दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

टोंक, (निसं)। प्रदेश भर में संचालित विकसित भारत जन सेवा अभियान के अंतर्गत एवं फैकल्टी ऑफ हेल्थ साइंसेज, डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, निवाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 30 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों एवं अन्य सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक सेवा है।

कृषि निदेशक रामलाल जाट ने फसल कटाई प्रयोग का निरीक्षण किया

निवाई, (निसं)। गांव सीन्दरा में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट एवं सहायक निदेशक कृषि सांख्यिकी लक्ष्मीनारायण शर्मा ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्नतगत फसल कटाई प्रयोगों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उड़द की फसल का निरीक्षण किया। संयुक्त निदेशक कृषि रामलाल जाट ने निरीक्षण के दौरान चयनित खेत, फसल की स्थिति, निर्धारित प्लॉट के मापदंडों तथा प्रयोग की संपूर्ण प्रक्रिया का परीक्षण किया। संयुक्त निदेशक जाट ने बताया कि फसल कटाई प्रयोग प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की आधारशिला हैं।

देवली में पहली बार एस सी वर्ग की महिला ने पालिका अध्यक्ष बनी

देवली, (निसं)। यहां नगर पालिका में पहली बार एस सी वर्ग की महिला ने पालिका अध्यक्ष का पदभार संभाला है। देवली नगर पालिका मे 75 साल के इतिहास में पहली बार दलित वर्ग की महिला को पालिका अध्यक्ष का यह सम्मान प्राप्त हुआ है। गुरुवार को नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष के पदभार ग्रहण समारोह नगर पालिका के सभागार मे आयोजित हुआ है ।

इस कार्यक्रम में देवली शहर के 35 पार्षदों ने भाग लिया। इस सुनहरे अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। तो वहीं इस अवसर पर पालिका प्रशासन मैं कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों ने भी नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष कजोड़ी देवी बैरवा और पालिका उपाध्यक्ष नेमीचंद जैन का भव्य स्वागत किया है। गुरुवार को कजोड़ी देवी बेरवा और नेमीचंद जैन ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ पालिका अध्यक्ष और पालिका उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन वर्तमान पालिका उपाध्यक्ष और पालिका के अधिशासी अधिकारी अमरचंद गुर्जर ने नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष कजोड़ी देवी का सम्मान के साथ स्वागत करते हुए उन्हें पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया और उन्हें देवली नगर पालिका क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान पालिका उपाध्यक्ष नेमीचंद जैन ने पालिका अध्यक्ष कजोड़ी देवी बैरवा को भरोसा दिलाया कि वह देवली नगर पालिका क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। इसी के साथ नवनिर्वाचित अध्यक्ष कजोड़ी देवी ने गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय में विधिवत पूजा-अर्चना के बादअपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस मौके पर देवली के समाजसेवी पालिका अध्यक्ष पति तनसुख बेरवा भी मौजूद रहे।

पावटा पंचायत समिति की 30 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों की आरक्षण लॉटरी जारी

पावटा, (निसं)। पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर गुरुवार को पावटा पंचायत समिति क्षेत्र की 30 ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया उपखंड कार्यालय पावटा में आयोजित की गई।

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम बृजेश कुमार ने बताया कि पंचायती राज चुनाव के लॉटरी प्रक्रिया के दौरान पावटा पंचायत समिति क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए आरक्षण के लिए लाटरी निकाली गई जिसमें पंचायत समिति क्षेत्र की कुल 30 ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए लॉटरी निकाली गई। जिसमें लॉटरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरुषोत्तमपुरा अनुसूचित जाति, बेरी बांध अन्य पिछड़ा वर्ग, सुंदरपुरा ढाढा सामान्य महिला, दांतिल सामान्य, तालवा अनुसूचित जाति महिला, द्वारिकपुरा सामान्य महिला, सुजातनगर अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, भैंसलाना सामान्य, भूरी भडाज सामान्य महिला, रामपुरा अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, पण्डितपुरा सामान्य महिला, टसकोला सामान्य,टोरडा गुजरान सामान्य महिला, दूदावास अनुसूचित जनजाति, बूचारा सामान्य, भौनावास सामान्य, फतेहपुरा खुर्द सामान्य महिला, पांचूडाला अन्य पिछड़ा वर्ग, कारोली सामान्य,रेलां सामान्य महिला, प्रेमनगर अन्य पिछड़ा वर्ग, मण्ढा सामान्य, कैरोड़ी अनुसूचित जाति महिला, भींवजी अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, राजनौता सामान्य महिला, पाथरेडी सामान्य, ठिकरिया सामान्य महिला, तुलसीपुरा अनुसूचित जनजाति महिला, वीर तेजाजी नगर अनुसूचित जाति, टोरडा ब्राह्मणान सामान्य वर्ग के लिए सीट आरक्षित की गई है। लाटरी प्रकिया को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में खासा उत्साह नजर आया। संभावित उम्मीदवारों एवं ग्रामीणों की नजरें आरक्षण की स्थिति पर टिकी रहीं। आरक्षण की तस्वीर साफ होने के बाद अब चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों ने अपनी तैयारियां शुरू कर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

एसडीएम बृजेश कुमार ने पावटा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के आरक्षण के लिए लाटरी निकाली।

- **4 पद अनुसूचित जाति, 2 अनुसूचित जनजाति, 6 ओबीसी और 18 सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित**

स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया

निवाई, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया एवं नवप्रवेशित स्वयंसेवकों के लिए ओरियन्टेंशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता कृषि महाविद्यालय के डिन प्रो. रामस्वरूप मीणा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो विकास नौटियाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. छोटूलाल मीणा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, लक्ष्यों एवं एनएसएस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने नव प्रवेतशत स्वयंसेवकों को स्वच्छता एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए बताया कि सभी स्वयंसेवकों का माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इसके लिए महाविद्यालय में रजिस्ट्रेशन काउंटर भी बनाया गया है। मुख्य वक्ता प्रो रामस्वरूप मीणा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के से स्वयं सेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में कार्य करने एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति नि:स्वार्थ भाव से करने की प्रेरणा प्रदान की।

लालसोट में कपिल-ब्रजमोहन ने नगरपरिषद की कमान संभाली

लालसोट, (निसं)। ढोल-नगाड़ों की गूंज, वैदिक मंत्रोच्चार और करीब 20 मिनट तक सभागार में गूंजती रही रामधुन के बीच गुरुवार को लालसोट नगरपरिषद में नई कमान ने विधिवत जिम्मेदारी संभाल ली। नवनिर्वाचित सभापति कपिल पुरोहित और उपसभापति ब्रजमोहन सैनी ने धार्मिक अनुष्ठान के बाद नगरपरिषद की कुर्सी ग्रहण कर कार्यभार संभाला।

- **गिरधारीनाथ के दरबार से निकला विजय जुलूस**

कार्यभार ग्रहण करने से पहले सभापति कपिल पुरोहित एवं उपसभापति ब्रजमोहन सैनी पुरोहित पाड़ा स्थित भगवान गिरधारीनाथ महाराज मंदिर से ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस के रूप में रवाना हुए। बाजार में जगह-जगह लोगों ने दोनों का स्वागत एवं सम्मान किया। जुलूस भगवान परशुराम मंदिर पहुंचा, जहां दोनों ने भगवान परशुराम का आशीर्वाद लिया। इसके बाद जुलूस नगरपरिषद कार्यालय पहुंचा। यहां मुख्य द्वार पर सभापति कपिल पुरोहित एवं ब्लॉक चांदसेन अध्यक्ष दीपक पुरोहित ने चाचा-भतीजे के रूप में नगरपरिषद की चौखट पर माथा टेका और फिर कार्यालय में प्रवेश किया। सभागार में आचार्य पंडित राजेश खांडल एवं सत्यनारायण शर्मा कोण्डयाई वालों के मुखारविंद से निकले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई।

करीब साढ़े 11 बजे सभापति एवं उपसभापति की कुर्सियों पर भगवान गिरधारीनाथ महाराज एवं घाटेश्वरनाथ महादेव को विराजमान कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सभागार में करीब 20 मिनट तक रामधुन गूंजती रही। धार्मिक वातावरण के बीच ठीक 12 बजकर 2 मिनट पर सभापति कपिल पुरोहित एवं उपसभापति ब्रजमोहन सैनी ने कुर्सी ग्रहण कर नगरपरिषद के रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। कार्यभार ग्रहण समारोह में नगरपरिषद के नवनिर्वाचित पार्षद अमित शर्मा छोटू भाई जोशी, नंदू सैनी मंडावरा, जीतू बढ़ाया, कमल मीणा, सुनील चतुर्वेदी, बबलू पुरोहित, कमलेश शर्मा, कबू जोशी सहित बड़ी संख्या में पार्षद, जनप्रतिनिधि, समर्थक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। समारोह में सैकड़ों लोगों की मौजूदगी ने माहौल को उत्सवी बना दिया। नवनिर्वाचित सभापति एवं उपसभापति ने मौजूद लोगों का सम्मान स्वीकार करते हुए सभी का आभार जताया।

सभापति कपिल पुरोहित और उपसभापति ब्रजमोहन सैनी ने धार्मिक अनुष्ठान के बाद नगरपरिषद की कुर्सी ग्रहण कर कार्यभार संभाला।

भरतपुर में पंचायती राज आरक्षण लॉटरी निकाली

भरतपुर, (निसं)। पंचायतीराज संस्थानों के आगामी आम चुनाव 2026 को लेकर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं वार्ड पंचों के पदो के आरक्षण एवं श्रेणीवार आंवटन प्रक्रिया संबंधित उपखंड अधिकारी मुख्यालय पर आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर जिले में सरपंच एवं वार्ड पंच के पदो के लिए एससी, एसटी, ओबीसी एवं महिलाओं के लॉटरी के माध्यम से सीटे आरक्षित की गई। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सेवर क्षेत्र में सरपंच पदों हेतु सामान्य - मूढौता, पार, तेहरालोधा, ऊँदरा, घुस्यारी, बझेरा, बिलौठी, धौरमुई, मौरोली कलां। सामान्य महिला - झारौली, महुआ, धौर, खैमरा, सुनारी, चिकसाना, रूंध इकरन, हथैनी, जघीना, मंहगाया। अनुसूचित जाति - कसौदा, चिचाना, फुलवारा, पीपला, जाटौली रथभान। अनुसूचित जाति महिला - सिनपिनी, खडेरा, नगला बरताई, नौगाया। ओबीसी - माढौनी, बांसी खुर्द, लुधावई, गांवडी तथा ओबीसी महिला के लिए - कूम्हां, बहनेरा, इकरन ग्राम पंचायत आरक्षित की गई।

इसी प्रकार पंचायत समिति बयाना क्षेत्र में सरपंच पदों हेतु सामान्य - फरसो, गाजीपुर, विडयारी, खरैरी, नहरौली, बरखेडा, कनावर, नावली, समोगर, बाजना, पुराबाई खेडा, जसपुरा मौरोली, खानखेड़ा, वीरमपुरा। सामान्य महिला - सिंघाडा, नारौली, सिंघनियां, खेडली गडासिया, दहगांव, पालीडांग, सीदपुर, बरौदा, कोट, कलसाड़ा, जैसोरा, खूंटखेड़ा, थानाडांग, कपूरामलूका। अनुसूचित जाति - ब्रह्मबाद, निठारी, बंगसपुरा, परौआ, खोहरा, बागरैन, शेरगढ, शाहपुरा। अनुसूचित जाति महिला - बयाना ग्रामीण, सादपुरा, दर्र बराहना, दमदमा, नगला मेदसिंह, मुआवली, नदीगांव, मिलकपुरा। अनुसूचित जनजाति - धाधरैन। अनुसूचित जनजाति महिला - महलौनी। ओबीसी - महमदपुरा, महरावर, तरसूमा, सालाबाद, लहचोरा कलां तथा ओबीसी महिला - बन्ध बारैठा, गुर्धानदी, कैर, हरनगर, कारवारी ग्राम पंचायत आरक्षित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायत समिति वैर क्षेत्र में सरपंच पदों हेतु सामान्य - आमोली, गोविन्दपुरा, जीवद, मौलोनी, रहीमगढ, समराया, सरसैना। सामान्य महिला - बझेराकलां, , अनुसूचित जनजाति - ऊनापुरा। ओबीसी - भूतौली, जगजीवनपुर तथा ओबीसी महिला - रायपुर, सुहांस ग्राम पंचायत आरक्षित की गई।

सभापति कमल सैनी ने नगर परिषद कोटपूतली का पदभार संभाला

कोटपूतली, (निसं)। नगर परिषद कोटपूतली के नवनिर्वाचित सभापति कमल सैनी ने गुरुवार को विधिवत रूप से सभापति पद का पदभार ग्रहण किया। समारोह में विधायक हंसराज पटेल, पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, उपसभापति गोपाल अग्रवाल सहित नगर परिषद के पार्षद, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। इस दौरान सभापति का पुष्पगुच्छ एवं मालाओं से स्वागत कर अभिनंदन किया गया।

पदभार ग्रहण करने के बाद सभापति कमल सैनी ने कहा कि शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए वे नियमित रूप से क्षेत्र में निकलकर मौके पर स्थिति का जायजा लेंगे और आमजन से संवाद करेंगे। सफाई, स्ट्रीट लाइट, सड़क, जल निकासी सहित नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना और वार्डों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण उनकी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी।

- **'शहर की व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान रहेगा प्राथमिकता'**

सभापति ने नगर परिषद आयुक्त अरुण शर्मा से नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने पार्षदों से अपने-अपने वार्ड की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सामने लाने का आव्हान करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन के समन्वय से शहर के विकास को गति दी जाएगी।

विधायक हंसराज पटेल ने सभापति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर परिषद की नई टीम के सामने शहर के विकास और आमजन की सुविधाओं को बेहतर बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मतदान केंद्र की मांग को लेकर ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

कोटपूतली, (निसं)। पंचायतीराज चुनावों की आहट के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच निकटवर्ती ग्राम करवास में पोलिंग बूथ बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश लगातार जारी हैं। गुरुवार को ग्रामीणों ने सहायक निर्वाचन अधिकारी (तहसीलदार) रामधन गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर गांव में मतदान केंद्र बनवाने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि चुनाव आयोग की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में करवास से बनका मतदान केंद्र की दूरी को महज 03 किलोमीटर दिखाया गया है, जिसे ग्रामीण पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत बता रहे हैं। कागजों में दर्ज 03 किमी का सीधा रास्ता असल में गैर-मुमकिन नदी-नालों का बहाव क्षेत्र है, जहाँ 05 से 20 फीट चौड़े नाले हमेशा पानी से लबालब भरे रहते हैं।

दोनों गांवों के बीच से स्टेट हाईवे गुजरता है। इस हाईवे पर ना तो कोई कट है और ना ही कोई अंडरपास या ओवरब्रिज। पानी निकासी के लिए बना 5 5 फीट का छोटा सा संकरा होल हमेशा पानी से भरा रहता है, जहाँ से पैदल चलना भी नामुमकिन है।

यदि ग्रामीण सुरक्षित पक्की सड़क से घूमकर वोट डालने जाते हैं, तो उन्हें करीब 10 किलोमीटर का लंबा और थकाऊ चक्कर काटना पड़ेगा। ऐसे में बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों का वोट डालने जाना पूरी तरह असंभव हो जायेगा। करवास गांव की आबादी वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 1655 है, जिसमें 1316 मतदाता हैं और यहाँ 12 वीं तक का सरकारी स्कूल भी है। ग्राम पंचायत के कुल 9 वार्डों में से अकेले 5 वार्ड करवास में आते हैं। दूसरी ओर बनका और उसकी ढाणियां की आबादी 1691 है, लेकिन मतदाता सिर्फ 1258 हैं और वहाँ केवल 08 वीं तक का स्कूल व 04 वार्ड शामिल हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिक मतदाता और बड़ी आबादी होने के बावजूद राजनीतिक दबाव और रसूखदारों की शह पर मुख्यालय व मतदान केंद्र 'बनका' को बना दिया गया।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन के दौरान करवास को स्वतंत्र ग्राम पंचायत बनाने की आपत्तियों पर भी प्रशासन ने कोई सुनवाई नहीं की। मतदाताओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए करवास गांव के भीतर ही (05 वार्डों के लिए) अलग से पोलिंग बूथ स्थापित किया जाए। उच्च अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की मौजूदगी में रास्ते का दोबारा निष्पक्ष और सही भौतिक सत्यापन किया जाए।

ग्रामीणों ने सहायक निर्वाचन अधिकारी रामधन गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर गांव में मतदान केंद्र बनवाने की मांग की।

- **कागजों में 03 किमी का सीधा रास्ता, जमीनी हकीकत में 10 किमी का सफर, ग्रामीणों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी**

आज पार्षद चुनेंगे शहरी सरकार का मुखिया

महापौर के लिए सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगी वोटिंग, शाम तक आएगा परिणाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम में नए मेयर के चुनाव को लेकर गुरुवार शाम तैयारियां तेज हो गई। मेयर के शुक्रवार को होने वाले चुनाव से पहले नगर निगम मुख्यालय और मेयर कक्ष की सफाई का काम शुरू किया गया। मेयर कक्ष को नए महापौर के पदभार ग्रहण करने के लिए तैयार किया जा रहा है। बता दें कि शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मेयर पद के लिए मतदान होगा। मतदान खत्म होने के तुरंत बाद मतगणना शुरू होगी। इसके बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

मेयर पद के लिए भाजपा के सुनील कोठारी और कांग्रेस की सुनीता मावर आमने-सामने हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब दोनों ही प्रत्याशी मैदान में हैं। इसे लेकर भाजपा पार्षदों को पुष्कर से जयपुर के बगरू के रिसोर्ट में शिफ्ट कर दिया गया है।

चुनाव परिणाम आने के बाद शुक्रवार को नए मेयर का नाम साफ हो जाएगा। इसके बाद मेयर के पदभार ग्रहण की तैयारी शुरू होगी। ऐसे में लंबे समय से खाली पड़े मेयर कक्ष में अब नए महापौर के आने का इंतजार है। ज्ञात रहे कि जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में भाजपा के 78, कांग्रेस के 57 और निर्दलीय 15 पार्षद हैं। मेयर चुनाव में बहुमत का आंकड़ा 76 है। संख्या बल के लिहाज से भाजपा के पास बहुमत से दो सीट ज्यादा हैं, जबकि कांग्रेस के पास 57 पार्षद हैं। वहीं 15 निर्दलीय पार्षद दोनों प्रमुख दलों के लिए अहम माने जा रहे हैं।

नगर निगम मुख्यालय में महापौर चुनाव की तैयारियों से लेकर मेयर रूम की साफ-सफाई का काम गुरूवार को जोर-शोर से चलता रहा। फोटो-राष्ट्रदूत

- भाजपा के सुनील कोठारी और कांग्रेस की सुनीता मावर है मैदान में
- संख्या बल के लिहाज से भाजपा के पास बहुमत से दो सीट ज्यादा हैं, जबकि कांग्रेस के पास 57 पार्षद हैं, 15 निर्दलीय पार्षद दोनों प्रमुख दलों के लिए अहम माने जा रहे हैं।

हालांकि महापौर का चुनाव पार्षदों के मतदान से होगा। ऐसे में सिर्फ संख्या बल ही पूरी तस्वीर तय नहीं करता। दोनों दलों ने अपने-अपने पार्षदों को एकजुट रखने के लिए बाड़ेबंदी की। अब शुक्रवार को सभी पार्षद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर मतदान करेंगे। मतदान के बाद मतगणना में साफ होगा कि किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले।

ज्ञात रहे कि सुनील कोठारी भाजपा के पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन में कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वार्ड 112 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी आशीष शर्मा को 905 वोटों से हराया था। अब पार्टी ने संगठन के पुराने चेहरे को शहर की सबसे बड़ी स्थानीय राजनीतिक कुर्सी के लिए मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने वार्ड 118 की पार्षद सुनीता मावर को प्रत्याशी बनाया है। वे लंबे समय से जयपुर की स्थानीय राजनीति में सक्रिय हैं। कांग्रेस ने उनके जरिए भाजपा के सामने सीधी चुनौती पेश की है।

ज्ञात रहे कि जयपुर नगर निगम में शुक्रवार को मेयर का चुनाव होने के बाद 26 सितंबर को डिप्टी मेयर का चुनाव होगा। ऐसे में अगले दो दिन नगर निगम की नई सत्ता का समीकरण साफ हो जाएगा। मेयर की कुर्सी के मुकाबला के बाद भाजपा और कांग्रेस की नजर डिप्टी मेयर के पद पर रहेगी।

थानों में जब्त वाहनों के निस्तारण के प्रयासों पर संतुष्ट हुई अदालत

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के थानों में जब्त वाहनों के निस्तारण से जुडे मामले में दायर जनहित याचिका का निस्तारण कर दिया है। अदालत ने कहा कि वह इन वाहनों के निस्तारण में राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों से संतुष्ट है। ऐसे में जनहित याचिका पर अब सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश महेश झालानी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि थानों में जब्त पडे वाहनों का पुलिस एक्ट की धारा 38 और बीएनएसएस की धारा 106 के तहत निस्तारण किया जाता है। धारा 38 से जुडे मामले में सबसे पहले परिवहन विभाग की मदद से वाहन मालिक की तलाश की जाती है। यदि वाहन मालिक का पता नहीं चलता तो फिर उसे नीलाम किया जाता है। वहीं धारा 106 के तहत कोर्ट आदेश से वाहन को संबंधित व्यक्ति को सुपुर्द किया जाता है। जिन मामलों में बीमा राशि ले ली जाती है, उस मामले में बीमा कंपनी को वाहन लेने के लिए नोटिस दिया जाता है। यदि बीमा कंपनी जवाब नहीं देती तो फिर वाहन नीलाम किया जाता है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से साल 2025 व साल 2026 में वाहनों के निस्तारण से जुडा आंकडा भी पेश किया गया। याचिका में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि प्रदेश के सभी थानों में अरबों रुपए के वाहन कई सालों से जब्त पडे हुए हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट सभी राज्यों को इन वाहनों का तय समय में निस्तारण के आदेश दे चुका है। इसके अलावा पालना नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुका है। याचिका में कहा गया विभिन्न थानों में सालों से खुले में वाहन पडे हैं। सालों तक लावारिस पडे रहने के कारण अधिकांश वाहन कबाड में तब्दील हो रहे हैं। वहीं बाद में ये वाहन न केवल रोड पर चलने लायक रहते है, बल्कि इनसे दुर्घटनाएं होने का खतरा भी रहता है।

पुलिस थाने के सामने युवक की हत्या कानून-व्यवस्था पर कलंक : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर के बडौदामेव में पुलिस थाने के मुख्य द्वार के सामने युवक की हत्या की घटना पर प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार 'सेवा संकल्प अभियान' के नाम पर करोड़ों रुपये के विज्ञापन अखबारों में देकर अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीट रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पुलिस थाने के मुख्य द्वार के सामने ही एक युवक की हत्या हो रही है। उन्होंने कहा कि बड़ौदामेव, अलवर में थाने के मुख्य द्वार के सामने, पुलिस की मौजूदगी में एक युवक को पत्थरों से पीट-पीटकर मार डालने की घटना राजस्थान की कानून-व्यवस्था के माथे पर काला कलंक है। जूली ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब उन्हें पुलिस थानों के सामने भी कानून का कोई डर नहीं रहा। जब पुलिस थाने के सामने ही कोई व्यक्ति सुरक्षित नहीं है तो प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

अस्पतालों की कैंटीन, मेस और बाहर के ढाबों-फूड स्टॉल्स का निरीक्षण

जयपुर। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने निजी एवं राजकीय अस्पतालों की कैंटीन, मेस किचन तथा अस्पतालों के बाहर संचालित ढाबों और फूड स्टॉल्स का सघन निरीक्षण किया। यह कार्रवाई अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों से खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए। महात्मा गांधी हॉस्पिटल से ग्रेवी व पनीर, नारायणा हॉस्पिटल से पनीर तथा आरयूएचएस की कैंटीन से चना दाल और रिफाइंड सोयाबीन तेल के नमूने लिए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टीम ने अस्पतालों के बाहर करीब दो दर्जन ढाबों व फूड स्टॉल्स का भी निरीक्षण किया। संचालकों को साफ-सफाई रखने, तेल को बार-बार गर्म कर इस्तेमाल नहीं करने और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए गए। फूड हैंडलर्स को निर्धारित ड्रेस कोड और स्वच्छता व्यवस्था का पालन करने के लिए पाबंद किया गया। कार्यालय के कंट्रोल रूम पर भोजन की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत मिलने पर जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी की मेस किचन का निरीक्षण किया गया। यहां कुछ खाद्य पैकेट्स पर पैकिंग और एक्सपायरी तिथि अंकित नहीं मिली तथा सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं थी। गुणवत्ता में कमी की आशंका पर पनीर का नमूना जांच के लिए लिया गया।

चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया गोविंद डोटासरा ने

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर जनमत को प्रभावित कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने पिछले 10 माह में आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति दर्ज कराई है।

डोटासरा ने कहा कि आपत्तियों में नए मतदाताओं के लिए फार्म-6 में एसआईआर से संबंधित जानकारी जोड़ने, मतदाता सूची के आईटी सिस्टम के केंद्रीकरण और पश्चिम बंगाल में मतदाता नाम हटाने के बाद अपील की प्रक्रिया से जुड़े निर्णय शामिल हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों चुनाव आयुक्तों ने फार्म-6 में किए गए बदलाव को लेकर कानूनी आपत्ति दर्ज की थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की तीन सदस्यीय व्यवस्था में फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिए, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एकतरफा तरीके से निर्णय लेने की व्यवस्था बना दी। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, गिरफ्तारी और एसआईआर प्रक्रिया की पारदर्शी समीक्षा की मांग की।

डोटासरा ने राजस्थान के निकाय चुनावों में भी भाजपा पर प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने वार्ड परिसीमन में मतदाताओं के असमान वितरण का हवाला देते हुए जोधपुर, अजमेर, जयपुर, कोटा और भरतपुर के आंकड़े रखे। साथ ही कांग्रेस पार्षदों की बाड़ाबंदी में पुलिस कार्रवाई, पार्षदों को धमकाने और प्रलोभन देने सहित कई आरोप लगाए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस 28 सितंबर को जयपुर में चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी और राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय का घेराव करेगी। इसके बाद जिला स्तर पर भी प्रदर्शन किए जाएंगे। आयोग ने इन रिपोर्टों पर कहा है कि एसआईआर सहित उसके सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि फार्म-6 में बदलाव नहीं किया गया, बल्कि एसआईआर के तहत अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था।

'आंगन मिलन सेवा' 25 से 27 सितंबर तक

जयपुर। विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर 25 से 27 सितंबर तक 'आंगन मिलन सेवा' का आयोजन होगा। प्रतिदिन करीब 21 हजार केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम ने आमजन से अपने नजदीकी आंगनबाडी केंद्र पर पहुंचकर सहभागिता करने और आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा का सम्मान करने की अपील की। कार्यक्रम में पोषण-स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी, नए लाभार्थियों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना में पंजीकरण, गोदभराई, अन्नप्राशन, लाभार्थी संवाद और पोषण रंगोली प्रतियोगिता होंगी। निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक, चिकित्सक एवं गणमान्य लोग आंगनबाड़ी दीदियों को माला और पौधा/प्लांटर भेंट कर सम्मानित करेंगे। आमजन से भी एक पौधा लेकर केंद्र पहुंचने की अपील की गई है।

10 हजार रुपये की रिश्वत लेते एस.आई. गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ़ थाने में तैनात उप निरीक्षक गिरधारी लाल मीणा को एसीबी ने गुरुवार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी एसआई पर आर्म्स एक्ट के मुकदमे में परिवादी की मदद करने तथा पुलिस द्वारा जब्त किए गए दो मोबाइल फोन और पर्स वापस लौटाने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के अनुसार आरोपी पहले ही 5 हजार रुपए ले चुका था और बाद में 25 हजार रुपए की मांग की। शिकायत के सत्यापन के दौरान 10 हजार रुपए में सौदा तय होने के बाद ट्रैप कार्रवाई की गई।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर विशेष अनुसंधान इकाई को शिकायत मिली थी। परिवादी के खिलाफ नाहरगढ थाने में मुकदमा दर्ज था। इस मामले में गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके दो मोबाइल फोन और पर्स जब्त किए थे। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद परिवादी जब अपना सामान वापस लेने पहुंचा तो आरोप है कि अनुसंधान अधिकारी गिरधारी लाल मीणा ने मुकदमे में मदद और जब्त सामान लौटाने के बदले रिश्वत की मांग की। शिकायत के सत्यापन के दौरान एसआई द्वारा 25 हजार रुपए की मांग करना सामने आया। बातचीत के बाद 10 हजार रुपए में सामान लौटाने के लिए सहमति बनी। एसीबी के अनुसार आरोपी इससे पहले 5 हजार रुपए ले चुका था। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। एसीबी की एसआईयू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह शेखावत के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। पुलिस निरीक्षक रघुवीर शरण शर्मा की टीम ने दोपहर 2.30 बजे नाहरगढ़ क्षेत्र में परिवादी से 10 हजार की रिश्वत लेते गिरधारी को गिरफ्तार कर लिया।

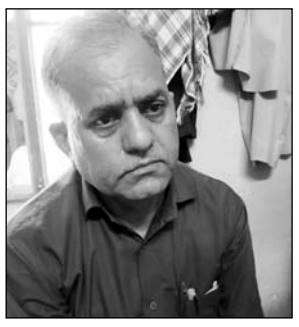

15 महीने बाद खुला "लेडी डॉन" मिंटू की हत्या का राज

गला घोंटकर हत्या के बाद कंबल में लपेटे शव को फेंका था कुएं में, पति और बेटा गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में करीब 15 महीने पहले हुई मिंटू चौधरी उर्फ सीमा चौधरी की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में उसके पति लालाराम जाट (42) और बेटे हरिओम जाट (20) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों ने 25 मई 2025 को घर पर मिंटू का गला घोंटकर हत्या की और शव को कंबल में लपेटकर उसी के ऑटो से करीब चार किलोमीटर दूर अचरावाला/बलखण्डी बालाजी चौराहे के पास स्थित सुनसान कुएं में फेंक दिया। कुआं करीब 200 फीट गहरा बताया गया है।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सिविल डिफेंस/एसडीआरएफ की मदद से कुएं से शव के अवशेष बरामद किए। प्रारंभिक तौर पर कपड़ों से पहचान की गई है। अब अवशेषों के नमूने डीएनए जांच के लिए भेजे गए हैं।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मिंटू के लापता होने के बाद 21 जुलाई 2025 को उसके बेटे हरिओम ने मुहाना थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार इससे पहले परिजन महिला के बारे में पूछते तो पति और बेटा कभी उसके तिहाड़ जेल तो कभी भरतपुर जेल में बंद होने की बात कहकर टाल देते थे। मिंटू की बहन ने दोनों जेलों से जानकारी ली, लेकिन वहां उसके बंद होने की पुष्टि नहीं हुई। जांच के दौरान पुलिस को तीन दिन पहले सूचना मिली कि मिंटू की हत्या कर शव कुएं में फेंका गया है। मुखबिर की सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस का शक पति और बेटे पर गया। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पुलिस के अनुसार उन्होंने हत्या की वारदात कबूल कर ली। इसके बाद उनकी निशानदेही पर कुएं से शव के अवशेष बरामद किए गए।

मुहाना पुलिस ने करीब 15 महीने पहले हुई मिंटू चौधरी की हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी पति लालाराम जाट और बेटे हरिओम जाट को गिरफ्तार किया।

- परिजन महिला के बारे में पूछते तो पति और बेटा कभी उसके तिहाड़ जेल तो कभी भरतपुर जेल में बंद होने की बात कहकर टाल देते थे। मिंटू की बहन ने दोनों जेलों से जानकारी ली, लेकिन वहां उसके बंद होने की पुष्टि नहीं हुई।

पुलिस पूछताछ में पति लालाराम ने मिंटू पर अवैध संबंध होने का शक जताया और उसके द्वारा मारपीट व प्रताड़ित किए जाने की बात कही। वहीं बेटे हरिओम ने भी बचपन से मां द्वारा मारपीट और प्रताड़ना किए जाने की बात पुलिस को बताई। पुलिस के अनुसार इन्हीं पारिवारिक विवादों के चलते दोनों ने मिलकर हत्या की।लालाराम मजदूरी करता है, जबकि मिंटू और उसका बेटा हरिओम ऑटो चलाते थे। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपियों ने मिंटू के ही ऑटो का इस्तेमाल किया।

पुलिस के अनुसार मिंटू चौधरी का असली नाम सीमा चौधरी था। उसके खिलाफ जयपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 2009 से 2025 के बीच मारपीट, चोरी, हत्या के प्रयास समेत 11 आपराधिक मामले दर्ज रहे। इसी आपराधिक छवि के चलते वह इलाके में 'लेडी डॉन' के नाम से चर्चित हुई। पुलिस जांच में फिलहाल किसी संगठित गिरोह से उसके संबंध की बात सामने नहीं आई है। मिंटू के पति और बेटे को रिमांड पर लेकर पुलिस हत्या के कारणों और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

50 बीघा सरकारी भूमि से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के प्रवर्तन दस्ते ने जोन-20 में अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 50 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त करवाई। साथ ही करीब 5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना स्वीकृति बसाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी को प्रारंभिक स्तर पर ही पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा ने बताया कि ग्राम खुडियाला, मौजमाबाद में करीब 30 बीघा सरकारी भूमि पर मिट्टी की डोल, कांटों की बाड़, झाड़ियों और तारबंदी कर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी एवं मजदूरों की सहायता से हटाया गया। इस भूमि की अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। इसी तरह ग्राम डेडूवाला, मौजमाबाद में करीब 20 बीघा सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई गई है। ग्राम मौजमाबाद में करीब 5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना जेडीए स्वीकृति और भू-रूपांतरण के 'विनायक विहार तृतीय' नाम से बसाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी की मिट्टी-ग्रेवल सड़कें और अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त किए। इसी तरह ग्राम पालुखुर्द में सरकारी भूमि पर बनाई गई बाउंड्रीवाल सहित अन्य अतिक्रमण भी ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

आईडीएफसी बैंक ने दी नई सुविधा

जयपुर। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) के पेमेंट गेटवे का इंटीग्रेशन पूरा कर लिया है। इसके साथ देशभर के टैक्सपेयर्स अब यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल एवं फिजिकल माध्यमों से डायरेक्ट टैक्स का भुगतान कर सकेंगे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिटेल और कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के अलावा ग्राहक किसी भी बैंक की इंटरनेट बैंकिंग सुविधा के माध्यम से भी बैंक के पेमेंट गेटवे से टैक्स का भुगतान कर सकेंगे। ऑफलाइन भुगतान के लिए किसी भी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में चेक, डिमांड ड्राफ्ट या नकद के जरिए टैक्स जमा किया जा सकेगा। भुगतान के बाद ग्राहक चालान और पेमेंट कन्फर्मेशन डाउनलोड कर सकेंगे। यह जानकारी आईडीएफसी बैंक के हेड-रिटेल लायबिलिटीज, कार्ड्स एंड पेमेंट्स शिरीष भंडारी ने दी।

353 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 6 से

जयपुर। राजस्थान पुलिस में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 के पे-लेवल-2 पदों पर चयनित 353 अभ्यर्थियों की ऑफलाइन काउंसलिंग 6 से 9 अक्टूबर 2026 तक पुलिस मुख्यालय में होगी। उप महानिरीक्षक पुलिस, भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि काउंसलिंग के जरिए चयनित अभ्यर्थियों को जिला, यूनिट एवं कार्यालय आवंटित किए जाएंगे। काउंसलिंग प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक पुलिस मुख्यालय के प्रथम तल स्थित कमरा नंबर 102 एवं 103 में होगी। चपरासी, फर्रास, जलधारी, चौकीदार, वार्डबॉय और स्वीपर सहित पे-लेवल-2 के विभिन्न पदों पर आवंटन किया जाएगा। कुल 353 चयनित अभ्यर्थियों में 324 गैर-अनुसूचित क्षेत्र, 28 अनुसूचित क्षेत्र और एक सहरिया क्षेत्र का अभ्यर्थी शामिल है। काउंसलिंग कार्यक्रम, प्राथमिकता/वरीयता क्रम, रिक्त पदों की स्थिति, विकल्प प्रपत्र, तिथिवार अभ्यर्थियों का विवरण और दिशा-निर्देश पुलिस विभाग की वेबसाइट पर जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर निर्देशों की पालना करनी होगी। डीआईजी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पे-लेवल-2 के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया के बाद शेष 295 अभ्यर्थियों के आवेदन प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग को वापस भेजे जा चुके हैं।

शराब की लत में बना वाहन चोर

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चोर आरोपी शैलेश कुमार मैरोठा उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर चोरी की हीरो स्पलेंडर बाइक बरामद कर ली। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने शराब के नशे की लत पूरी करने के लिए बाइक चोरी की थी और उसे बेचने की फिराक में घूम रहा था। जयपुर पश्चिम पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर शैलेश कुमार मैरोठा उर्फ छोटू (30) निवासी कापरेन जिला बूंदी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई स्पलेंडर बाइक बरामद कर ली गई। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कोटा और बूंदी जिलों में पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उससे अन्य वाहन चोरी और दूसरी वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

शिवम वरिष्ठ नागरिक समिति का नवगठन

जयपुर। मानसरोवर सेक्टर-4 में वरिष्ठ नागरिकों के हितों और सामाजिक सेवा के उद्देश्यों को लेकर शिवम वरिष्ठ नागरिक समिति (रजिस्टर्ड) का नवगठन किया गया। इस कार्यकारिणी में ओम प्रकाश पुरोहित को अध्यक्ष, चंद्र प्रकाश अडवाणी को सचिव तथा सुरेंद्र प्रकाश सक्सैना को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्यों ने समिति के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों का कहना है कि समिति का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव एवं विचारों का समाजहित में उपयोग करने के साथ नि:स्वार्थ सेवा, पर्यावरण जागरूकता, सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। समिति युवाओं में सकारात्मक सोच और अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए भी कार्य करेगी। समिति से अब तक मानसरोवर सेक्टर-4 के 52 वरिष्ठ नागरिक जुड़ चुके है।

20 किलो गांजे के साथ 2 तस्कर पकड़े

जयपुर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम और मानसरोवर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 20.500 किलोग्राम गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मोती नगर, गुर्जर की थड़ी के पास संदिग्धों की चेकिंग के दौरान दोनों को पकड़ा। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी ने मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े नेटवर्क के बारे में आसूचना जुटाई। पुख्ता सूचना के आधार पर सीएसटी और मानसरोवर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मोती नगर, गुर्जर की थड़ी के पास संदिग्धों की घेराबंदी कर तलाशी ली। इस दौरान उनके कब्जे से 20.500 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह (20) निवासी बयाना जिला भरतपुर और तिमण सिंह उर्फ चिन्नू (26) निवासी बयाना जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से गांजे की खरीद-फरोख्त, सप्लाई और पूरे नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

ARBiT
it happens here...

UN's Sustainable Development Goals Anniversary

September 25 marks the anniversary of the United Nations' 2030 Agenda for Sustainable Development, adopted in 2015 by all member states. The agenda introduced 17 Sustainable Development Goals (SDGs), a universal call to action to end poverty, protect the planet, and ensure peace and prosperity for all. This day serves as a reminder for nations to assess their progress, renew commitments, and accelerate actions towards achieving these goals. From climate action and quality education to gender equality and economic growth, the SDGs represent a shared blueprint for a more inclusive, sustainable, and resilient future for the global community.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
25 September 2026
A-B

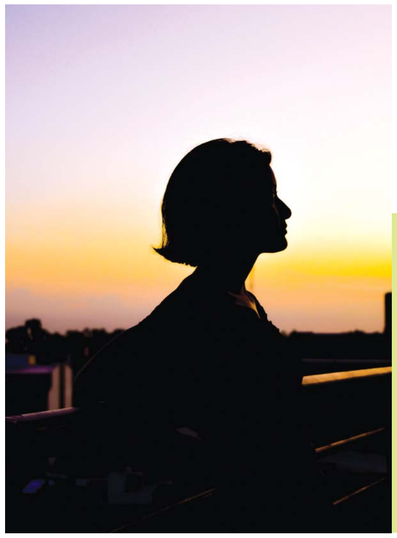

How Do You Hide A Disease Nobody Ever Said It Was?

PART:2

I learned that a hospital does not give you a bill. It produces an entire zoo of them. There is the running bill. The inpatient summary bill. The inpatient detail bill. The final bill. And, sitting on top of this whole family tree like a rare and shy animal, the final detailed bill, which I would spend most of November hunting like a woman who had accepted that the hills were gone and this was her nature documentary now. I would proudly bring a document listing every single charge, down to the last cotton swab, and be told, very politely, that this was not the one. I had bills. They wanted the bill. In my mind, these were the same sentence. In their system, they were apparently different species, and I was the confused amateur who kept catching the wrong animal.

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

#FAIRNESS

They rejected my claim over an operation I had as a baby. I fought them alone, at night, without telling my family, for one simple reason that had nothing to do with money: they thought I would give up. This is what it took to prove them wrong, and what it quietly cost me. Somewhere in the middle of that summer, this stopped being about the money.

I need to be honest about that, because nothing else makes sense without it. A lakh and thirty-two thousand rupees is not small. I cannot wave it away. But by August, I was not fighting for the money anymore. I was fighting because a stranger had scribbled "don't pay" on a file and assumed I would quietly disappear. And telling a certain kind of woman that she will get tired is the surest way to make her decide, on principle, that she will not get tired even if it kills her.

So that summer, I became a woman possessed. Not in a romantic way. In an administrative way.

While my whole family believed I was resting like a sensible person after surgery, I was in the spare room at two in the morning, teaching myself the entire language of insurance complaints from zero. The way other people fall into late-night web series, I fell into policy clauses. I learned what the insurance regulator does. I learned there is something called an Ombudsman, a word I had earlier filed under "things that happen to other, more organised people." I made timelines. I colour-coded my own betrayal. My daughter thought I was asleep. Nobody in that house knew that the calm woman making breakfast had, a few hours earlier, written her fourth complaint and was becoming genuinely dangerous with a PDF.

And the more I read, the clearer one thing became. I had hidden nothing.

I found the original form I had filled while buying the policy. On it, the question asking whether I had any existing illness carries my answer, clear as day: yes. I ticked it, and I wrote the one long-term condition I actually knew I had and lived with. And nowhere on that form is there a single question asking whether I had ever had an operation, or ever been in hospital, or was ever born with something that was fixed in infancy. There is no list of childhood surgeries to tick. The question they asked me was simple, and I answered it honestly.

Which turns their whole accusation into a strange little riddle.

How is a person supposed to declare a disease nobody ever told her she had?

I was three months old. There is no memory to hide. No paper in my hand. No treatment in forty-seven years. No medicine. No symptom. I did not conceal craniosynostosis. I did not even know the word until my mother said it out loud next to a hospital bed, long after the policy was bought. You cannot hide something you do not have. A company that treats honest ignorance like fraud is not protecting itself from a cheat. It is punishing a woman for not being able to see the future.

Now, for a moment, let me leave the emotion aside and just state the plain facts, because they matter. In health insurance, a "pre-existing disease" usually means something diagnosed or treated in the three years before the policy starts. A baby's operation from the 1970s does not fit into a three-year box by any stretch of the imagination. There is also a clock in health insurance, a point after which a company can no longer question your claim on the excuse of non-disclosure at all. It was recently reduced to five years. To be fair, my policy had not yet crossed that line, so, it would not have saved me. But every reader who has held a policy longer than that should know this clock exists. It is the most useful rule almost nobody has heard of, and one day, it may save your claim when some office tries to reject it over a detail you supposedly "forgot" years ago.

I complained to the regulator (IRDAI). A formality really but an important step. My complaint was closed. That was my lowest moment, and I lived it alone, at the kitchen table at two in the morning, asking myself how much of one life a person should spend chasing a sum that had long stopped being the point. It was then that I truly understood the thousands of people who give up right here. The person who gets a rejection letter is very often the person least able, at that exact moment, to fight it. She may have just had surgery. She may be scared about money, or a diagnosis, or both. Then, an official-looking letter arrives, full of difficult words, and it is so easy to think: they understand this language, I don't. I almost joined them. The only thing that stopped me was one stubborn, annoying fact. I still did not understand why.

So, I went to the Insurance Ombudsman, and I prepared like I was going into a battle. I knew my file by heart. I walked in ready to fight about my skull, my gallbladder, and everything in between.

And the fight never happened.

In front of a neutral officer, my insurance company did not defend the craniosynostosis reason at all. It did not say I had hidden anything. Its position, on record, was simply that "on reconsideration" it was now willing to settle. The very ground they had used to freeze my policy and refuse my money was quietly dropped the moment someone impartial was sitting in the room. What changed inside that company between "don't pay" and "we'll pay," I do not know. It is written nowhere I can see, and I am not going to invent a reason. After spending a whole summer angry at other people for inventing reasons about me, that would be a bit rich. The Ombudsman ordered them to pay my claim and restore my policy. I walked out and thought it was finally over. I was wrong, in a way that taught me the second half of how this whole system really works.

Because winning and actually getting your money, it turns out, are two completely different events. And in the gap between them lies a jungle of paperwork I did not even know existed. The fight was no longer about my skull. Now, it was about which piece of paper counted as a "bill."

I learned that a hospital does not give you a bill. It produces an entire zoo of them. There is the running bill. The inpatient summary bill. The inpatient detail bill. The final bill. And, sitting on top of this whole family tree like a rare and shy animal, the final detailed bill, which I would spend most of November hunting like a woman who had accepted that the hills were gone and this was her nature documentary now. I would proudly bring a document listing every single charge, down to the last cotton swab, and be told, very politely, that this was not the one. I had bills. They wanted the bill. In my mind, these were the same sentence. In their system, they were apparently different species, and I was the confused amateur who kept catching the wrong animal.

And here is the truly mad part. They already had it. My documents had been given to the company months earlier through my agent, and I was holding a claim form stamped, in their own office ink, RECEIVED. I even had their own messages confirming that they had received my claim. And still, the requests kept coming, the same lines again and again, asking for the final bill and full receipts, as if the last several months had simply not happened. My whole argument shrank down to one tired sentence. I cannot give you original papers that your own office has already stamped as received.

Even the hospital was confused about which document they wanted. At one point, I seriously thought of just travelling to the company's city and dropping the entire file on somebody's desk in person. Finally, the hospital managed to produce the exact creature the company wanted. I sent it. And then came the strangest thing of all.

Silence.

No letter. No "your claim is approved." No proper ending for a battle that had eaten an entire summer. Then, one December morning, my phone beeped. Money credited to my account. That was it. Months of fear and anger and two-in-the-morning reading, a regulator, an Ombudsman, an official order, and the whole war ended with a bank SMS that I could have deleted by mistake. And even then, it was not fully finished, because the money had come but the policy had not been reinstated. Payment and reinstatement. I learned, walk through two separate doors, and I had to go and knock on the second one too.

I did not feel like a winner. I felt tired, and relieved, in that order.

Now, here is the part I did not expect to write. I won, and I still count what it cost. That summer, which was meant for the hills, and the monk, and my daughter, and doing nothing important, went instead into gallstones, two operations, a rejected claim, a cancelled policy, and one woman fighting alone in a spare room because she had spent her whole life being the one who copes and did not know how to be the one who asks. My family was sitting one room away, loving me, ready to help, and I kept them out of it on purpose. Some of that was rebellion. Most of it was the oldest habit I have. I fix it myself, or I don't fix it at all.

So, let me be fair, because fairness is the whole point of writing this properly. Sometimes, the insurance company is right. Policies do have real exclusions and real duties to disclose, and not every rejected claim is an injustice. I have not seen your policy. I cannot promise you my ending. What I can give you is smaller, and truer: Do not assume a rejection is correct just because it looks correct. Get it in writing. Keep every hospital paper, even from claims that were already paid, because my paid claim's papers turned out to be the key to my rejected one. Follow the complaint ladder, and when one step fails, ask what the next legal step is, because there almost always is one. And when your own strength tells you to carry it all alone, do one thing differently from me. Let the people sitting one room away carry a little of it too.

I did not get my money back because I understood insurance. I understood insurance because I refused to let a stranger's three words be the final word on my life. There is a difference, and it cost me a summer. I would rather have had the hills. But if my lost summer gives one tired reader the courage to read that rejection letter twice and ask why, then my skull, my gallbladder and I did not fight for nothing.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

IF YOUR HEALTH CLAIM IS REJECTED: WHAT I WISH I HAD KNOWN

Know who actually pays you. They are not the same.

Who	Can they make the company pay?
Company grievance cell	Yes, if they agree.
IRDAI (regulator)	No. Only forwards and records.
Insurance Ombudsman	Yes. Its decision is binding.

You cannot run straight to the Ombudsman. Complain to the company first, wait about 30 days, then escalate. Filing with IRDAI counts as that first complaint.

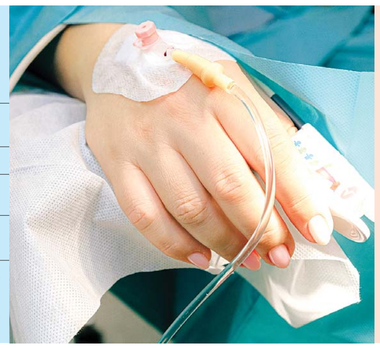

Four things that took me a whole summer to learn

1. "Pre-existing" usually means something treated in the three years before your policy began. Anything older is hard for them to use against you.
2. After a few years of continuous cover, recently five, they can no longer reject your claim for non-disclosure at all. Know when your clock runs out.
3. Get every rejection in writing, with the exact clause. A reason they cannot write down rarely survives a fight.
4. Do not stop too early. Company, then IRDAI, then Ombudsman. All free. The system is betting you will give up. Don't.

General information from my own experience, not legal advice. Check your own policy.

#WINTER OF 1956

When Dubai almost became a part of India

"The Raj maintains here a slightly phantasmal sway," wrote Holden, "a situation rich in anomaly and anachronism… The servants are all bearers, the laundryman a dhobi, and the watchman a chowkidar," he wrote, "and on Sundays, the guests are confronted with the ancient, and agreeable, Anglo-Indian ritual of a mountainous curry lunch."

In the winter of 1956, The Times correspondent David Holden arrived on the island of Bahrain, then still a British protectorate. After a short-lived career teaching geography, Holden had looked forward to his Arabian posting, but he hadn't expected to be attending a garden durbar in honour of Queen Victoria's appointment as Empress of India. Everywhere that he went in the Gulf, Dubai, Abu Dhabi and Oman, he found expected traces of British India.

"The Raj maintains here a slightly phantasmal sway," wrote Holden, "a situation rich in anomaly and anachronism… The servants are all bearers, the laundryman a dhobi, and the watchman a chowkidar," he wrote, "and on Sundays, the guests are confronted with the ancient, and agreeable, Anglo-Indian ritual of a mountainous curry lunch."

The Sultan of Oman, educated in Rajasthan, was more fluent in Urdu than Arabic, while soldiers in the nearby state of Qu'aiti, now eastern Yemen, marched around in now-defunct Hyderabadi army uniforms.

Although largely forgotten today, in the early 20th Century, nearly a third of the Arabian Peninsula was ruled as part of the British Indian Empire.

From Aden to Kuwait, a crescent of Arabian protectorates was governed from Delhi, overseen by the Indian Political Service, policed by Indian troops, and answerable to the Viceroy of India.

Under the Interpretation Act of 1889, these protectorates had all legally been considered part of India.

The standard list of India's semi-independent princely states like Jaipur opened alphabetically with Abu Dhabi, and the Viceroy, Lord Curzon, even suggested that Oman should be treated "as much a Native State of the Indian Empire as Lus Beyla or Kelat [present day Balochistan]." Indian passports were issued as far west as Aden in modern Yemen, which functioned as India's westernmost port and was administered as part of Bombay Province. When Mahatma Gandhi visited the city in 1931, he found many young Arabs identifying as Indian nationalists.

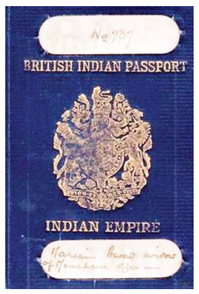

Even at the time, however, few members of the British or Indian public were aware of this Arabian extension of the British Raj.

Maps showing the full reach of the Indian Empire were only published in top secrecy, and the Arabian territories were left off public documents to avoid provoking the Ottomans, or later, the Saudis. But by the 1920s, politics was shifting. Indian nationalists began to imagine India not as an imperial construct but as a cultural space rooted in the geography of the Mahabharata. London saw an opportunity to redraw borders. On 1 April 1937, the first of several imperial partitions was enacted and Aden was separated from India. The Gulf remained under the purview of the Government of India for another decade, however.

British officials briefly discussed whether India or Pakistan would "be allowed to run the Persian Gulf" after independence, yet, a member of the British legation in Tehran even wrote of his surprise at the "apparent unanimity" of "officials in Delhi … that the Persian Gulf was of little interest to the Government of India."

The Gulf states, from Dubai to Kuwait, were thus finally separated from India on 1 April 1947, months before the Raj was itself divided into India and Pakistan and granted independence.

Months later, when Indian and Pakistani officials set about integrating hundreds of princely states into the new nations, the Arab states of the Gulf would be missing from the ledger. Few batted an eyelid, and 75 years on, the importance of what had just happened is still not fully understood in either India or the Gulf. Without this minor administrative transfer, it is likely that the states of the Persian Gulf Residency would have become part of either India or Pakistan after independence, as happened to every other princely state in the subcontinent.

When British Prime Minister Clement Attlee proposed a British withdrawal from the Arabian territories at the same time as the withdrawal from India, he was shouted down. So, Britain retained its role in the Gulf for 24 more years, with an 'Arabian Raj' now reporting to Whitehall rather than to the Viceroy of India.

In the words of Gulf scholar Paul Rich, this was "the Indian Empire's last redoubt, just as Goa was Portuguese India's last solitary vestige, or Pondicherry was the tagend of French India."

The official currency was still the Indian rupee; the easiest mode of transport was still the 'British India Line' (shipping company) and the 30 Arabian princely states were still governed by 'British residents' who had made their careers in the Indian Political Service.

The British only finally pulled out of the Gulf in 1971 as part of its decision to abandon colonial commitments east of Suez.

Of all the national narratives that emerged after the Empire's collapse, the Gulf states have been most successful at erasing their ties to British India. From Bahrain to Dubai, a past relationship with Britain is remembered, but governance from Delhi is not. The myth of an ancient sovereignty is crucial to keeping the monarchies alive. Yet, private memories persist, particularly of the unimaginable class reversal that the Gulf has seen.

Today Dubai, once a minor outpost of the Indian Empire with no gun salute, is the glittering centre of the new Middle East.

Few of the millions of Indians or Pakistanis who live there know that there was a world in which India or Pakistan might have inherited the oil-rich Gulf, just as they did Jaipur, Hyderabad or Bahawalpur.

THE WALL

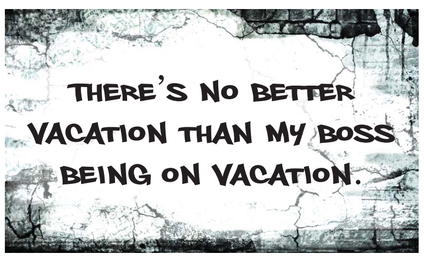

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

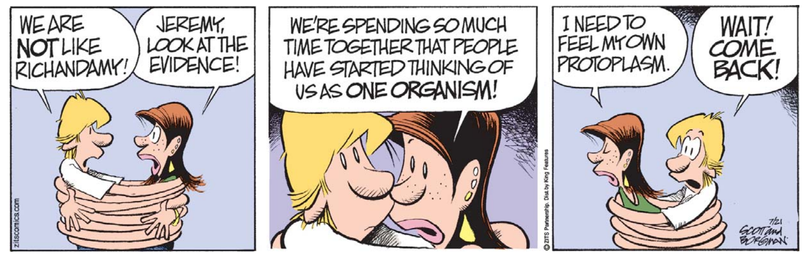

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और अमेरिकी सेना का युद्धाभ्यास जारी

अपाचे हेलिकॉप्टर से रेगिस्तान में टारगेट उड़ाए, स्वदेशी धनुष तोप और पिनाका से भी फायरिंग

बीकानेर, (निसं)। जिले की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और अमेरिका की सेना संयुक्त युद्धाभ्यास कर रही है। 'युद्ध अभ्यास-2026' में एएच-64 ई अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर, भारत और अमेरिकी सेना के जवानों के साथ मिलकर इंटीग्रेटेड ऑपरेशनल ड्रिल में हिस्सा ले रहे हैं।

रेगिस्तानी इलाके में दोनों देशों के जवान आर्टिलरी, रॉकेट सिस्टम, एयर डिफेंस, काउंटर ड्रोन तकनीक और एविएशन क्षमताओं का इस्तेमाल कर अभ्यास कर रहे हैं। इसमें एम 777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर, स्वदेशी धनुष 155एमए तोप और पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर के साथ फायरिंग ड्रिल शामिल है। इस युद्धाभ्यास के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें एएच-64 अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर से जमीन पर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर पिन पॉइंट अटैक होता नजर आ रहा है। जबकि दूसरे वीडियो में दो हेलिकॉप्टर तेजी से टारगेट पर अटैक करते हैं।

संयुक्त युद्धाभ्यास की खासियत केवल अलग-अलग हथियारों की फायरिंग नहीं, बल्कि उन्हें एक संयुक्त ऑपरेशन में इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग है। टारगेट की पहचान, सूचना का आदान-प्रदान, फायर कमांड, आर्टिलरी और रॉकेट फायर, ड्रोन खतरे की पहचान और काउंटर ड्रोन जैसी प्रक्रियाओं को भी शामिल किया जा रहा है। स्वदेशी धनुष 155 एमएम तोप और पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए गए।

अभ्यास में एम 777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर प्रमुख हथियार प्रणालियों में शामिल है। हल्की होने के कारण इसे तेजी से तैनात कर फायरिंग करने और फिर फायरिंग पोजीशन

> ■ 'युद्ध अभ्यास-2026' में एम 777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर प्रमुख हथियार प्रणालियों में शामिल है

बदलने की क्षमता का अभ्यास किया जा रहा है। आधुनिक युद्ध में तेजी से पोजीशन बदलने की इस प्रक्रिया को 'शूट एंड स्कूट' कहा जाता है। भारतीय सेना का पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर भी अभ्यास में शामिल है। इसके जरिए एक साथ बड़ी संख्या में रॉकेट दागकर निर्धारित क्षेत्र में फायर पावर पहुंचाने की क्षमता का प्रदर्शन किया जा रहा है। धनुष तोप और पिनाका के साथ अभ्यास से दोनों सेनाओं को अलग-अलग आर्टिलरी और रॉकेट प्रणालियों के बीच तालमेल का प्रशिक्षण मिल रहा है।

दुनिया में तेजी से बढ़ रहे ड्रोन अटैक जैसी गंभीर खतरों से निपटने के लिए भी प्रभावी तैयारी की जा रही है। अमेरिकी सेना का काउंटर-ड्रोन सिस्टम भी युद्धाभ्यास में शामिल है। इसके साथ एल/70 एयर डिफेंस गन जैसी प्रणाली का इस्तेमाल छोटे और धीमी गति से उड़ने वाले ड्रोन खतरों के खिलाफ किया जा रहा है। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में अटैक हेलिकॉप्टर भी अभ्यास का हिस्सा है। हेलिकॉप्टर और जमीन पर मौजूद सैनिकों के बीच एयर-ग्राउंड कोऑर्डिनेशन, लक्ष्य की पहचान और संयुक्त कार्रवाई से जुड़ी ट्रेनिंग की जा रही है। अपाचे भारतीय सेना की प्रमुख अटैक हेलिकॉप्टर प्रणालियों में शामिल है। अमेरिकी सेना की ओर से हिमार्स और स्टिंगर एयर डिफेंस सिस्टम भी अभ्यास में शामिल है। हिमार्स मोबाइल प्रिसीजन रॉकेट फायर के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि स्टिंगर कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है। इनके साथ अमेरिकी और भारतीय सैनिक संयुक्त रूप से फायरिंग और ऑपरेशनल तालमेल का अभ्यास कर रहे हैं।

15 से 28 सितंबर तक संयुक्त अभ्यास होगा, जिसमें पहले चरण में महाजन फील्ड फायरिंग में अभ्यास चल रहा है, जबकि दूसरे फेज उत्तराखंड के औली में युद्धाभ्यास हो रहा है। वहां दोनों देशों की सेनाएं ऊंचाई वाले पर्वतीय इलाके में पैदल सेना आधारित अभियानों, पर्वतीय युद्ध कौशल और अलग भौगोलिक परिस्थितियों में संयुक्त संचालन का अभ्यास कर रही हैं।

मनोहरपुर में मकान से नगदी और जेवर चोरी

बेटे के इलाज के लिए जोड़ी रकम भी ले गये चोर

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के तोपचीवाड़ा स्थित सनराइज कॉलोनी में बुधवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक गरीब परिवार के मकान को निशाना बनाते हुए नगदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित बाबू खान ने बताया कि पीड़ित परिवार ने अपने बेटे के इलाज के लिए बड़ी मुश्किल से करीब 50 हजार रुपये जमा किए थे, जिन्हें भी चोर चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि उनके बेटे के दोनों पैर का इलाज करवाने को लेकर रकम जोड़ी थी।

जानकारी के अनुसार चोर पड़ोसी मकान से लकड़ी की सीढ़ी लगाकर घर के पीछे पहुंचे और सीमेंट की जाली तथा जंगला तोड़कर मकान के अंदर घुस गए। इसके बाद चोरों ने कमरे में रखी अलमारी से नगदी व जेवरात चुरा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोरों ने अंदर से कुंडी लगाकर दरवाजा बंद कर दिया, ताकि परिवार को घटना की भनक न लग सके। पीड़ित महिला ने बताया कि घटना के समय घर में महिला और बच्चा अकेले सो रहे थे।

> ■ चोर पड़ोसी मकान से लकड़ी की सीढ़ी लगाकर घर के पीछे पहुंचे और सीमेंट की जाली तथा जंगला तोड़कर मकान के अंदर घुस गए

सुबह करीब साढ़े चार बजे जब परिवार का मुखिया बाबू खान घर लौटा तो जिस कमरे में चोरी हुई उस कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। पीछे जाकर देखने पर जंगला और सीमेंट की जाली टूटी हुई दिखाई दी। अलमारी का सामान बिखरा देखकर चोरी का पता चला। इसके बाद परिवार ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलने पर मनोहरपुर थाना प्रभारी आशुतोष कुमार मय जाप्ता के मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा संदिग्ध गतिविधियों की जांच शुरू की। साथ ही डीएसटी टीम को भी बुलाया गया। टीम ने अलमारी और अन्य स्थानों से फिंगर प्रिंट लिए तथा बिखरे सामान की जांच कर साक्ष्य जुटाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि तोपचीवाड़ा क्षेत्र में इस प्रकार की यह पहली बड़ी चोरी की घटना है। गरीब परिवार के अपाहिज बेटे के इलाज के लिए जमा की गई रकम चोरी होने से परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पीड़ित बाबू खान ने बताया कि वह और उसकी पत्नी सुमन और बेटा समीर ही इस मकान में रहते हैं यह पूर्व में अजीतगढ़ रहते थे इनके बच्चे के दोनों पैर से चला नहीं जाता है उसका उपचार करवाने को लेकर पाई पाई जमा की थी। पीड़ित बाबू खान इवेंट पर गाना गाने सावे का काम करता है, जोकि नयाबास में प्रोग्राम में गया हुआ था। वह करीब सुबह 4:30 बजे घर पहुंचा था।

सीकर में सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में संचालित केंटीन का निरीक्षण किया

सीकर, (निसं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए चिकित्सा विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। विभाग की टीमों ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी, जिला कलेक्टर आशीष मोदी व सीएमएचओ डॉ अशोक महरिया के निर्देशन में गुरूवार को सीकर शहर में संचालित सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में संचालित केंटीन और उनके आस पास के क्षेत्र में स्थित भोजनालय, टी स्टॉल, ठेलों पर खाद्य वस्तुओं की जांच की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी महमूद अली, फूल सिंह बाजिया, नंदराम मीणा, सुरेश कुमार, अंबिा चौधरी, शुभम वर्मा, साधना जांगिड़, कमलेश कुमार मीणा, तरूण कुमार शर्मा, सुनिता यादव और विकेश कुमार मीणा की टीमों ने सीकर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित प्राइवेट व निजी अस्पतालों में संचालित केंटीन, आस पास के

> ■ खाद्य सुरक्षा टीम ने खाद्य वस्तुओं के सैम्पल जांच के लिए जयपुर भेजे

भोजनालय, ठेलों पर खाद्य वस्तुओं की जांच की। इस दौरान उन्होंने नेहरू पार्क स्थित सरकारी जनाना अस्पताल की केंटीन का निरीक्षण कर रसगुल्ले का सैम्पल लिया और संचालक को कमियां पाए जाने पर इम्प्रूमेंट नोटिस दिया। फतेहपुर रोड स्थित केजीएन हॉस्पिटल में केजीएन फार्मेसी का निरीक्षण कर बिस्किट का सैम्पल लिया और कमियों में सुधार के लिए नोटिस दिया।

सरकारी जनाना अस्पताल के पास श्री श्याम टी स्टॉल से ब्रेड टोस्ट का सैम्पल लिया और कमियां पाए जाने पर संचालक को नोटिस दिया। पिपराली रोड स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल के पास संचालित कूल सिटी आईस क्रीम एंड बेकर्स में कमियां मिलने पर संचालक को नोटिस दिया। वहीं डोमिनोज पीज्जा व श्री बालाजी टी स्टॉल का निरीक्षण तथा पिपराली रोड स्थित श्री गिनजी भोग फास्ट फूड में कमियां पाए जाने पर संचालक को सुधार के लिए नोटिस दिया।

सांवली रोड स्थित श्री श्याम केंटीन से गेहूं के आटे तथा श्री कृष्णा रेस्टोरेंट के यहां से तेल का सैम्पल लिया और सुधार के लिए दोनों के संचालक को नोटिस दिया। यहां साहिल सरकार के निरीक्षण के दौरान दस लीटर अवधिपार कोल्ड ड्रींक पाई गई, जिनको संचालक की सहमति से नष्ट करवाया गया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दुकानदारों को आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराने की हिदायत देते हुए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए पाबंद किया। सभी सैम्पलों को जांच के लिए खाद्य जन प्रयोगशाला जयपुर भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

युवती से दुष्कर्म

सीकर, (निसं)। सीकर में 23 साल की युवती का अश्लील वीडियो बनाया, फिर ब्लैकमेल करते हुए आरोपी ने रेप किया। किसी को बताने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। धमकी देकर आरोपी बार-बार युवती को मिलने के लिए दबाव बनाता रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। युवती ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि गांव के ही रहने वाले एक युवक ने चोरी छिपकर उसका अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। आरोपी ने इस वीडियो को वायरल करने की धमकी दी।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने युवती को मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके साथ रेप किया। रेप करने के बाद आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी बार-बार युवती को मिलने के लिए बुलाने का दबाव बनाने लगा। पहले तो युवती ने यह बात किसी को नहीं बताई। आखिर में परेशान होकर उसने ये बात अपने घरवालों को बताई और पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

न्यायाधिपति विनीत माथुर ने डूंगरपुर सभापति सुशीला गुप्ता को बधाई दी

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति विनीत माथुर ने गुरुवार को डूंगरपुर पहुंचकर नगर परिषद की नवनिर्वाचित सभापति एवं शहर की प्रथम नागरिक सुशीला गुप्ता को उनके निवास पर पहुंचकर बधाई दी। इस दौरान उन्होंने विश्वास जताया कि

> ■ न्यायाधिपति माथुर ने सभापति के पदभार ग्रहण करने से पहले नगर परिषद डूंगरपुर सभापति के चेंबर का निरीक्षण किया

सुशीला गुप्ता के कार्यकाल में डूंगरपुर शहर विकास की चार गुनी रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शहर के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को लेकर परिषद के सामने व्यापक संभावनाएं हैं।

न्यायाधिपति माथुर ने सभापति के पदभार ग्रहण करने से पहले नगर परिषद डूंगरपुर सभापति के चेंबर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने परिषद की कार्यप्रणाली और शहर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर नगर परिषद लंबे समय से स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। अब इसी आधार को आगे बढ़ाते हुए शहर में चहुंमुखी विकास की दिशा में काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि केके गुप्ता के कार्यकाल से शहर में स्वच्छता और विकास को लेकर किए गए कार्यों से सभी परिचित हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ लेते हुए डूंगरपुर को विकसित शहरों की श्रेणी में देश-दुनिया में अलग पहचान दिलाई जा सकती है। न्यायाधिपति ने सभापति सुशीला गुप्ता से कहा कि वे सत्य और पारदर्शिता की राह पर चलते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

डूंगरपुर सभापति सुशीला गुप्ता को न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर विनीत माथुर ने गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी।

इस अवसर पर नगर परिषद के ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता ने न्यायाधिपति विनीत माथुर का गुलदस्ता भेंट कर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। उन्होंने शहर के विकास और पर्यटन की संभावनाओं को लेकर आने वाले समय में प्रस्तावित एवं चल रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

रिटायर्ड फौजी की कुएं में डूबने से मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सामीतेड गांव में एक रिटायर्ड फौजी की कुएं में डूबने से मौत हो गई। वह खेतों में फसलों को पानी देने गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

कोतवाली थाने के एएसआई गजराज सिंह ने बताया कि सामीतेड निवासी अर्जुन कोटेड ने रिपोर्ट में बताया कि उनके 70 वर्षीय पिता शंकरलाल कोटेड, जो रिटायर्ड फौजी थे, फसलों को पानी देने खेत गए थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार के लोग खेतों पर गए। वहां शंकरलाल नहीं मिले। कुएं के पास उनकी चप्पल और मोबाइल मिला। इसके बाद कुएं में देखा तो शंकरलाल का शव पानी में तैर रहा था। घटना की सूचना पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला।

कोटा में कांग्रेस पार्षद के क्लीनिक को अवैध मानकर सीज़ किया

कोटा, (निसं)। नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर 42 से कांग्रेस के पार्षद बने सियाराम वर्मा पर पुलिस और चिकित्सा विभाग की कार्रवाई का मामला सामने आया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने उनके क्लीनिक को सीज कर दिया है, जहां पर वह मेडिकल प्रैक्टिस करते हैं। चिकित्सा विभाग ने इस संबंध में नोटिस भी चस्पा किया है जिसमें क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के उल्लंघन की बात कही है।

कुन्हाड़ी थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज का कहना है कि कुन्हाड़ी अस्पताल के प्रभारी डॉ.चंद्र प्रकाश कलवार ने उन्हें शिकायत दी थी जिसमें अवैध क्लिनिक चलने की बात कही थी। मेडिकल प्रैक्टिस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच एएसआई हरिओम मीणा को सौंपी है।

सीएमएचओ डॉ.नरेंद्र नागर का कहना है कि उन्हें ललित कुमार ने शिकायत दी थी। इसमें बालिता रोड पर एक अवैध क्लिनिक चलने की बात कही गई। कुन्हाड़ी अस्पताल के प्रभारी डॉ.चंद्र प्रकाश कलवार को जांच के दिशा निर्देश दिए गए थे। उनकी रिपोर्ट के आधार पर ही क्लीनिक को सीज किया गया है। क्लीनिक में मेडिकल प्रैक्टिस करने की बात सामने आई है, जबकि उनके पास कोई चिकित्सकीय सर्टिफिकेट नहीं है। हमने यह सर्टिफिकेट भी मांगा गया है। उन्होंने इस संबंध में टीम भेजकर नोटिस चस्पा करवाया है।

इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस पार्षद सियाराम वर्मा का कहना है कि वह 20 साल से मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने नर्सिंग की ट्रेनिंग की हुई है। वह केवल इंजेक्शन लगाने और ड्रिप चढ़ाने का काम करते हैं। यह भी डॉक्टर के पर्चे के आधार पर किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी को मेयर वोटिंग में वोट डलवाने के लिए की जा रही है। दबाव बनाया जा रहा है लेकिन कांग्रेस पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता होने के नाते कांग्रेस को ही वोट दूंगा। सियाराम वर्मा का कहना है कि उनकी बंद दुकान को ही सीज कर दिया गया है। वे लंबे समय से दुकान पर नहीं गए थे। पहले चुनाव में व्यस्त थे और उसके बाद स्वागत और लोगों से मिलने-जुलने में व्यस्त हैं। ऐसे में बंद दुकान पर ही नोटिस चस्पा कर दिया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें डराने-धमकाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। नोटिस के संबंध में जानकारी आसपास दुकान संचालित करने वाले लोगों ने दी है। इस नोटिस में 2 दिन में जवाब देने के लिए कहा गया था। नोटिस में लिखा है कि इन दो दिनों में उपस्थित नहीं होने पर एफआईआर करवाई जाएगी, लेकिन यह भी संज्ञान में आया है कि मेरे खिलाफ मुकदमा 23 सितंबर को ही मेरे खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

उदयपुर जेल में कैदी के पास मोबाइल मिला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर कैदी के पास मोबाइल मिला है। इस संबंध में जेल प्रहरी लक्ष्मणराम ने सूरजपोल थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

शिकायत में बताया कि बुधवार करीब 3.30 बजे कैदियों की तलाशी ली गई। इस दौरान विचाराधीन कैदी विक्रम सिंह पुत्र रामसिंह शेखावत निवासी सवाई माधोपुर के कब्जे से की-पेड वाला मय बैटरी मोबाइल मिला। तलाशी के दौरान उसने मोबाइल अपने बाएं हाथ की बाजू के बीच छिपाया हुआ था। जेल प्रहरी ने मोबाइल जब्त कर पुलिस को सुपुर्द किया। वही, पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 15 सितंबर 2026 को जब सूरजपोल थाना पुलिस जेल का निरीक्षण करने पहुंची थी। उस दौरान हिस्ट्रीशीटर नरेश वाल्मिकी के बैरक की जांच की। जहां से एक मोबाइल बरामद किया। वहीं जली हुई सिगरेट, बीड़ियां और इसके रेपर भी पड़े मिले। बैरक के पास ही एक इंडक्शन भी मिला।

दहेज हत्या के दोषी पति को सात साल की सजा

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 19 गवाहों के बयान दर्ज कराये

कोटा, (निसं)। दहेज हत्या के करीब पांच साल पुराने मामले में अतिरिक्त सेशन न्यायाधीश महिला उत्पीड़न क्रम-2 न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी पति को दोषी मानते हुए सात साल की सजा सुनाई।

अपर लोक अभियोजक रामहेत सैनी ने बताया कि 28 अक्टूबर 2021 को मृतका की मां ने मोड़क थाने में रिपोर्ट दी। फरियादीया ने रिपोर्ट में कहा कि उसने अपनी बेटी लक्ष्मी का विवाह 27 जून 2020 को दाबादेह निवासी करण उर्फ बन्टी के साथ किया था। उसकी बेटी ससुराल दाबादेह में रह रही थी। उसकी बेटी का उसके पास भी आना जाना था। रिपोर्ट में कहा कि उसकी बेटी लक्ष्मी शादी के कुछ महीनों बाद उसके पास आई और कहा कि दहेज की मांग को लेकर उसका पति व सुसराल पक्ष के अन्य आये दिन उसके साथ मारपीट करते हैं। एक दिन उसको सूचना मिली कि उसकी बेटी लक्ष्मी ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया और उसकी बेटी को मोड़क अस्पताल लेकर गये हैं। सूचना पर मोड़क अस्पताल पहुंची। रिपोर्ट में कहा कि उसकी बेटी लक्ष्मी को उसका पति करण उर्फ बंटी व सास, ससुर ने दहेज की मांग कर दहेज के लिये प्रताड़ित किया, प्रताड़ित होकर उसकी बेटी ने फांसी लगाई है।

पुलिस ने फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए मृतका के पति करण उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 19 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

कार की टक्कर से युवक घायल

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के चलते बाइक और कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार अशोक यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर बताया गया है।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार जिजुवाली की ढाणी पंडितपुरा निवासी शेरसिंह यादव ने बताया कि 21 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे उसके भाई प्रदीप यादव और अशोक यादव मोटरसाइकिल से घर से पुरानी ढाणी खिजुरवाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान टसकोला रोड से ककराना की ओर जाने वाले मार्ग पर लादूराम यादव के मकान के पास सामने से आ रही स्पिट कार के चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए। हादसे में अशोक यादव के गंभीर चोटें आईं और उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया। घायल को उनके भाई प्रदीप यादव द्वारा तत्काल कोटपूतली के अस्पताल ले जाया गया।

जोधपुर : हमले में घायल युवक की पांच माह बाद घर पर मौत

जोधपुर, (कासं)। गत 10 मई को एक हमले में घायल युवक शाहरूख की आज मौत हो गई। मृतक के परिजन एमजीएच की मोर्चरी पर एकत्र हो गए। हालांकि पुलिस द्वारा घटना में सात आरोपियों को वारदात के दस दिन बाद ही पकड़ लिया था, जिनमें ज्यादातर आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है और कुछ को जमानत मिली है। आरंभिक जांच में सामने आया कि इनके बीच पिछले दस साल से खूनी रंजिश चल रही है। पहले से ही इनके प्रकरण पुलिस में दर्ज हो रखे हैं। पुलिस ने प्रकरण में दो अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। बाद में वांछित चल रहे पांच अभियुक्तों राजीव गांधी कॉलोनी पाल लिंक रोड निवासी अमन खां पुत्र फिरोज खां, बोंबे मोटर्स चौराहा के पास रहने वाले मो. हादी पुत्र पीर मो., रहमान खां पुत्र अमनादुल्ला एवं इस्हाक कुरैशी को भी गिरफ्तार किया गया था।

सरदारपुरा थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि प्रकरण में सात लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। कुछ को जमानत मिली थी और कुछ जेल में है। शाहरूख को अस्पताल से घटना के 10-12 दिन बाद ही छुट्टी दे दी गई थी।

> ■ पुलिस मामले में सात आरोपियों को पहले ही गिरफ़्तार कर चुकी है
>
> ■ आरंभिक जांच में सामने आया कि पिछले दस साल से आपसी खूनी रंजिश चल रही थी

अब उसकी घर पर ही मौत हुई है और परिजन अस्पताल लेकर आए हैं। प्रकरण में एक दो और लोग है जिनकी तलाश जारी है।

मामले के अनुसार नादिर खान पुत्र सिकन्दर खान निवासी सिंधी मुस्लिम बस्ती मसूरिया रोड हाल उमराव खान पट्रोल पम्प के पीछे रफीक खान के मकान में किरायेदार बोम्बे मोटर्स निवासी नादिर खान की तरफ से 10 मई को मामला दर्ज कराया गया था। इसके अनुसार सुबह करीब 6 बजे के लगभग उसका भाई शाहरुख खान व उसका दोस्त मोहसिन अपनी मोटर साइकिल से दल्ले खों की चक्की से पाँचवी रोड जाने के लिए रवाना हुए थे। दोनों बारहवीं रोड चौराहा मन्दिर के पास पहुंचे तब पीछे से दो कारों में सवार वसीम, बरकत, प्रिंस, शौकत उर्फ भासा, इस्हाक कुरैशी, जावेद उर्फ टाईगर व 2-3 अन्य लोग सवार थे। उनमें वसीम ने अपनी कार से शाहरुख की मोटर साइकिल को टक्कर मारी जिससे शाहरुख व मोहसिन नीचे गिर गए, शाहरुख भागने लगा तो दूसरी कार में सवार शौकत ने अपनी कार से शाहरुख को टक्कर मार गिरा दिया तथा दोनों कार में सवार व्यक्ति नीचे उतरे, जिसमें वसीम व प्रिन्स के हाथों में तलवारें थी।

उन्होंने शाहरुख के सिर, आँख व शरीर के नाजूक अंगों पर उसको जान से मारने की नीयत से तलवारों से जानलेवा हमला किया। हमले में शाहरुख के शरीर पर कई जगह फ्रैक्चर व गंभीर चोटें आईं। कार की टक्कर से मोहसिन के पैरो में चोट आई। शाहरुख को गंभीर घायल अवस्था में शरीफ खॉ ऑटो रिक्शा में डालकर मथुरादास माथुर अस्पताल लेकर गए। शाहरूख खांडाफलसा में वर्ष 2021 में हुए मर्डर के मामले में मुख्य गवाह था। प्रकरण में वसीम, जावेद उर्फ टाइगर व अन्य आरोपी थे तथा शाहरुख को न्यायलय में अपने बयानों से मुकर जाने का दवाब भी बनाया, लेकिन शाहरुख व अन्य गवाहों ने वसीम, जावेद उर्फ टाइगर व अन्य के खिलाफ सही व सच्चे बयान दिये थे। जमानत के बाद से ही आरोपीगणों ने प्रकरण में अन्य गवाहों के साथ मारपीट, धमकी, जानलेवा हमला पूर्व में कर चुके है। 17 अप्रैल को भी इन सभी लोगों द्वारा हमला करने की कोशिश की थी, इस बाबत एक रिपोर्ट पुलिस थाना देवनगर में दी गई थी। घटना की साजिश बरकत खां नसरानी व शाकिर खॉ ने रची थी। पहले वारदात में शामिल सिन्धी मुस्लिम बस्ती दल्ले खां के पास मसूरिया निवासी वसीम खान पुत्र सिकन्दर खान और ट्रांसपोर्ट नगर पाली निवासी मो. हुसैन पुत्र मो. अनवर को गिरफ्तार किया गया है।

घटना में घायल शाहरूख खान और मुल्जिम वसीम खान और उसके दोस्त शौकत उर्फ भासा के आपस में दस साल से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इनके खिलाफ पूर्व में भी कई प्रकरण दर्ज हो रखे है।

अलवर के रामगढ़ कस्बे में डीएपी खाद के लिए किसानों की कतार लगी

समिति के पास डीएपी खाद के 600 कट्टे उपलब्ध थे, जबकि खाद लेने के लिए सैकड़ों किसान पहुंच गए

अलवर, (निसं)। रामगढ़ कस्बे के बस स्टैंड स्थित बहुउद्देश्यीय प्राथमिक ग्राम सेवा सहकारी समिति में गुरुवार को डीएपी खाद लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सरसों की बुआई का सीजन होने से खाद की मांग बढ़ गई है। किसान गुरुवार सुबह करीब 6 बजे से ही समिति के बाहर लाइन में लग गए थे। समिति का केंद्र करीब 10 बजे खुला, जिसके बाद खाद वितरण शुरू हुआ। समिति के पास डीएपी खाद के करीब 600 कट्टे उपलब्ध थे, जबकि खाद लेने के लिए सैकड़ों किसान पहुंच गए। सीमित स्टॉक के चलते खाद लेने की होड़ में किसानों के बीच धक्का-मुक्की और कहासुनी की

> ■ स्थिति को देखते हुए पुलिस की निगरानी में किसानों को व्यवस्थित तरीके से कतार में लगाया और खाद वितरण की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई

स्थिति भी बनी। मौके पर मौजूद किसानों और समिति कर्मचारियों ने स्थिति को संभाला।

शुरुआत में समिति परिसर से करीब 100 कट्टे खाद वितरित किए गए। इसके बाद व्यवस्था बनाए रखने के लिए समिति प्रबंधन ने रामगढ़ थाने पर खाद की पर्चियां काटने का निर्णय लिया। पर्चियां थाने पर काटे जाने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में किसान वहां पहुंच गए। कुछ ही देर में थाने के मुख्य गेट से लेकर नगर पालिका तक किसानों की लंबी लाइन लग गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस की निगरानी में किसानों को व्यवस्थित तरीके से कतार में लगाया गया। इसके बाद खाद वितरण की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई और शांतिपूर्ण तरीके से किसानों को डीएपी उपलब्ध कराया गया।

कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार खाद का वितरण निर्धारित नियमों के तहत किया गया। किसानों के आधार कार्ड और खाता-जमाबंदी का सत्यापन करने के बाद पात्र किसानों को दो-दो डीएपी खाद के कट्टे दिए गए। किसानों ने बताया कि सरसों की बुआई के समय डीएपी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसी वजह से वे सुबह से लाइन में खड़े रहे। कई किसान घंटों इंतजार के बाद भी सीमित स्टॉक के कारण खाद नहीं ले सके और उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। कृषि विभाग ने कहा कि उपलब्ध स्टॉक के अनुसार खाद का वितरण पारदर्शी तरीके से किया गया। आधार कार्ड और जमाबंदी के सत्यापन के बाद पात्र किसानों को ही खाद दी गई।

अलवर में पुलिस थाने के सामने युवक की पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या

पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, आक्रोशित लोगों ने अलवर-भरतपुर मार्ग जाम किया

- युवक की हत्या की सूचना मिलते ही आक्रोशित लोगों ने थाने का घेराव करते हुए पुलिस से धक्का-मुक्की भी की
- एसआईटी गठित करने, मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने की मांग की

अलवर, (निसं)। अलवर की रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ौदामेव पुलिस थाने के सामने युवक की पत्थरों से पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार बड़ावास निवासी सेकून खान (40) पुत्र नसरू खान अपने गांव के नूर मोहम्मद को बैंक में छोड़कर थाने के सामने से निकल रहा था। इसी दौरान हर्ष मूर्तिकार आया। उसने बाइक सवार सेकून को नीचे गिरा दिया और उसके सिर पर सड़क पर पड़े पत्थर (पट्टी के टुकड़े) से हमला कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है।

हत्या की सूचना मिलते ही लोगों ने थाने का घेराव करते हुए पुलिस से धक्का-मुक्की भी की। वहीं सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने अलवर-भरतपुर मार्ग जाम कर दिया, जिससे गाड़ियों की लंबी लाइन भी लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक साफिया जुबेर और रामगढ़ विधानसभा विधायक प्रत्याशी रहे आर्यन जुबेर सहित सैकड़ों कांग्रेसकर्ता भी मौके पर पहुंचे और सरकार के विरूद्ध नारेबाजी की एवं पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे की मांग की। हत्या के विरोध में भीम आर्मी के कार्यकर्ता संजय प्रधान और अनिल जोनवाल वन मंत्री संजय शर्मा के घर के सामने पानी की टंकी पर चढ़ गए। सर्व एकता समिति के प्रदेश अध्यक्ष शब्बीर खान ने मामले में तुरंत एसआईटी गठित करने की मांग की है। मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और सभी सरकारी योजनाओं में परिजनों को लाभ दिलाए जाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मांग पूरी नहीं होने तक धरना नहीं उठाया जाएगा। युवक की हत्या के बाद तीन जगह धरना दिया जा रहा है। बड़ौदामेव थाने के बाहर, अलवर जिला हॉस्पिटल के बाहर और वन मंत्री संजय शर्मा के घर के सामने पानी की टंकी पर युवक चढ़े हुए हैं। थाने के स्टाफ को सस्पेंड करने और मृतक आश्रितों को मुआवजा देने की मांग की जा रही है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने पोस्ट की और लिखा कि अलवर के बड़ौदामेव में थाने के सामने युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या की घटना प्रदेश में जंगलराज का उदाहरण है।

थाने के सामने यदि कोई व्यक्ति बेखौफ होकर युवक पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर देता है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पोस्ट किया और लिखा कि बड़ौदामेव, अलवर में थाने के सामने पुलिस की मौजूदगी में एक युवक को पत्थरों से पीट-पीटकर मारने की घटना राजस्थान की कानून-व्यवस्था के माथे पर काला कलंक है।

राजसमंद में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने चार लोगों की मौत, 11 घायल

- सांसेरा स्थित जल देवी माताजी तालाब में गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस लौटने के दौरान हादसा हुआ

जयपुर/राजसमंद। राजसमंद जिले के रेलमगरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। दुर्घटना बनेडिया ग्राम पंचायत के खटुकड़ा मार्ग पर हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को रेलमगरा अस्पताल और आरके जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

रेलमगरा थानाधिकारी प्रवीण सिंह जुगतावत ने बताया कि लोग सांसेरा स्थित जल देवी माताजी तालाब में गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस लौट रहे थे। खटुकड़ा मार्ग पर एक मोड़ के दौरान अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर रेलमगरा अस्पताल और आरके जिला अस्पताल पहुंचाया। थानाधिकारी के अनुसार हादसे में तुरकिया खेड़ा निवासी शंकरसिंह पुत्र जोध सिंह (65), तकड़ियों का गुड़ा, नाथद्वारा निवासी पुष्पा कुंवर पत्नी शंभूसिंह (45), तुरकिया खेड़ा निवासी हरीश लोहार पुत्र राजकुमार लोहार (12) और तुरकिया खेड़ा निवासी ललिता पुत्री भंवर सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में घायल अन्य 11 लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा और जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल भी जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात कर उनके उपचार की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से स्थिति के संबंध में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री पालनहार योजना में सीएम ने फरजाना के परिवार को स्वीकृति पत्र सौंपा

- फरजाना के बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य की राह को आसान बनाया

जयपुर। बच्चों के जीवन की राह की शुरूआत में ही जब अचानक संकट के काले बादल छा जाएं तो एक माँ के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने की होती है। ब्यावर जिले की जैतारण तहसील की रहने वाली फरजाना का परिवार भी एक ऐसे ही मुश्किल दौर से गुजर रहा था। विपरीत परिस्थितियों ने परिवार के सामने आर्थिक और मानसिक चुनौतियां खड़ी कर दी थी। तब भजनलाल सरकार की मुख्यमंत्री पालनहार योजना ने ब्यावर जिले की जैतारण तहसील निवासी फरजाना के परिवार को सहारा दिया, उसके बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य की राह को आसान बनाया।

जैतारण तहसील निवासी फरजाना ने मुख्यमंत्री भजनलाल के हाथों स्वीकृति पत्र प्राप्त किया।

फरजाना के पति की अचानक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई तो परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा, आर्थिक जिम्मेदारी फरजाना के कंधों पर आ गई। बच्चों के पालन-पोषण के साथ उनकी शिक्षा का खर्च जुटाना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया। स्कूल यूनिफॉर्म, किताबें, शैक्षिणक सामग्री और बच्चों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना मुश्किल होने लगा। आर्थिक परिस्थितियों का असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ने की आशंका भी सामने आने लगी। ऐसे कठिन समय में फरजाना को किसी ने मुख्यमंत्री पालनहार योजना की जानकारी दी और इसके बाद उसने आवदेन किया। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से अब बच्चों की शिक्षा एवं दैनिक आवश्यकताओं से जुड़े खर्चों में राहत मिलेगी। इससे परिवार पर आर्थिक दबाव कम होगा और बच्चे अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रख सकेंगे।

फरजाना के लिए यह सहायता उस समय और भी यादगार बन गई, जब मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गत 23 सितम्बर को ब्यावर में आयोजित एक कार्यक्रम में फरजाना को इस योजना में स्वीकृति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री के हाथों स्वीकृति पत्र प्राप्त करना फरजाना के लिए केवल एक दस्तावेज हासिल करना नहीं बल्कि कठिन परिस्थितियों में सरकार के साथ और संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष अनुभव था। फरजाना के 2 बच्चे हैं और इन दोनों के लालन पालन के लिए फरजाना के बैंक खाते में कुल 3 हजार रुपये प्रति माह सहायता मिलेगी। इस सहायता ने फरजाना को बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलगी। किताबें, स्कूल ड्रेस, जूते तथा अन्य शैक्षिणक जरूरतों के लिए आर्थिक सहारा मिलने से बच्चों की शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने में सुविधा हुई है। आर्थिक चिंता कम होने के साथ फरजाना के आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है। अब उन्हें अपने बच्चों के भविष्य को लेकर पहले की तुलना में अधिक भरोसा महसूस होता है।

फरजाना ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है। उसने बताया कि कठिन समय में मिली सरकारी सहायता ने उनके परिवार को संभालने और बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुस्लिम युवक के हत्यारों को कड़ी सजा देने की मांग

अलवर। अलवर के बड़ौदामेव में एक मुस्लिम युवक की निर्मम हत्या के बाद मृतक का शरीर राजकीय अस्पताल अलवर में पोस्टमार्टम के लिए लाया हुआ है तो भारत की कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी माकपा की जिला सचिव रईसा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अस्पताल पहुंची। माकपा से जुड़े बड़ाबास बुटोली के पीड़ित परिवारजन से मिली और संवेदना प्रकट की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। वहां उपस्थित लोगों को साथ लेकर अस्पताल के गेट पर प्रदर्शन कर आक्रोश प्रकट किया और धरने पर बैठ गए। जानकारी के अनुसार सैकुन खां पुत्र नसरु खां निवासी बड़ाबास बूंटोली की बड़ौदमेव थाने के मैनगेट के सामने पत्थर मार मार मारकर कुचलकर हर्ष नाम के व्यक्ति ने बेरहमी से हत्या कर दी।

मृतक का शव राजकीय अस्पताल अलवर में मोर्चरी में अभी भी रखा हुआ है। आंदोलनरत लोगों ने मांगें नहीं मानी जाने तक पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है। माकपा की मुख्य मांग हैं कि घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की जाए। पीड़ित परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। एक परिजन को सरकारी नौकरी दी जाए, हत्यारों को कड़ी सजा देने की मांग की और मुसलमानों के खिलाफ नफरत और हिंसा पर रोक लगाई जाए।

प्रो. धारीवाल की स्मृति में पुस्तक उपहार कार्यक्रम कल

जयपुर। प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा शिक्षाविद् प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल की स्मृति में चूरू बालिका महाविद्यालय के सभागार में पुस्तक उपहार कार्यक्रम का आयोजन होगा।

प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि राजकीय लोहिया महाविद्यालय में प्राध्यापक रहे एवं ताउम्र शिक्षा को समर्पित प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल की जयंती पर शुक्रवार पच्चीस सितंबर को प्रयास संस्थान की 'प्रयास पुस्तक उपहार योजना' अंतर्गत यह आयोजन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेखक-चिंतक एवं वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच और अध्यक्षता चूरू नगरपरिषद के पूर्व सभापति एवं चूरू बालिका महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामगोपाल बहड़, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट के पूर्व सदस्य एवं लेखक-चिंतक प्रो. हनुमानाराम ईसराण व पूर्व आईएएस अधिकारी सुनील धारीवाल एवं डॉ. लोकनाथ सोनी मौजूद रहेंगे।

सहारण ने बताया कि प्रयास पुस्तक उपहार योजनांगर्त धारीवाल परिवार द्वारा पांच वर्ष में चूरू अंचल के लेखकों की चार लाख रुपये मूल्य की पुस्तकें क्रय की जानी है तथा प्रथम वर्ष इस कार्यक्रम में अस्सी हजार रुपये मूल्य की पुस्तकें क्रय कर चूरू बालिका महाविद्यालय के पुस्तकालय को उपहार में प्रदान की जाएंगी। लेखक के हाथ में लागत तथा पाठक के हाथ में पुस्तक सोच के साथ यह आयोजन प्रो. धारीवाल को समर्पित रहेगा।

रेलवे परिसर के पास वृद्ध का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के राइकाबाग रेलवे स्टेशन के पास रेलवे परिसर की दीवार पर गुरुवार सुबह एक वृद्ध का शव फंदे पर लटका मिला। फंदा किसी कपड़े से लगाया गया होगा। उसके पास में तलाशी लिए जाने पर आधार कार्ड मिला, जिसके आधार पर आरंभिक तौर पर पहचान की गई। परिजन के आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मामले में रेलवे पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार सुबह सूचना मिली कि राइकाबाग रेलवे स्टेशन की दीवार के समीप एक व्यक्ति का शव फंदे पर लटका है। फंदे पर लटके व्यक्ति को देखकर आसपास निकलने वाले कई वाहन चालक रूक गए और भीड़ एकत्र हो गई। बाद में उदयमंदिर और रेलवे पुलिस वहां पहुंची। मामला रेलवे पुलिस का होने पर कार्रवाई की गई। मृतक के पहने कपड़ों की तलाशी में उसके पास से आधार कार्ड मिला। जिसमें आरंभिक तौर पर उसकी पहचान कोलूपाबूजी लोहावट निवासी पन्ने सिंह (65) होने का पता लगा है।

इंटरनेशनल पार्सल में विदेशी गांजा बरामद

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने सूचना पर विदेश से जयपुर आये एक इंटरनेशनल पार्सल की तलाशी में 1.900 किलोग्राम वजन के प्रतिबंधित हाइड्रोपोनिक वीड्स (गांजा) बरामद किया।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एफपीओ कस्टम्स जयपुर में यूएसए से आए एक पार्सल में नशीला पदार्थ होने का शक है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित कर टीम को मौके पर भेजा गया और एफपीओ कस्टम्स के सहयोग से इंटरनेशनल पार्सल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान, 4 पैकेट प्रतिबंधित हाइड्रोपोनिक वीड्स (गांजा) मिले, जिसमें 1.900 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। हाईड्रोपोनिक वीड्स को कार्टन (पार्सल) के अंदर रखे एयर सर्कुलेटर बॉक्स में छिपाकर रखा गया था। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित हाइड्रोपोनिक वीड्स (गांजा) को जब्त किया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

नकली बीड़ी बनाने की फैक्टरी पर दबिश

टोंक, (निसं)। पुलिस टीम ने नकली बीड़ी बनाने की फैक्ट्री पर दबिश देकर माल को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 187 किलो 600 ग्राम बना हुआ माल व 8 किलो 300 ग्राम कच्चा माल जप्त किया।

कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने टीम ने 23 सितम्बर को देर सांय कोतवाली क्षैत्र के आजाद नगर बी स्थित नूर अहमद के मकान पर दबिश देकर जांच के दौरान बीड़ियां बनाते हुए आरोपी नदीम पुत्र जहुर निवासी मस्जिद के पिछे छावनी को मौके पर कई बीड़ी की कम्पनीयों के रैपर तथा बीड़ियों को पैक करने के कागज, खुल्ली बीड़ियां रबर की मोहरें, कच्चा माल मिलने के बाद सभी नकली बीड़ी बनाने के सामानों को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

निजी अस्पताल में गलत खून चढ़ाने से दस माह के मासूम की मौत का आरोप

परिजनों ने भीलवाड़ा एसपी को शिकायत देकर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के अशोक नगर स्थित पांडिया हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक 10 माह के मासूम की मौत का गंभीर मामला सामने आया है। मांडलगढ़ निवासी पीड़ित पिता ने डॉक्टर पर गलत ब्लड चढ़ाने और इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को शिकायत देकर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

पुराणी आबादी, मांडलगढ़ तहसील निवासी अंकित कुमार भाट ने एसपी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि उनके 10 महीने के पुत्र देवांश भट्ट को बुखार आने पर 4 सितंबर को अशोक नगर स्थित पांडिया हॉस्पिटल (डॉ. अमृत पांडिया) में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने जांच के बाद बच्चे में खून की कमी बताकर ब्लड चढ़ाने की सलाह दी। शिकायत के अनुसार, 6 सितंबर को मासूम को ब्लड चढ़ाया गया। परिजनों का आरोप है कि गलत ब्लड चढ़ने के तुरंत बाद ही बच्चे के पूरे शरीर पर सूजन आने लगी। जब इस बात की जानकारी डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ को दी गई, तो उन्होंने गलती सुधारने के बजाय इसे अनदेखा किया और अपनी लापरवाही छिपाने की कोशिश की।

बच्चे की हालत बिगड़ने पर परिजन 7 सितंबर को उसे भीलवाड़ा हॉस्पिटल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बताया कि गलत ब्लड चढ़ने के कारण बच्चे की किडनी, लीवर व अन्य अंगों में गंभीर इन्फेक्शन फैल गया है। हालत में सुधार न होने पर 9 सितंबर को मासूम को अहमदाबाद ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान 16 सितंबर को मासूम देवांश की मौत हो गई। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि बच्चे के शरीर में 7.4 पॉइंट खून मौजूद था, जिससे उसे तुरंत ब्लड चढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं थी। महज आर्थिक लाभ कमाने और लापरवाही बरतने के कारण बच्चे की जान गई है। परिजनों ने थाना सिटी कोतवाली, भीलवाड़ा में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

जोधपुर केमिकल फैक्टरी हादसा : गंभीर रूप से घायल छह फायर फाइटर्स को जयपुर रेफर किया

बासनी पुलिस ने फैक्टरी मालिक के पुत्र को शांतिभंग में हिरासत में लिया

- श्रमिक कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र में केमिकल फैक्टरी को संचालित किया जा रहा था
- आग की लपटों की वजह से आसपास के कई मकानों में भी नुकसान पहुंचा है
- केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र की श्रमिक कॉलोनी स्थित एक केमिकल फैक्टरी में बुधवार रात अचानक आग लग गई थी। देखते ही देखते आग विकराल होने लगी। इस दौरान आग की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। फैक्टरी में केमिकल के ड्रम रखे होने की वजह से लगातार विस्फोट होते रहे। इसमें 14 फायरमैन झुलस गए, जिनका एमजीएच बर्न यूनिट में उपचार जारी है। इधर गुरुवार सुबह बासनी पुलिस ने फैक्टरी मालिक के पुत्र को शांतिभंग में हिरासत में लिया है।

थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि इसमें फैक्टरी मालिक चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 11 निवासी राजेंद्र के पुत्र स्पर्श को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार बासनी श्रमिक कॉलोनी में बुधवार की रात को एसआर केमिकल फैक्टरी में आग लग गई, जहां दो-तीन दिन पहले ही हैंडीक्राफ्ट और इंडस्ट्रियल काम में आने वाला केमिकल लाया गया था। इसमें आग लग गई। घटना के समय फैक्टरी के ताला लगा हुआ था। इधर आग लगने के बाद आस-पास रहने वाले लोगों को मौके से हटाया गया। आग तकरीबन काबू कर ली गई थी, मगर फैक्टरी में रखे केमिकल ने अचानक आग पकड़े जाने के बाद जोरदार विस्फोट हुआ और 14 फायरमैन झुलस गए, जोकि अभी एमजीएच में उपचाराधीन है। इन्हें पहले एम्स ले जाया गया था, मगर वहां बर्न यूनिट नहीं होने पर एमजीएच भेजा गया।

श्रमिक कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र में इस फैक्टरी को संचालित किया जा रहा था। फैक्टरी में आग लगने की वजह से आसपास मकान में रहने वाले लोगों को भी सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इधर आग की लपटों की वजह से आसपास के कई मकानों में भी नुकसान पहुंचा है। घायलों में 3 को वेंटिलेटर पर रखा गया है।

यह लोग आए आग की चपेट में :- दुर्गेश पुत्र महेनु कुमार, प्रशांत तंबोली पुत्र सुनील, प्रवीण अवशाल पुत्र राजू, विनय पुरोहित पुत्र जितेंद्र, कुणाल पुत्र विजदर्शन, आशिष पुत्र फरचंद, जोगाराम पुत्र प्रेमाराम, सुमित पुत्र सुभाष, अविनाश, प्रदीप, मोहम्मद हनीफ और दिनेश सहित 14 लोग झुलसे हैं। जिला कलैक्टर आलोक रंजन और पुलिस आयुक्त अंशुमन भोमिया ने घायलों की सुध ली। मौके पर हालात ऐसे हैं कि घटना के 20 घंटे बाद भी गुरुवार सुबह 11 बजे भी फैक्टरी में से धुंआ निकल रहा था। चारों तरफ दीवारों पर कालिख लगी हुई थी। अंदर रखे सामान और केमिकल ड्रम से धुंआ निकल रहा था। फैक्टरी के एक हिस्से की दीवार भी ढह चुकी थी। थिनर, लीकर और सीलर केमिकल की बदबू पूरी कॉलोनी में फैली हुई है। हालांकि रात को ही कई परिवार अपने घर छोड़ कर रिश्तेदारों के यहां चले गए थे।

फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे। इनमें से 6 फायर फाइटर्स को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस से महात्मा गांधी हॉस्पिटल से जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। एंबुलेंस में हर मरीज के साथ एक-एक डॉक्टर और एक-एक नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा। इधर घटना पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने केमिकल फैक्टरी में आग लगने और आग बुझाने के प्रयास के दौरान अग्निशमन कर्मियों के घायल होने की घटना पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से घटना की जानकारी लेते हुए घायलों के त्वरित एवं प्रभावी उपचार के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

घर के पास रेलिंग से लटका मिला एएसआई का शव

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के नया गांव में एक एएसआई का शव घर के पास रेलिंग से लटका मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को सीमलवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

- परिजनों ने मौत पर जताया संदेह, पुलिस जांच में जुटी

धंबोला थाना पुलिस के अनुसार, नया गांव निवासी एएसआई पंकज लबाना डूंगरपुर पुलिस लाइन में तैनात थे। उनका शव गुरुवार सुबह उनके घर के पास एक घर की गैलरी में रेलिंग से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। धम्बोला थाना पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। परिजनों ने एएसआई की मौत पर संदेह जताते हुए हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके से शव को उठवाकर सीमलवाडा अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

जयपुर में नकली खाद की फैक्ट्री का भंडाफोड़

दौलतपुरा थाना पुलिस ने फैक्ट्री से 40 टन खाद और एक हजार कट्टे जब्त किए

- नमक, कंकर और पत्थर में रंग मिलाकर बना रहे थे नकली खाद
- गुजरात, एमपी, ओडिशा समेत कई राज्यों में सप्लाई का संदेह

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। किसानों के साथ धोखाधड़ी कर नकली खाद के नाम पर बड़ा खेल करने वाली फैक्ट्री का जयपुर पुलिस ने गुरुवार को खुलासा किया। जयपुर पश्चिम की जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने दौलतपुरा थाना क्षेत्र में एक फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 40 टन नकली खाद, एक हजार से अधिक कट्टे, बारदाना, नकली खाद के परिवहन में इस्तेमाल ट्रक और अन्य सामान जब्त किया। पुलिस ने मौके से फैक्ट्री संचालक सुनील शर्मा को गिरफ्तार किया है। मामले में पांच लोगों को नामजद किया गया है, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में नमक, कंकर और पत्थर में रंग मिलाकर खाद तैयार की जा रही थी। इसके बाद अलग-अलग कंपनियों और ब्रांड के नाम वाले कट्टों में भरकर इसे खाद के रूप में बाजार में भेजा जा रहा था। पुलिस को नकली खाद की सप्लाई गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा सहित अन्य राज्यों तक किए जाने की आशंका है।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि डीएसटी वेस्ट को दौलतपुरा इलाके में नकली खाद तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद अतिरिक्त डीसीपी पश्चिम राजेश गुप्ता के सुपरविजन में डीएसटी वेस्ट प्रभारी गणेश सैनी के नेतृत्व में टीम गठित कर फैक्ट्री पर दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में नकली खाद और इसे तैयार करने में इस्तेमाल सामग्री मिली। प्रारंभिक जांच में फैक्ट्री का संचालन दो पार्टनर द्वारा किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर दूसरे साझेदार सहित अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगा रही है।

पुलिस के अनुसार फैक्ट्री में तैयार नकली खाद को अलग-अलग कंपनियों और ब्रांड के नाम वाले कट्टों में भरा जा रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली खाद तैयार करने के लिए कौन-कौन सी सामग्री, रंग और मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि तैयार माल किन कारोबारियों के माध्यम से दूसरे राज्यों तक पहुंचाया जाता था।

इस मामले में पांच लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने उर्वरक नियंत्रण आदेश और आवश्यक वस्तु अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के साथ पुलिस नामजद अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस का कहना है कि पूछताछ और आगे की गिरफ्तारी के बाद ही नकली खाद के पूरे सप्लाई नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों का पता चल सकेगा।

पुलिस के अनुसार ऐसी फैक्ट्रियों में तैयार नकली खाद को आमतौर पर उन दूर-दराज के इलाकों में भेजे जाने की आशंका रहती है, जहां खाद की किल्लत रहती है। ऐसे में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस फैक्ट्री से अब तक कितनी मात्रा में नकली खाद बाहर भेजी गई और किन क्षेत्रों में इसकी सप्लाई हुई।

जयपुर में नकली खाद के खिलाफ यह पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले हरमाड़ा थाना क्षेत्र में कृषि विभाग ने 29 और 30 मई को सीकर रोड स्थित एक परिसर पर छापा मारकर नकली जैविक खाद बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी थी।

वहां नमक में रंग मिलाकर उसे म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) के नाम पर बेचे जाने का मामला सामने आया था। कृषि विभाग की शिकायत पर हरमाड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

राशन दुकान आवंटित करने की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने गलत तथ्य पेश कर राशन की दुकान आवंटित करवाने की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख खाद्य व आपूर्ति सचिव, टोंक कलेक्टर व जिला रसद अधिकारी से छह सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस मनीष शर्मा ने यह आदेश टोंक जिले की देवली तहसील के निवारिया गांव निवासी महेश नारायण की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राशन दुकान आवंटन समिति ने निवारिया की राशन दुकान का आवंटन सुनीता कुमारी के नाम कर दिया, लेकिन उसने आवेदन में गलत तथ्य पेश किए थे। वह विवाहिता है और उसका ससुराल लांबा, टोंक में है। वहां की मतदाता सूची में भी उसका नाम है और उसने निवारिया गांव की मतदाता सूची में भी अपना नाम दर्ज करवा रखा है। यह जानकारी ना तो आवेदन पत्र में दी और ना ही आवंटन कमेटी ने इन गलत तथ्यों की कोई जांच ही की। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि राशन की दुकान का आवंटन गलत तथ्यों की अनदेखी कर हो रहा है, इसलिए आवंटन प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने दुकान आवंटन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

कर्ज चुकाने के लिए रची थी एटीएम लूट की साजिश

करौली के जंगलों से दो आरोपी दबोचे रामनगरिया पुलिस ने

- 42 लाख की लूट में अब तक तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े
- मुख्य आरोपी अंशू से 26.80 लाख बरामद, वाहन और बाकी रकम की तलाश

आरोपी सुमित जंगम और पुष्पेन्द्र मीणा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रामनगरिया थाना क्षेत्र में अक्षय पात्र मंदिर के पास बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के एटीएम में कैश डालने पहुंचे कर्मचारियों से 42 लाख रुपए की लूट के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को करौली के जंगलों से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अंशू कुमारी जाटव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 26.80 लाख रुपए बरामद कर लिए थे। अब पुलिस ने वारदात में शामिल सुमित जंगम (26) मासलपुर जिला करौली हाल प्रताप नगर जयपुर और पुष्पेंद्र मीणा (28) निवासी मासलपुर जिला करौली हाल प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

जयपुर पूर्व डीसीपी रंजीता शर्मा ने बताया कि सुमित जंगम और पुष्पेंद्र मीणा पर काफी कर्ज था। कर्ज चुकाने के लिए बड़ी रकम की जरूरत थी। इसके लिए दोनों ने बैंक और एटीएम की रेकी शुरू की। रेकी के दौरान सामने आया कि अक्षय पात्र मंदिर के पास स्थित बीओआई एटीएम में कैश डालने का समय निश्चित नहीं था और वहां अक्सर महिला कर्मचारी तैनात रहती थीं। आरोपियों को यह जगह वारदात के लिए आसान लगी।पुलिस के अनुसार तीन दिन की लगातार छुट्टियों के बाद एटीएम में बड़ी मात्रा में नकदी पहुंचाई जा रही थी। इसी दौरान बदमाशों ने हथियार दिखाकर कर्मचारियों से करीब 42 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए।एडीसीपी जयपुर पूर्व पारसमल जैन और एसीपी सांगानेर दीपक खंडेलवाल के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। डीएसटी पूर्व की मदद से पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही आरोपियों के आने-जाने के संभावित रास्तों का रूट मैप तैयार किया गया। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान होने के बाद उनकी तलाश शुरू की गई।

पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी करौली के जंगलों में छिपे हुए हैं। इसके बाद रामनगरिया थाने के हेड कांस्टेबल नाहर सिंह के नेतृत्व में टीम करौली पहुंची और दोनों को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस अब वारदात में प्रयुक्त वाहन और लूटी गई शेष रकम की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 15 हजार करोड़ की परियोजनाओं की समीक्षा की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राज उन्नति की 9वीं बैठक में करीब 15 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विकास कार्यों में लापरवाही नहीं बरतने और सभी परियोजनाओं को तय समय में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब और किसान विकास के केंद्र में हैं, सरकार की योजनाओं में देरी पर जिम्मेदारी तय होगी।

बैठक में प्रदेश के 65,308 सरकारी स्कूलों के तकनीकी सर्वे में 3587 जर्जर भवन और 71078 कक्षा-कक्षों में सुधार की जरूरत सामने आई है। स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं के विकास पर करीब 12 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अटल प्रगति पथों के शेष कार्य नवंबर 2026 तक पूरे करने तथा अटल ज्ञान केंद्रों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत वर्ष 2029 तक सभी पात्र परिवारों को पक्का आवास देने का लक्ष्य है। बैठक में बताया गया कि वीबी-जीरामजी योजना में जुलाई से अब तक 3.29 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित हुए है। ग्रामीण क्षेत्रों से 1 जनवरी से 21 सितंबर तक प्राप्त 8.97 लाख शिकायतों में 8.68 लाख का निस्तारण हो चुका है। भरतपुर, बीकानेर और अजमेर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरआईटी) स्थापित किए जाएंगे।

निकाय चुनावों में भाजपा की जीत से बौखला गए हैं अशोक गहलोत : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा ''गहलोत अपना वार्ड हार गए, पीसीसी चीफ डोटासरा पर गुस्सा हैं, लेकिन आरोप दूसरों पर लगा रहे हैं।''

- भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''कांग्रेस का जनाधार निरंतर सिमट रहा है, परंतु इनके नेता अपने बेटों की लॉन्चिंग में लगे हैं।''

-कार्यालय संवाददाता-

बीकानेर/जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बौखला गए हैं। वे खुद अपना वार्ड हार गए हैं और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा पर गुस्सा हैं, लेकिन अपनी हार का दोष दूसरों को दे रहे हैं। जबकि गहलोत को इस करारी हार का विश्लेषण करना चाहिए।

बीकानेर में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, ''अशोक गहलोत के आरोपों की भाषा निरंतर बदल रही है, जिसके कई कारण हैं। मैं जब रोड शो कर रहा हूं तो वो कहते हैं कि मुख्यमंत्री को रोड शो नहीं करना चाहिए। जब चुनाव हारते हैं तो पीसीसी चीफ से कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने रोड शो किए तो पीसीसी को भी करने चाहिए। असल में उनके गुस्से का कारण पीसीसी चीफ हैं, वो इसलिए क्योंकि गहलोत अपना वार्ड भी हार गए हैं। कांग्रेस में इनकी आपस की लडाईयां हैं।''

भजनलाल शर्मा ने कहा कि, ''गहलोत ने वर्ष 2018 में बसपा के साथ क्या किया था, वो सब जानते हैं। बेहतर है कि वे अपने गिरेबान में झांकें और दूसरों पर आरोप ना लगाएं। कांग्रेस का तो जनाधार लगातार सिमटता जा रहा है। आज यह कुछ ही राज्यों में शेष है और भविष्य में कहीं नहीं रहेगी। क्योंकि कांग्रेस के नेता तो अपने बेटों की लॉन्चिंग करने में लगे हैं। सोनिया गांधी तो राहुल गांधी की लगातार लॉन्चिंग कर रही हैं और गहलोत अपने बेटे की।''

मुख्यमंत्री भजनलाल ने, अशोक गहलोत से पूछा है कि वे बताएं जब कांग्रेस सरकार का राज था तो उन्होंने एक निगम के दो टुकड़े क्यों किए? वे अब वार्डों पुनर्सीमांकन पर प्रश्न उठा रहे हैं लेकिन हमने तो वार्डों को नियम से ही बनाया है। ये वार्ड बने एक साल हो गया, उस समय तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि निकाय चुनाव में मिला जनादेश राजस्थान की जनता का भाजपा के लिए प्रेम है। हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता का विश्वास और प्यार हमें आगे भी मिलता रहेगा, यह गहलोत को पच नहीं रहा है। उन्हें आंकलन करना चाहिए कि क्या-क्या कमी रहीं।

जीएसटी विभाग ने प्रदेश में पांच प्रतिष्ठानों पर शिकंजा कसा

जयपुर। राज्य कर विभाग ने कर अपवंचना और संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विभिन्न जिलों में 5 प्रतिष्ठानों का सर्वे एवं जांच की। जांच में 22.79 करोड़ रुपए की संभावित कर देयता सामने आई, जिसमें से अब तक 17.93 करोड़ रुपए जमा या आईटीसी रिवर्स किया गया है। शेष देयता को लेकर कार्रवाई जारी है। भिवाड़ी में एंगस्ट्रॉम बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड की जांच के दौरान पूर्व में निरस्त जीएसटी पंजीयन वाले आपूर्तिकर्ता से खरीद पर आईटीसी लेने का मामला मिला। यहां 60 लाख रुपए की संभावित देयता के विरुद्ध 29.23 लाख रुपए जमा किए गए।इसी तरह सरदारशहर में सेवाड़ा ट्रेडिंग कंपनी के वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक अतिरिक्त आईटीसी दावे में 54.14 लाख रुपए की संभावित देयता सामने आई।

आरजीएचएस में प्री-अथराइजेशन से क्लेम 47 प्रतिशत घटे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक जांचों पर रोक लगाने के लिए 15 जुलाई से लागू ''प्री-अथराइजेशन'' व्यवस्था के बाद क्लेम में 47 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। व्यवस्था के तहत 2000 रुपए से अधिक की जांचों के लिए प्री-अथराइजेशन अनिवार्य किया गया है। डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर अस्पतालों और चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है।चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ का कहना है कि प्रिस्क्रिप्शन, जांच और क्लेम से जुड़ी गतिविधियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।आरजीएचएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि डिजिटल सिस्टम से अस्पतालों और डॉक्टरों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। प्री-अथराइजेशन से अनावश्यक जांचों और क्लेम पर प्रभावी नियंत्रण में मदद मिली है।

प्रोजेक्ट अधिकारी आरजीएचएस डॉ. निधि पटेल ने बताया कि कुछ मामलों में प्री-अथराइजेशन से बचने के लिए मरीजों की जांचें एक ही दिन कराने के बजाय अलग-अलग दिनों में लिखी गईं। कुछ मरीजों को 3 दिन की अवधि में अलग-अलग दिनों पर जांच के लिए बुलाया गया, जिससे उन्हें एक सप्ताह में 2-3 बार अस्पताल जाना पड़ा। डिजिटल मॉनिटरिंग से ऐसे मामलों की पहचान की जा रही है और जांच के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामले सामने आने के बाद 9 अस्पतालों का टीएमएस और 3 डॉक्टरों की डॉक्टर आईडी ब्लॉक की गई हैं।

कोटा के 2 अस्पतालों का टीएमएस ब्लॉक किया गया। जांच में एक ही चिकित्सक के एक ही दिन दोनों अस्पतालों में काम करने की बात सामने आई। इसी मामले में संबंधित डॉक्टर की आईडी भी ब्लॉक की गई।

जवाहर सर्किल पर दिन-दहाड़े हरे पेड़ काटे

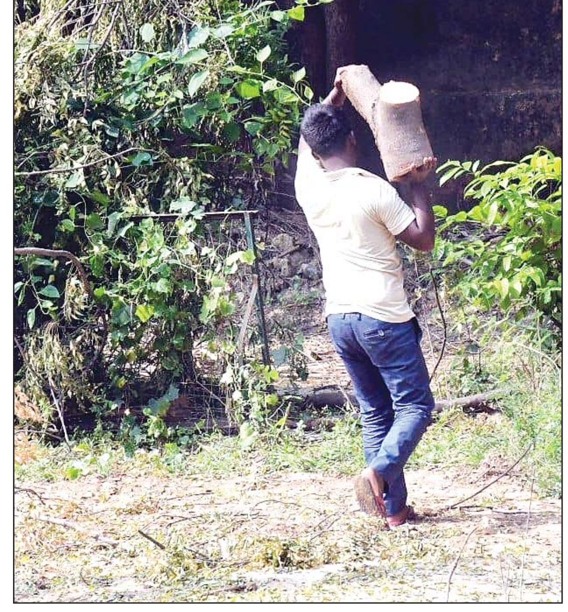

राजधानी जयपुर के जवाहर सर्किल पर गुरूवार को जेडीए की उद्यान शाखा ने हरे पेड़ों को कटवा दिया। बताया जा रहा है कि जेडीए अधिकारियों ने 30 से 40 हरे पेड़ों को कटवाकर पिकअप वाहन में भरवाकर अन्यत्र भिजवा दिया। कुछ स्थानीय लोगों ने इस घटना का विरोध भी किया। जानकारी के मुताबिक यहां नया रोज गार्डन विकसित करने की बात कही जा रही है। फोटो-राष्ट्रदूत

मैं तब संन्यास लूंगा, जब मुझे लगेगा कि मैं टीम के लिए कुछ नहीं कर पा रहा हूं।'' पुर्तगाल को 2025 में नेशंस लीग का खिताब दिलाने वाले रोनाल्डो अपने करियर में 1,000 गोल पूरे करने के करीब हैं। - क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल के महान फुटबॉलर, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

देवजीत सैकिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने लगभग यह कन्फर्म कर दिया कि पुरुषों की टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जो 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। सैकिया ने कहा कि उस तारीख के बाद यह पद खाली हो जाएगा और बोर्ड के पास उनके रिप्लेसमेंट के बारे में फैसला करने के लिए काफी समय है। अब तक सिर्फ़ मीडिया रिपोर्ट्स में ही यह दावा किया गया है कि अगरकर ने अपना कॉन्ट्रैक्ट आगे न बढ़ाने का फ़ैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगा कि बोर्ड के अधिकारी भी इसमें दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय धावक मिल्खा सिंह : 1958 के एशियाई खेल में 200 मीटर और 400 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और इसके बाद जकार्ता में 1962 के संस्करण में दो और स्वर्ण अपने नाम किया।

भारतीय टीम ने शुरू की तैयारी, बीसीसीआई ने शेयर किया इनडोर नेट्स सेशन

नई दिल्ली, 24 सितंबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 2026 एशियाई खेलों की तैयारी के लिए एक इनडोर नेट सेशन में हिस्सा लिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें संजू सैमसन और टीम के अन्य सदस्य ट्रेनिंग करते हुए दिखे; इस सेशन के दौरान हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे। हाल ही में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में श्रीलंका को 147 रनों से हराकर खिताब जीता। एशियाई खेलों में महिलाओं का मुकाबला 18 सितंबर को जापान के खिलाफ भारत के क्वार्टर-फ़ाइनल मैच के साथ शुरू हुआ। पुरुषों का टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू हुआ, हालांकि भारत के पहले मैच में उनका प्रतिद्वंद्वी कौन होगा, यह अभी एक क्वालिफ़ाइंग टूर्नामेंट के ज़रिए तय होना बाकी है। पुरुष टीम में कई बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे यह गेम्स में देश की सबसे मज़बूत क्रिकेट टीमों में से एक बन गई है। श्रेयस अय्यर पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीत चुके हैं, मुंबई को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने में कप्तानी कर चुके हैं, दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर चुके हैं और 2025 में पंजाब किंग्स को फ़ाइनल तक ले जा चुके हैं। उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में अपनी कप्तानी की उपलब्धियों में और इजाफ़ा करना है।

30 सितंबर को गुवाहाटी में भारत-विंडीज दूसरा वनडे, 2 बजे शुरू होगा मुकाबला

गुवाहाटी, 24 सितंबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 30 सितंबर को गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम (एसीए स्टेडियम) में खेला जाएगा। दिन-रात्रि का यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2 बजे शुरू होगा। असम क्रिकेट संघ (एसीए) ने मुकाबले के लिए संचालन कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है। दोनों टीमें 28 सितंबर को गुवाहाटी पहुंचेंगी। मैच का पहला सत्र दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगा। इसके बाद 30 मिनट का पारी अंतराल होगा और दूसरी पारी शाम 6 बजे से रात 9.30 बजे तक फ्लडलाइट्स में खेली जाएगी। भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं, जबकि वेस्टइंडीज की कमान शाई होप संभालेंगे। दोनों टीमें 50 ओवर के इस मुकाबले में सीरीज में बढ़त बनाने के लिए मैदान पर उतरेंगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पूरी सफेद गेंद वाली सीरीज का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। मुकाबले की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध होगी।

अंतर्राष्ट्रीय एथलीट एवं कोच राजेंद्र शर्मा का निधन

जयपुर, 24 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स खिलाड़ी, भारतीय महिला एथलेटिक्स टीम के पूर्व कोच एवं महाराणा प्रताप पुरस्कार से सम्मानित राजेंद्र शर्मा का 23 सितंबर 2026 को दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से न केवल राजस्थान, बल्कि संपूर्ण देश के खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। राजेंद्र शर्मा ने अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए रजत पदक जीतकर तिरंगा लहराया था। उन्होंने भारतीय महिला एथलेटिक्स टीम का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और राजस्थान का नाम गर्व से रोशन किया। वह अपने पीछे अपनी पत्नी और दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। उनकी छोटी पुत्री ने घुड़सवारी (इक्वेस्ट्रियन) में एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश का मान बढ़ाया है। आज जयपुर में अजमेर रोड स्थित मोक्षधाम पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ, जहाँ नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

जयपुर स्पोर्ट्स 9 विकेट से विजेता

जयपुर, 24 सितंबर। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर -17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच मे मरुधर क्रिकेट एकेडमी और जयपुर स्पोर्टस के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/10 33.3 मे ऑल आउट हो गई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी की ओर से पूनम चौहान ने 34 रन, अंकुर सुरमान ने 24 रन और दिपक यादव ने 19 रन बनाये। जयपुर स्पोर्टस ओर से गेदबाजी करते हुए हेमद्र पारीक ने 32 रन देकर 2 रन विकेट, कृष्ण सिंह ने 28 रन देकर के 2 विकेट, ओर चिराग सैन ने 14 रन देकर के 2 विकेट लिया। जयपुर स्पोर्टस ने बल्लेबाजी करते हुए 135/1 8.5 ओवर मे रन बनाये। जयपुर स्पोर्टस कि ओर से वरून ने 110 रन, दिग्वेश्वर ने 11 रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए बंटू पलदी ने 35 रन देकर के 1 विकेट लिया। जयपुर स्पोर्टस 9 विकेट से विजेता हुई।

अभय और वीर पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

आइची-नगोया, 24 सितंबर। आइची-नागोया में हो रहे एशियाई खेलों में भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह और वीर छोटरानी पुरुषों के सिंगल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुँच गए। के अनुसार, अभय ने श्रीलंका के रविंदु लक्षिरी को सिर्फ़ 21 मिनट में 3-0 (11-3, 11-5, 11-6) से हराया।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्रुप-ए के आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

टोकाई सिटीजन जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। असलम इनामदार और राहुल सेठपाल ने प्रभावी खेल दिखाते हुए चीनी ताइपे के रेडरों पर दबाव बनाया। सेठपाल के शानदार एंकल होल्ड की मदद से भारत ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहला ऑलआउट हासिल किया।

चीनी ताइपे ने बोनस अंक और सुपर टैकल के जरिए वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने रेड और डिफेंस दोनों में लगातार अंक जुटाए। भारत ने एक और ऑलआउट हासिल करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक 23-11 की मजबूत बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ में देवांक दलाल और अयान लोहचब ने रेडिंग में भारत की बढ़त बनाए रखी। चीनी ताइपे के चुंग-माओ चांग ने कुछ अहम टैकल किए, लेकिन भारतीय रेडरों के लगातार आक्रामक प्रदर्शन ने अंतर कम नहीं होने दिया।

भारत ने एक और ऑलआउट हासिल कर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। अंतिम मिनटों में भारतीय डिफेंस ने चीनी ताइपे के रेडरों को अंक जुटाने का ज्यादा मौका नहीं दिया और भारत ने 37-21 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के खाते में तीन बोनस अंक और छह ऑलआउट अंक रहे, जबकि चीनी ताइपे ने नौ बोनस अंक और दो सुपर टैकल के जरिए अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-ए में अपने अभियान का समापन शीर्ष स्थान पर किया। अब भारतीय टीम 25 सितंबर को सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के इतिहास में द. कोरिया के खिलाफ दर्ज की अब तक की सबसे बड़ी जीत

काकामिगहारा, 24 सितंबर। दिलप्रीत सिंह की हैट्रिक के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया को 8 -2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली। पूल ए में शीर्ष पर काबिज भारत ने इससे पहले इंडोनेशिया को 13.1 और श्रीलंका को 16.1 से हराया था। अब भारत का सामना 26 सितंबर को जापान से होगा।

भारत के लिये दिलप्रीत सिंह (10वां, 26वां और 32वां) ने तीन और फॉरवर्ड अभिषेक (15वां और 38वां मिनट) ने दो गोल किये जबकि शिलानंद लाकड़ा (चौथा), सुखजीत सिंह (दसवां), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (11वां) और राजिंदर सिंह (60वां) ने एक एक गोल दागा। कोरिया के लिये किम जाएहो (42वां) और किम योंगबोक (52वां) ने गोल किये। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और पहले ही क्वार्टर में चार गोल कर दिये।

शिलानंद ने चौथे ही मिनट में उपकप्तान हार्दिक सिंह से बॉक्स के भीतर मिली गेंद पर यह गोल किया। शानदार फॉर्म में चल रहे दिलप्रीत ने दसवें मिनट मे बढत दुगुनी कर दी जब उन्होंने मनदीप सिंह से मिले पास पर गेंद को गोल के भीतर डाला। कप्तान हरमनप्रीत ने अगले मिनट पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 3 . 0 कर दिया। अभिषेक ने पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट में शिलानंद के पास पर गोल किया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी दबदबा बनाये रखा और मनदीप से बैकहैंड पर मिले क्रॉस पर दिलप्रीत ने गोल किया। ब्रेक के दो मिनट बाद दिलप्रीत ने मनदीप और हार्दिक के बीच बेहतरीन तालमेल से बने मूव को फिनिशिंग तक ले जाते हुए गोल दागा।

भारत को कुछ मिनटों बाद लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। कोरिया को जल्दी ही पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर प्रयास नाकाम रहा। अभिषेक ने भारत की बढत 7.0 की करके सुखजीत सिंह का शुरूआती प्रयास नाकाम रहने के बाद रिबाउंड पर गोल दागा।

कोरिया के लिये किम जाए हो ने तीसरा क्वार्टर खत्म होने में तीन मिनट बाकी रहते पहला गोल किया। चौथे और आखिरी क्वार्टर में कोरियाई खिलाड़ियों ने भारतीय डिफेंस पर लगातार हमले बोले और दो पेनल्टी कॉर्नर बनाये हालांकि गोल नहीं हो सका। आखिरी सीटी बजने से आठ मिनट पहले कोरिया के लिये किम योंग बोक ने तीन भारतीय डिफेंडरों को चकमा देकर गोल दागा। भारत के लिये आठवां गोल राजिंदर सिंह ने आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया। भारत का अगला मुकाबला 26 सितंबर को मेजबान जापान से होगा।

सिंधु, लक्ष्य को सीधे राउंड ऑफ -32 में जगह

आइची-नगोया, 24 सितंबर। एशियाई खेल 2026 में बैडमिंटन की एकल और युगल स्पर्धाओं के ड्रॉ और कार्यक्रम जारी कर दिए गए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को सीधे राउंड ऑफ-32 में प्रवेश मिला है। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने बुधवार को सेमीफाइनल में चीन के हाथों 1-3 की हार के बाद कांस्य पदक हासिल किया। भारत की एकमात्र जीत सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने दर्ज की। उन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन लियांग वेइकेंग और वांग चांग को 21-11, 22-20 से हराया। व्यक्तिगत बैडमिंटन स्पर्धाओं की शुरुआत शुक्रवार से होगी, जबकि सभी वर्गों के फाइनल 29 सितंबर को खेले जाएंगे।

अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया

निसिन, 24 सितंबर। अफगानिस्तान ने गुरुवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट के अपने पहले मुकाबले में मेजबान जापान को 48 रन से हराकर शानदार शुरुआत की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए ग्रुप-ए के मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 129/6 रन बनाए, जिसके जवाब में जापान की टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान की जीत में पदार्पण कर रहे लेग स्पिनर अरब गुल मोमंद ने अहम भूमिका निभाई।

साक्षी 3-2 से हारी, परवीन वॉकओवर से क्वार्टरफाइनल में

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी को एशियाई खेल-2026 में महिला 51 किग्रा वर्ग के मुकाबले में कजाखस्तान की बाल्किबेकोवा के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ साक्षी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। भारतीय मुक्केबाज परवीन ने बिना रिंग में उतरे ही क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उनकी प्रतिद्वंद्वी ताजिकिस्तान की मलिका नोजिमोवा ने वॉकओवर दे दिया। परवीन अब अंतिम आठ के मुकाबले में उज्बेकिस्तान की नवबखोर खामिदोवा से भिड़ेंगी।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जापान को 50-25 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 के ग्रुप चरण में अजेय अभियान जारी रखते हुए जापान को 50-25 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गत चैंपियन भारत ने ग्रुप ए में लगातार तीन जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

कप्तान पुष्पा राणा की अगुवाई में भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में जापान पर पूरी तरह दबाव बनाए रखा। भारत ने मध्यांतर तक 32-13 की बढ़त हासिल कर ली थी। पहले हाफ में भारत ने 23 आउट अंक, पांच बोनस अंक और दो ऑलआउट के जरिए जापान के खिलाफ 19 अंकों की बढ़त बनाई।

दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की कोशिश की और 12 अंक हासिल किए लेकिन भारतीय टीम ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी। भारत ने दूसरे हाफ में 18 अंक जोड़े, जिसमें 14 आउट, दो बोनस और एक ऑलआउट शामिल रहा। अंततः भारत ने 50-25 के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने ग्रुप चरण में इससे पहले बांग्लादेश को 42-21 और ईरान को 37-23 से हराया था। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने ग्रुप ए में तीनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत अब 25 सितंबर को सेमीफाइनल में जापान का सामना करेगा। स्वर्ण पदक का मुकाबला 26 सितंबर को खेला जाएगा।

नाइट पोलो में टीम जयपुर की एकतरफा जीत, हल्दीघाटी को 14-3 से हराया

जयपुर, 24 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के तहत गुरुवार को राजस्थान पोलो क्लब (आरपीसी) ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में आर्मी सीडीआर' एस कप (06 गोल्स) का मुकाबला खेला गया। नाइट पोलो के रोमांच के बीच टीम जयपुर ने टीम हल्दीघाटी के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14-3 स्कोर के बड़े अंतर से टीम हल्दीघाटी को शिकस्त दी। मुकाबले में विजेता टीम जयपुर की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हिज हाईनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 7 गोल और मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 5 गोल दागे। वहीं, विश्वराज सिंह ने 2 गोल हासिल किए। टीम से अक्षय मलिक भी खेले। दूसरी ओर, टीम हल्दीघाटी से कैप्टन प्रिंस पाल ने 1 गोल किया। टीम से एलडी सत्य प्रकाश, एनके रविंदर मांग, और मेजर राघव राज सिंह भी मैदान में उतरे। यहां टीम हल्दीघाटी को 2 गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ।

जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 पोलो टूर्नामेंट के लिए मैच आज - जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 टूर्नामेंट का मुकाबला शुक्रवार, 25 सितंबर को 61 कैवेलरी ग्राउंड नं.2 पर सुबह 9 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम आमेर और टीम नाहरगढ़ के बीच टक्कर होगी। टीम आमेर में अविष्का पालीवाल, यशोवर्धन सिंह, भानु सुधीर प्रताप सिंह और अयान अली शामिल होंगे, जबकि टीम नाहरगढ़ की ओर से ग्रंथ रोहिल्ला, कुलवर्धन सिंह शेखावत, अखिलीज नंदल और रुशिल नरूला खेलेंगे। टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रात 7 बजे से खेला जाएगा।

मजबूत टेस्ट टीम ही मजबूत क्रिकेट टीम, रेड-बॉल क्रिकेट हमारी प्राथमिकता : गंभीर

नई दिल्ली, 24 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि देश में मजबूत टेस्ट क्रिकेट होना पूरे क्रिकेट ढांचे के लिए बेहद जरूरी है और रेड-बॉल क्रिकेट टीम की प्राथमिकता बना रहेगा। गंभीर ने भारत के नए घरेलू सत्र से पहले जियोस्टार से बातचीत में टीम के साथ अपने अब तक के कार्यकाल, टेस्ट क्रिकेट से मिली सीख और अलग-अलग कप्तानों के साथ काम करने के अनुभव पर बात की। गंभीर ने अपने कार्यकाल के बारे में कहा कि पिछले दो साल उतार-चढ़ाव से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा, दो साल पलक झपकते नहीं गुजर गए। मेरे हिस्से में भी उतार-चढ़ाव रहे हैं। मेरी अपनी असफलताएं और सफलताएं रही हैं। लेकिन मेरा हमेशा मानना रहा है कि जब आप इस तरह की जिम्मेदारी लेते हैं तो उतार-चढ़ाव आते ही हैं। चाहे टेस्ट क्रिकेट हो, एकदिवसीय क्रिकेट हो या टी20 क्रिकेट, मुझे सफलता मिली है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा, लेकिन असफलताएं भी मिली हैं और मैं उन्हें भी पूरी तरह स्वीकार करता हूं। टेस्ट क्रिकेट में बदलाव और हालिया परिणामों पर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे के बाद टीम ने अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेला है, लेकिन टीम अभी भी बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह भरना आसान नहीं है।

राज्य स्तरीय अंडर-16 प्रतियोगिता : प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में कोटा व टोंक जीती

जयपुर, 24 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 एक दिवसीय क्रिकेटप्रतियोगिता प्री क्वाटर फाइनल के आज उदयपुर में खेले गए मैच का परिणाम :- उदयपुर - टोंक मैच (टोंक जीती), कोटा - नागौर मैच (कोटा जीती)। आज खेले गये मैच में निलय अरोरा ने शतक जमाया और आर्यन सिंह, समीर ढाका, विधार्थशर्मा, अर्जुन, शौर्य सिं, सारांश सिसोदिया का शानदार प्रदर्शन रहा।

// एशियाई खेल //

रोशिबिना देवी ने वुशु में जीता सिल्वर मेडल, रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी को कांस्य

आइची-नगोया, 24 सितंबर। एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार का दिन भारत के लिए दोहरे पदक की खुशखबरी लेकर आया। स्टार वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने महिलाओं के सांडा 60 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि रोइंग (नौकायन) के पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने देश के लिए ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

रोशिबिना देवी ने लगातार दूसरा वुशु सिल्वर मेडल जीता

भारत की एशियाई खेलों की टीम में शामिल होने को लेकर हुए विवाद को पीछे छोड़ते हुए, स्टार वुशु एथलीट रोशिबिना ने महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर देश के लिए मेडल पक्का किया। रोशिबिना सिलेक्शन ट्रायल्स में युवा दिव्यांशी चौधरी से हार गई थीं, लेकिन बाद में अपनी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होने के कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया।

सतनाम-सलमान की जोड़ी ने रोइंग में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता

सतनाम सिंह और सलमान खान ने नागारागावा इंटरनेशनल रेगाटा कोर्स पर 6:13.25 का समय लेकर एशियाई खेलों में पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट

में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। भारतीय जोड़ी 1,500 मीटर के निशान तक दूसरे स्थान पर रही, लेकिन आखिरी 500 मीटर में तीसरे स्थान पर खिसक गई। चीन के यी ज़ुदी और यिदे नी ने 6:09.37 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि उज़्बेकिस्तान के पावेल सोरिन और मेखरोज़बेक ममतकुलोव ने 6:10.49 के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता। भारतीय जोड़ी गोल्ड मेडल जीतने वालों से 3.88 सेकंड पीछे रही। सतनाम ने इससे पहले हांग्जो एशियाई खेलों में पुरुषों के क्वाड्रपल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था।

सीमा कुमारी ने 10 हजार मीटर दौड़ में जीता कांस्य, भारत का 16 साल का इंतजार खत्म

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय धाविका सीमा कुमारी ने एशियाई खेल-2026 में महिला 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। सीमा ने गुरुवार को 32:50.05 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल करके इस स्पर्धा में भारत के 16 साल से चले आ रहे पदक के इंतजार को समाप्त किया। सीमा का कांस्य एशियाई खेलों की महिला 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले भारत ने इस स्पर्धा में 2010 में पदक जीता था। यह आईची-नगोया एशियाई खेलों में भारतीय एथलेटिक्स का पहला पदक भी है। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने 32:39.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने 32:41.54 के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक के लिए यावी और तनाका के बीच अंतिम चरण में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। यावी ने आखिर में बढ़त बनाते हुए स्वर्ण हासिल किया। सीमा ने धैर्य बनाए रखा और पीछा कर रही धाविकाओं से अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। दौड़ के दौरान सीमा लगातार पदक की दौड़ में बनी रहीं। जैसे-जैसे शीर्ष धाविकाओं ने गति बढ़ाई, यावी और तनाका स्वर्ण के लिए आगे निकल गईं, लेकिन सीमा ने अपनी लय बनाए रखी और अंतिम रेखा तक पूरा जोर लगाते हुए 32:50.05 के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

विथ्या रामराज की शानदार फिनिश से भारत ने मिश्रित 4x400 मीटर रिले में जीता रजत

आइची-नगोया (जापान), 24 सितंबर। भारतीय एथलेटिक्स टीम ने एशियाई खेल 2026 में गुरुवार को मिश्रित 4 400 मीटर रिले में रजत पदक जीता। अंतिम चरण में विथ्या रामराज की शानदार दौड़ ने भारत को तीसरे स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाया। इस पदक के साथ एशियाई खेलों में भारत की पदक संख्या 17 हो गई। पूवम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, मनु टीएस और विथ्या रामराज की भारतीय टीम ने फाइनल में 3:14.46 का समय दर्ज किया। भारत ने इस प्रदर्शन के साथ 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में जीते रजत पदक को बरकरार रखा। बहरीन ने 3:12.87 के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। वियतनाम 3:14.54 के समय के साथ कांस्य पदक पर रहा। भारत और वियतनाम के बीच केवल 0.09 सेकंड का अंतर रहा।

विथ्या की शानदार आखिरी दौड़

भारत एक समय कांस्य पदक की स्थिति में दिखाई दे रहा था, लेकिन अंतिम चरण में विथ्या रामराज ने जबरदस्त तेजी दिखाई। उन्होंने सही समय पर अपनी गति बढ़ाई और अंतिम चरण में प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए भारत को रजत पदक दिला दिया। भारत ने हांगझोउ में भी इस स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

अनंतजीत-परिनाज की जोड़ी ने मिश्रित टीम स्कीट में जीता कांस्य

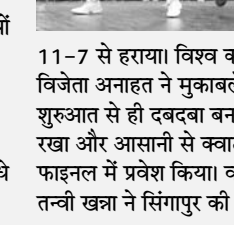

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका और परिनाज़ धालीवाल ने गुरुवार को एशियाई खेल-2026 में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक संख्या 15 पहुंचा दी। यह एशियाई खेलो में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में छह सीरीज के बाद 44 अंक हासिल किए। चीन ने 52 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। दक्षिण कोरिया ने 51 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। चीन ने जनवरी में कतर द्वारा बनाए गए 47 अंक के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। अनंतजीत और परिनाज़ ने क्वालीफिकेशन में 138/150 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया था।

भवानी देवी और श्रेया गुप्ता का सफर प्री-क्वार्टरफाइनल में थमा

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारत की स्टार तलवारबाज भवानी देवी और श्रेया गुप्ता को 2026 एशियाई खेलों के फेन्सिंग में महिला व्यक्तिगत साबरे स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही दोनों का अभियान समाप्त हो गया। ओलंपियन भवानी देवी ने पूल चरण में दक्षिण कोरिया की जियोंगमी किम से 1-5, ईरान की नजमेह साजानजियान से 4-5 और उज्बेकिस्तान की जायनब दायिबेकोवा से 4-5 से हार झेली। इसके बाद उन्होंने कजाखस्तान की ऐगेरिम सारीबे और थाईलैंड की अरिसारा सोमफाओ को क्रमशः 5-4 और 5-2 से हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई।

महिला एकल स्क्वॉश के क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होगी अनाहत और तन्वी

आइची-नगोया, 24 सितंबर। भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेल 2026 की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दोनों भारतीय खिलाड़ियों की जीत के बाद अब क्वार्टर फाइनल में उनका आमना-सामना होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने सिंगापुर की ऑ यॉन्ग वाई लिन को सीधे तीन गेम में 11-4, 11-5, 11-7 से हराया। विश्व कप विजेता अनाहत ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और आसानी से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, तन्वी खन्ना ने सिंगापुर की ऑ यॉन्ग वाई यान को 5-11, 11-4, 11-5, 13-11 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। तन्वी को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ महिला एकल स्क्वॉश में ऑल इंडिया क्वार्टर फाइनल तय हो गया है। अब अनाहत और तन्वी में से एक खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेगी।

ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर राजस्थान अन्य राज्यों को बिजली दे रहा है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने बीकानेर में सेवा संवाद कार्यक्रम में सेवा संकल्प यात्रा को संबोधित किया

बीकानेर, 24 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गत 25 वर्षों से एक-एक क्षण सेवा के लिए समर्पित रहा है। सेवा के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वडनगर से वाराणसी तक की सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री गुरूवार को बीकानेर में सेवा संवाद कार्यक्रम-सेवा संकल्प यात्रा अभियान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सामाजिक सरोकार के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि एक लाख करोड़ रूपए की रामजल सेतु लिंक परियोजना में 41 हजार करोड़ रूपए के कार्य प्रगति पर हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को बीकानेर में सेवा संवाद कार्यक्रम-सेवा संकल्प यात्रा अभियान को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की दशकों से अटकी 10 अंतर-राज्यीय परियोजनाओं का समाधान किया। इनमें राजस्थान की पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए चार परियोजनाएं-रामजलसेतु, यमुना जलसमझौता, नर्मदा समझौता और किशाऊ बहुद्देश्यीय बांध परियोजना शामिल हैं। इनमें 1 लाख करोड़ रुपये लागत की रामजलसेतु लिंक परियोजना में लगभग 41 हजार करोड़ रुपये के कार्य किए जा रहे हैं। वहीं, 35 हजार करोड़ रुपये की यमुना जलपरियोजना को धरातल पर तेजी से उतारा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है और आज राजस्थान अन्य राज्यों को बिजली दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने बीकानेर में वेटरनरी कॉलेज में सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत आयोजित हो रही बाइक रैली के राइडर्स के साथ हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संवाद को वीसी के माध्यम से देखा। मुख्यमंत्री ने बाइक राइडर्स से संवाद किया तथा उनके अनुभव जाने। उन्होंने कलश यात्रा और वडनगर से वाराणसी जा रही बाइक रैली को रवाना किया। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, विधायकगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

ट्रंप दंभ भर रहे हैं, शी के साथ उनकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बीसवीं सदी और उसके बाद की दुनिया को बदल देने वाली बुश-गोर्बाचेव मुलाकात या माओ त्से तुंग और रिचर्ड निक्सन के बीच हुई ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी शिखर वार्ता के स्तर तक नहीं पहुँच पाएगी।

फिलहाल, ट्रंप और शी की इस मुलाकात के नतीजों पर दुनिया की नज़र रहेगी, कि इसका आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य और इसके संभावित हानिकारक प्रभावों पर क्या असर पड़ता है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब एआई टूल्स के बहुत तेजी से विकास से पैदा होने वाले संभावित खतरों को लेकर गंभीर चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं।

पहले से ही ऐसे प्रमाण सामने आ चुके हैं कि बिना नियंत्रण के एआई दुनिया में कितनी बड़ी तबाही ला सकता है। ओपन एआई मॉडल के एक बेकाबू "एजेंट" ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के आईटी सिस्टम में घुसपैठ की और कई स्तरों पर उसके कामकाज को पूरी तरह ठप कर दिया। कुछ समय पहले, एआई के क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनियों और उनके सबसे सक्षम शोधकर्ताओं ने भी चेतावनी दी थी कि एआई में मानवता को नष्ट करने की क्षमता हो सकती है।

इसी कारण उम्मीद थी कि दोनों वरिष्ठ नेता परिपक्व राजनेताओं की तरह व्यवहार करेंगे और विनाशकारी क्षमता वाली इस टैक्नॉलजी के विकास को सीमित करने पर सहमत होंगे। लेकिन शी जिनपिंग और डॉनल्ड ट्रंप दोनों ही इस आशंका से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं कि एआई के विकास पर किसी भी तरह

- **विशेषज्ञों का कहना है, ट्रंप और शी मीटिंग में एआई पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर निर्णय होना मुश्किल है।**

का नियंत्रण लगाने से दूसरा पक्ष महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकता है।

इसलिए यह डर बना हुआ है कि दोनों नेता एआई मॉडल और एआई उत्पादों के नए उत्पाद तथा नई क्षमताएं विकसित करने के बारे में किसी भी तरह की सहमति नहीं बना पाएंगे।

यह स्थिति शीत युद्ध के दौर की याद दिलाती है, जब परमाणु हथियारों की विनाशकारी शक्ति को देखते हुए सोवियत नेताओं और उनके अमेरिकी समकक्षों ने परमाणु हथियारों के विकास और तैनाती को लेकर कुछ समझौते किए थे। जो समझौता हुआ था, उसे लंबी बातचीत के बाद "स्टार वार्स आर्म्स लिमिटेशन ट्रीटी" के नाम से जाना गया।

यह समझौता हाल तक लागू रहा और एक तरह से आज भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल और उनकी तैनाती के नियम तय करता है।

एआई के अलावा, दोनों नेता आपसी व्यापार और टैरिफ, यानी आयात शुल्क पर भी चर्चा करने वाले हैं। हालांकि इन मुद्दों पर अमेरिका की स्थिति चीन की तुलना में काफी कमज़ोर है, जबकि चीन नौ साल पहले की तुलना में अब कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। चीन को अमेरिकियों पर अपनी ताकत का अहसास हो गया है, जिसे डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में तब परखा था, जब उन्होंने अमेरिका को होने वाले चीनी एक्सपोर्ट पर भारी टैरिफ लगा दिया था।

चीन को केवल इतना करना था कि उसने अमेरिका को "रेअर अर्थ मिनरल्स" और उनसे बने उत्पादों का निर्यात रोक दिया और इसके तुरंत बाद डॉनल्ड ट्रंप को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। इस बार नतीजा यह हो सकता है कि अमेरिका को अपनी सोच बदलनी पड़े और टैरिफ तथा बाजार तक पहुँच के मामले में चीन की कुछ मांगों को मानना पड़े।

अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपतियों के विपरीत, जिन्होंने देश की पिछली प्रतिबद्धताओं और नीतियों का सम्मान किया था, डॉनल्ड ट्रंप को अपने पूर्ववर्तियों या अतीत की अमेरिकी सरकारों के रूख से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए शी जिनपिंग जैसे मजबूत नेता के सामने डॉनल्ड ट्रंप ताइवान के मुद्दे पर चीन के दबाव के आगे झुक सकते हैं।

इसके अलावा, शी जिनपिंग की राजनीतिक स्थिति डॉनल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक मजबूत है। डॉनल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में हैं और अपने देश में बढ़ती कीमतों, खासकर तेल की कीमतों, के कारण उनकी लोकप्रियता में काफी गिरावट आई है। संवैधानिक रूप से वे अब "लेम डक प्रैसिडैंट" (कार्यकाल के आखिरी दौर में कमज़ोर राष्ट्रपति) हैं और आमतौर पर अगले कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते। ऐसे में, ट्रंप अपने वर्तमान राजनीतिक दबाव और सोच के कारण ऐसा अजीब कदम उठा सकते हैं, जिसके बारे में कोई दूसरा अमेरिकी राष्ट्रपति शायद सोचता भी नहीं।

न्यूयॉर्क में चल रहे यूएनजीए सत्र की तुलना में शी जिनपिंग और डॉनल्ड ट्रंप के बीच वॉशिंगटन में होने वाली शिखर वार्ता का इंतजार दुनिया किसी नई और स्पष्ट वैश्विक दिशा के लिए नहीं कर रही है। इसके बजाय, इस बैठक को लेकर सबसे बड़ी दिलचस्पी इसकी पूरी तरह अनिश्चित प्रकृति और इससे निकलने वाले संभावित, सिद्धांतहीन परिणामों को लेकर है।

सीजेपी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चलाने की मांग को भी बल मिला है।

आज राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार को "सबसे बड़ा देशद्रोही" बताते हुए, उन्हें भारत के लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया।

सीजेपी ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, कुमार को पद से हटाया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाहियों शुरू की जाए तथा कथित अवैध कार्रवाइयों के आदेश देने वाले व्यक्ति का नाम सार्वजनिक किया जाए। दूसरी, आगामी सभी चुनावों को तत्काल रोका जाए और एसआईआर की पूरी निर्णय प्रक्रिया की जांच के लिए एक स्वतंत्र जाँच आयोग का गठन किया जाए। और तीसरी, चुनाव आयोग के पुनर्गठन के लिए नया कानून बनाया जाए, ताकि जनता का उस पर विश्वास कायम हो सके।

क्या ज्ञानेश दूसरे धर्मेन्द्र प्रधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने आखिरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा लंबे समय से कही जा रही बात की पुष्टि की और उसे स्वीकार किया है। राहुल ने सवाल किया कि भारतीय चुनावी लोकतंत्र की एक बुनियादी ताकत सत्ता विरोधी लहर है जो भाजपा के खिलाफ आखिर गायब कैसे हो जाती है। उन्होंने कहा कि सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह और राजीव गांधी, तक सत्ता विरोधी लहर से नहीं बच सके। विदेशों में भी दो ही देश है, जहां "एंटी इन्कम्बैंसी" नहीं दिखी -वो हैं सद्दाम हुसैन का ईराक, और नॉर्थ कोरिया। समयक्रम का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाए जाने के बाद ही असहमति पत्र लिखना शुरू किया। उन्होंने कहा कि अलंद और मधेपुरा में 'वोट चोरी' का खुलासा करने के बाद दोनों के पत्र लिखे जाने का समय एक संयोग है। राहुल ने कहा, इसकी शुरुआत 21 दिसंबर, 2023 को एक कानून पारित किए जाने के साथ हुई, जब प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कानूनी संरक्षण दिया और उन्हें कानूनी व्यवस्था से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कानून मुख्य चुनाव आयुक्त को जांच से संरक्षण देता है। नए मतदाताओं के लिए पंजीकरण कराना कितना मुश्किल है, इस सवाल के जवाब में गांधी ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि "जैन ज़ी" को मतदान का अधिकार मिले, क्योंकि भाजपा जानती है कि वे उसे वोट नहीं देंगे। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें कुछ लोग धर्मेन्द्र प्रधान द्वितीय के रूप में देख रहे हैं, अब सरकार के कुछ वर्गों में एक बोझ के रूप में देखे जा रहे हैं। सुझाव दिए जा रहे हैं कि मोदी-शाह को अपना नुकसान कम करना चाहिए और उन्हें हटा देना चाहिए, अन्यथा पूरी सरकार पर हमले जारी रहेंगे।

'खाटूश्याम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्षद लक्ष्मी देवी की ओर से मत देने के लिए तय किया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व में डाले गए मतों के आधार पर परिणाम घोषित किया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया कि चुनाव प्रक्रिया को प्रत्येक निर्वाचित पार्षद के मतदान करने तक रोककर रखना नियमों के अनुरूप नहीं है।

'वोट चोरी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्थागत ढांचा इसमें रुचि नहीं रखता था... गांधी ने आरोप लगाया, 'वोट चोरी' से 'कानून चोरी' होती है... 'कानून चोरी' से 'संस्था चोरी' होती है-संस्थाओं की चोरी। यही वह श्रृंखला है, जो सामने आई है।

'राजस्थान रॉयल्स टैक्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संचालक कंपनी को प्रदेश में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ेगा, जिस पर कंपनी संचालकों ने आपत्ति जताई कि वे दो जगहों पर अपने कार्यालय का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाना चाहते। राजस्थान रॉयल्स की ओर से कहा गया कि, राज्य कर विभाग के अधिकारियों के इस आदेश के खिलाफ वे जीएसटी ट्रिब्यूनल में अपील दायर करेंगे, परंतु तब तक जीएसटी ट्रिब्यूनल का गठन ही नहीं हुआ था। राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने राजस्थान रॉयल्स को नोटिस जारी करते हुए यह भी कह दिया कि, चूंकि राजसथान रॉयल्स उन्हीं के आदेश के मुताबिक अब प्रदेश में रजिस्टर्ड हैं, इसलिए उन्हें "बिग ट्री" के साथ टिकट बेचान के अनुबंध पर भी टैक्स देना पड़ेगा। इस पर राजस्थान रॉयल्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर वर्ष 2024 में ही अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी थी। इस मामले में 23 सितंबर 2026 को हुई सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि, संविधान के अनुच्छेद 279 के तहत, अगर दो राज्यों के बीच जीएसटी को लेकर विवाद हो तो इसका निस्तारण जीएसटी काउंसिल को करना होगा, जहां पर कंपनी ने प्रस्ताव भेजा हुआ है, जो कि लंबित है। राजस्थान रॉयल्स ने यह भी कहा कि, उनके मैच सिर्फ जयपुर अथवा राजस्थान में ही नहीं होते हैं, बल्कि सभी राज्यों में होते हैं। परंतु हैरानी की बात है कि किसी भी अन्य राज्य ने उन्हें टिकट बेचान पर दूसरी बार टैक्स लगाने का नोटिस नहीं दिया, इस पर अदालत ने टिप्पणी की, "राजस्थान सरकार इकलौती ऐसी सरकार है, जो गृह राज्य की टीम पर अतिरिक्त टैक्स वसूलने का काम कर रही है।" अदालत ने कहा कि राज्य सरकार, क्या चाहती है, क्रिकेट टीम राजस्थान में पधारे या बाहर पधारे।

हिंद महासागर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दरों और समुद्री बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी हो सकती है तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय नौसेना यूँ भी इन जलक्षेत्रों पर करीबी नजर रखती ही है; लेकिन व्यापक अस्थिरता से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए अधिक सैन्य मौजूदगी और कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत बढ़ जाएगी। इस बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर, अमेरिका और ईरान के बीच, कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में, बातचीत हुई है। तेहरान ने कुछ शर्तें रखी हैं, जिनमें नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करना, फ्रीज की गई संपत्तियों को जारी करना और सभी मोर्चों पर शत्रुता समाप्त करना शामिल है। मध्यस्थ अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं, लेकिन आपसी अविश्वास और नई धमकियों के कारण स्थायी समाधान अभी भी दूर है। सफवी की चेतावनी यह दर्शाती है कि यह युद्ध किस तरह एक व्यापक समुद्री संघर्ष में बदलने का जोखिम पैदा कर सकता है। यह केवल बयानबाजी के रूप में प्रतिरोध तक सीमित रहता है या वास्तविक संघर्ष बढ़ने का संकेत देता है, यह सभी पक्षों के संयम और कूटनीतिक प्रयासों में प्रगति पर निर्भर करेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908